गर्भावस्था जारी रखने के लिए पत्नी को नहीं किया जा सकता मजबूर: दिल्ली हाईकोर्ट- 7

अमेरिकी शुल्क चिंता से बाजार में बड़ी गिरावट सेंसेक्स 780 और निफ्टी 264 अंक टूटा-10

दिल के मरीजों के लिए मकड़ी के जहर से बनी दवा, ऑस्ट्रेलिया में शुरू हुआ परीक्षण - 11

महिला प्रीमियर लीग का आगाज आज से, पहले मैच में मुंबई इंडियंस की भिड़ंत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से- 12

आज का मौसम

17.0⁰ अधिकतम तापमान

5.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.06 | सूर्यास्त 05.33

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष षष्ठी 07:05 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 9 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 46, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

मणिपुर सामूहिक दुष्कर्म : छह आरोपियों के खिलाफ आरोप तय

गुवाहाटी। सीबीआई की विशेष अदालत ने मणिपुर में जातीय संघर्ष के दौरान मई 2023 में तीन महिलाओं को निर्वस्त्र किए जाने और उनमें से दो के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किए जाने के मामले में छह आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए हैं। इन छह आरोपियों पर सामूहिक दुष्कर्म, हत्या और दंगा सहित 15 आरोप लगाए गए हैं। विशेष न्यायाधीश चत्रा भुकन गोगोई की अदालत ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख 16 जनवरी तय की है, और मणिपुर की जेल में बंद चार लोगों सहित सभी आरोपियों को व्यक्तिगत रूप से इस तारीख को अदालत के समक्ष पेश होना होगा। अन्य दो आरोपी जमानत पर जेल से बाहर हैं।

घायलों के कैशलेस उपचार वाली योजना की शुरुआत करेंगे मोदी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जल्द ही देशभर में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए नकद-रहित उपचार योजना की औपचारिक शुरुआत करेंगे। गडकरी ने यहां राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के परिवहन मंत्रियों की वार्षिक बैठक की अध्यक्षता करने के बाद कहा, यह योजना सड़क दुर्घटनाओं में समय पर चिकित्सा सहायता न मिलने से होने वाली मौतों को कम करने के उद्देश्य से लाई जा रही है। इस बैठक में सड़क सुरक्षा, यात्रियों की सुविधा, व्यापार सुगमता और वाहन नियमन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

टीएमसी के आईटी सेल हेड के ऑफिस-घर पर छापा, ईडी के सामने ही दस्तावेज ले गईं ममता

कोयला घोटाला व धनशोधन मामले में आई-पैक प्रमुख प्रतीक जैन के प्रतिष्ठानों पर पहुंची ईडी

- कोलकाता में जांच एजेंसी और राज्य सरकार के बीच हाईवोल्टेज ड्रामा

नई दिल्ली/कोलकाता, एजेंसी

ईडी ने गुरुवार को कोलकाता में करोड़ों रुपये के कोयले के अवैध खनन व तस्करी मामले में राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पैक के कार्यालय और इसके निदेशक प्रतीक जैन के घर पर धनशोधन की जांच के तहत तलाशी ली। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की मौजूदगी में संघीय जांच एजेंसी द्वारा सुबह सात बजे से लगभग 10 परिसरों पर छापेमारी की जा रही है। इनमें साल्ट लेक स्थित आई-पैक का कार्यालय व लाउडन स्ट्रीट स्थित जैन का घर भी शामिल है। इन 10 परिसरों में चार दिल्ली में हैं। आईआईटी मुंबई के पूर्व छात्र जैन 'इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी' (आई-पैक) के सह-संस्थापक और निदेशक हैं।

जैन के खिलाफ पश्चिम बंगाल में कोयला घोटाले से जुड़े कुछ हवाला लेनदेन और नकद लेनदेन के संबंध में उनके खिलाफ विशिष्ट साक्ष्य हैं। वह सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख भी हैं। ईडी का मामला सीबीआई द्वारा नवंबर 2020 में दर्ज की गई प्राथमिकी से उपजा है, जिसमें बंगाल के आसनसोल और उसके आसपास के कुनुस्तोरिया और काजोरा क्षेत्रों में ईस्टर्न कोलफील्ड्स की खदानों से संबंधित कई करोड़ रुपये के कोयले की चोरी का आरोप लगाया गया था। कोयला व्यापारी अनूप मांझी उर्फ लाला इस मामले में मुख्य संदिग्ध है। ईडी ने इससे पहले टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी (38) से पूछताछ की थी, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे हैं। ईडी ने दावा किया कि अवैध कोयला व्यापार से प्राप्त धन के वह लाभार्थी हैं। ममता ने ईडी की कार्रवाई पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और आधिकारिक काफिले के साथ जैन के आवास पर पहुंचकर छापेमारी को राजनीतिक रूप से प्रेरित व असंवैधानिक बताया। वहीं, ईडी का आरोप है कि मुख्यमंत्री ममता जैन के घर से अपने साथ कई सुबूतों को ले गईं। कोलकाता में गुरुवार को दिनभर राज्य सरकार और ईडी के बीच हाईवोल्टेज ड्रामा चलता रहा।

ईडी की कार्रवाई को लेकर मीडिया से बात करतीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी।

जैन के परिवार ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई

कोलकाता। आई-पैक के प्रमुख प्रतीक जैन के परिवार ने ईडी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि घर पर छापेमारी के दौरान महत्वपूर्ण दस्तावेज चोरी हो गए। जैन की पत्नी ईडी द्वारा चोरी का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई।

छापेमारी बाधित करने पर हाईकोर्ट पहुंची ईडी

कोलकाता। ईडी ने छापेमारी की कार्रवाई को बाधित करने के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया है। कहा कि छापेमारी के बीच मुख्यमंत्री ममता नाटकीय ढंग से मौके पर पहुंच गई थीं। मुख्यमंत्री, जैन के आवास में दाखिल हो गईं और महत्वपूर्ण सबूत अपने साथ ले गईं।

टीएमसी भी हाईकोर्ट पहुंची, ममता ने कहा- पार्टी के आंतरिक दस्तावेजों जब्त करने का हुआ प्रयास

कोलकाता। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गुरुवार को ईडी की छापेमारी के बीच आई-पैक प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर पहुंचीं और आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसी तृणमूल कांग्रेस के आंतरिक दस्तावेजों, हार्ड डिस्क और उसकी चुनाव रणनीति से जुड़े संवेदनशील डाटा को जब्त करने का प्रयास कर रही थी। बनर्जी ने कहा छापेमारी राजनीतिक रूप से प्रेरित और असंवैधानिक है। बनर्जी कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा के जैन के आवास पहुंचने के कुछ ही मिनट बाद दोपहर के आसपास वहां पहुंचीं। वह लगभग 20-25 मिनट तक वहां रहीं और फिर हाथ में हरे रंग का एक 'फोल्डर' लेकर बाहर निकलीं। मुख्यमंत्री ने पूछा, क्या राजनीतिक दलों के आंकड़े एकत्र करना ईडी का काम है? उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह पर विपक्षी दलों को डराने-धमकाने के लिए संवैधानिक एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

ईडी बोली- मुख्यमंत्री जबरन इमारत में दाखिल हुईं और जैन के घर से सबूतों को साथ ले गईं

नई दिल्ली। ईडी ने आरोप लगाया कि जैन के कोलकाता स्थित आवास में उसकी छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री जबरन इमारत में दाखिल हो गईं और दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों सहित महत्वपूर्ण सबूत अपने साथ ले गईं। संघीय जांच एजेंसी ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी साल्ट लेक स्थित आई-पैक कार्यालय भी पहुंच गईं और उन्होंने, उनके सहयोगियों और राज्य पुलिस ने जबरन मौके से दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य हटा दिए।

500% टैरिफ वाले बिल को ट्रंप की मंजूरी

- अगले सप्ताह अमेरिकी संसद में वोटिंग, रूसी तेल खरीद पर भारत की बढ़ेगी मुसीबतें

न्यूयॉर्क, एजेंसी

राष्ट्रपति ट्रंप ने 500 प्रतिशत टैरिफ वाले बिल को मूजूरी दे दी है। जिसे अगले सप्ताह संसद में वोटिंग के लिए पेश किया जाएगा। इस कदम से भारत, चीन और ब्राजील की रूस से सस्ता तेल खरीदने पर मुश्किल बढ़ सकती है।

अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा कि यह विधेयक चीन, भारत और ब्राजील जैसे देशों के खिलाफ व्हाइट हाउस को बेहद मजबूत दबाव बनाने का साधन प्रदान करेगा, ताकि उन्हें रूस से सस्ता तेल खरीदना बंद करने के लिए प्रेरित किया जा सके। ग्राहम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ विभिन्न मुद्दों पर बेहद सार्थक बैठक के बाद उस

द्विदलीय रूस प्रतिबंध विधेयक को हरी झंडी दे दी गई है जिस पर कई महीनों से सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल और अन्य के साथ कार्य किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि यह सही समय पर आया है, क्योंकि यूक्रेन शांति के लिए रियायतें दे रहा है, जबकि पुतिन बयानबाजी कर रहे हैं और निर्दोषों की हत्या जारी है।

वेनेजुएला से तेल ले जा रहा रूसी टैंकर अमेरिका ने पकड़ा इस पर 3 भारतीय भी, रूस ने परमाणु हमले की दी धमकी

मॉस्को। वेनेजुएला से तेल लेकर जा रहे रूसी टैंकर को अमेरिका ने पकड़ लिया। इसमें कुल 28 लोग मौजूद थे जिनमे से 3 भारतीय शामिल हैं। अमेरिका की हर हरकत पर भड़के रूस ने परमाणु हमले की धमकी तक दे डाली है। रूस ने गुरुवार को इस घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए अमेरिका से समुद्री नौवहन की स्वतंत्रता से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का अनुपालन करने की मांग की। रूस ने इसी के साथ अमेरिका की नव-उपनिवेशवादी प्रवृत्तियों को पुरजोर तरीके से खारिज कर दिया। रूस के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को उत्तरी अटलांटिक में अमेरिकी तटरक्षक बल द्वारा जब्त किये गये मेरिनेरा टैंकर (जिसे पहले बेला-1 के नाम से जाना जाता था) के चालक दल के सदस्यों के साथ मानवीय व्यवहार की मांग की। कहा कि टैंकर के बारे में अमेरिका को बार-बार जानकारी दी गई थी। चालक दल में 17 यूक्रेनी नागरिक, छह जॉर्जियाई नागरिक, तीन भारतीय नागरिक और दो रूसी नागरिक शामिल हैं।

शिमला में गुरुवार को बर्फ से ढके पहाड़। ● एजेंसी

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में जमी जिंदगी, उत्तर भारत कांपा

- सोनमर्ग का तापमान - 9.8 सेल्सियस पहुंचा, उप्र के 40 से अधिक जिलों में बढ़ेगी ठिठुरन

नई दिल्ली, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख समेत पूरा उत्तर भारत कड़ाके की ठंड की चपेट में है। सोनमर्ग में सबसे कम तापमान - 9.8सेल्सियस दर्ज किया गया। गुलमर्ग में -9.2 सेल्सियस और पहलगाम में -8.6 सेल्सिसय रहा। वहीं, उप्र, उत्तराखंड व दिल्ली समेत अन्य राज्यों में हाड़ कंपा देनी वाली ठड़ ने लोगों को ठिठुरने पर मजबूर कर दिया।

मौसम विभाग ने और ठंड बढ़ने की संभावना जताई है। साथ ही, कड़ी चेतावनी जारी की है। उत्तर प्रदेश के 40 से अधिक जिलों में ठिठुरन बढ़ने के आसार हैं। मौसम विभाग ने गुरुवार को यूपी के नोएडा, गाजियाबाद, लखनऊ, आगरा, मुरादाबाद, अयोध्या समेत कई जिलों में 'कोल्ड डे' और घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। बर्फीली हवाओं और घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम है। इससे सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम गई व रेल, हवाई यातायात व आम जनजीवन प्रभावित हुआ।

शुक्रवार से पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने पर कोहरे में कुछ कमी आ सकती है, हालांकि ठंड से तत्काल राहत के अभी आसार नहीं हैं। हल्द्वानी, कालाढुंगी, रामनगर, बैलपड़ाव, पिरूमदारा, प्रतापपुर सहित आसपास के इलाकों में सुबह से ही कोहरे की घनी चादर छाई रही। उप्र में सबसे कम तापमान सोनभद्र के चुर्क में चार डिग्री सेल्यियस दर्ज किया गया।

पिछले चौबीस घंटों में राजधानी लखनऊ समेत वाराणसी, अयोध्या व बरेली मंडल के जिलों में तापमान में काफी गिरावट -2.1 से -4 डिग्री सेल्सियस दर्ज की गई।

एआई स्टार्टअप वैश्विक नेतृत्व की दिशा में करें काम

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री ने कहा- भारत पर दुनिया का विश्वास ही उसकी सबसे बड़ी ताकत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत पर दुनिया का विश्वास ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। कहा कि यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि भारतीय एआई मॉडल नैतिक, निष्पक्ष और पारदर्शी होने के साथ-साथ डेटा गोपनीयता सिद्धांतों पर आधारित हों। स्टार्टअप को इस देश से वैश्विक नेतृत्व की दिशा में काम करना चाहिए। साथ ही कहा भारत वहनीय एआई, समावेशी एआई और मितव्ययी नवाचार को विश्वस्तर पर बढ़ावा दे सकता है।

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' से पहले, भारतीय एआई स्टार्टअप के साथ एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए मोदी ने सुझाव दिया कि भारतीय एआई मॉडल विशिष्ट होने चाहिए और उन्हें स्थानीय और स्वदेशी सामग्री तथा क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देना चाहिए।

कहा कि स्टार्टअप और कृत्रिम बुद्धिमत्ता उद्यमी देश के भविष्य के सह-निर्माता हैं। अगले माह आयोजित होने वाले 'एआई फॉर ऑल: ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंज' शिखर के लिए अर्हता प्राप्त कर चुके 12 भारतीय एआई स्टार्टअप ने बैठक में भाग लिया।

होमगार्ड आरक्षी भर्ती: अभ्यर्थियों को आयु सीमा में मिलेगी छूट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 के तहत होमगार्ड्स श्रेणी के अभ्यर्थियों को भी आयु सीमा में छूट का लाभ मिलेगा। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, लखनऊ ने इस संबंध में सूचना जारी की है। भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 31 दिसंबर 2025 से शुरू हो चुकी है।

उप्र शासन के शासनादेश दिनांक 5 जनवरी के अनुसार, उत्तर प्रदेश लोक सेवा नियमावली-1992 के तहत इस भर्ती में सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को अपवाद स्वरूप एक बार के लिए अधिकतम आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट प्रदान की गई है। इसी क्रम में बोर्ड द्वारा 5 जनवरी को विज्ञप्ति संख्या पीआरपीबी-बी (आरक्षी पीएसी एवं अन्य संवर्ग) 07/2025 प्रकाशित की गई। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि यह आयु सीमा में छूट होमगार्ड्स श्रेणी के अभ्यर्थियों पर भी लागू होगी। होमगार्ड्स (पुरुष/महिला) श्रेणी के लिए अधिकतम आयु सीमा अब 25 वर्ष के स्थान पर 28 वर्ष स्वीकार की जाएगी। इस श्रेणी के पात्र अभ्यर्थियों की जन्मतिथि 2 जुलाई 1997 से 1 जुलाई 2007 के बीच होना अनिवार्य है।

कोहरे का कहर : ट्रक की टक्कर से बाइक सवार पिता व दो पुत्रों की मौत

- मजदूरी करने जा रहे थे किच्छा, गुड़वारा गांव के पास हुआ हादसा, टक्कर से बाइक के परखच्चे उड़े, चालक ट्रक छोड़कर हुआ फरार

संवाददाता, बहेड़ी/ बरेली

अमृत विचार : घने कोहरे में गुरुवार की सुबह भीषण हादसा हो गया। बहेड़ी क्षेत्र के गुड़वारा गांव के पास कोहरे में तेज रफ्तार दौड़ रहे ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में पिता और उसके दोनों बेटों की मौके पर मौत हो गई। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों शव सड़क पर बिखर गए। हादसे के बाद ट्रक छोड़कर चालक फरार हो गया। पुलिस ने मृतकों की जेब से मिले कागजों से उनकी पहचान की और परिवार को सूचना दी।

देवरनियां थाना क्षेत्र के इटौआ निवासी पप्पू (55 वर्ष), उनका 15 साल का बेटा विशाल कुमार और 20 साल का विवेक कुमार किच्छा में होटलों में साफ सफाई का काम करते थे। तीनों गुरुवार की सुबह बाइक से काम पर जा रहे थे। इसी बीच बहेड़ी थाना क्षेत्र के गुड़वारा गांव के पास पहुंचे तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर मौके से भाग गया। पुलिस ने मृतकों की जेब में मिले दस्तावेजों को देखकर उनके परिजनों को सूचना दी। इसके बाद मृतकों की शिनाख्त की गई। हादसे के बाद पप्पू के परिवार में कोहराम मच गया। इंस्पेक्टर पवन कुमार ने बताया कि यह घटना सुबह 8 बजे की है। चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया है। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लिया है। रिपोर्ट दर्ज करके ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

सपा विधायक विजय सिंह गोंड का निधन

लखनऊ। सपा के वरिष्ठ नेता व दुद्धी (सुरक्षित) विधानसभा सीट से आठ बार के विधायक विजय सिंह गोंड का गुरुवार को लखनऊ स्थित एसजीपीजीआई में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे लंबे समय से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे और दोनों किडनी खराब होने के कारण अस्पताल में भर्ती थे। निधन पर मुख्यमंत्री योगी, सपा मुखिया अखिलेश यादव, विस अध्यक्ष सतीश महाना आदि ने दुःख जताया है। विजय सिंह गोंड के निधन से सोनभद्र सहित आसपास के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। वे आठ बार विधानसभा के सदस्य रहे।

शासनादेश

योगी सरकार का अहम कदम, वैश्विक कंपनियों को प्रदेश में निवेश का आकर्षक प्रोत्साहन

यूपी में लागू हुई जीसीसी नीति नियमावली, बढ़ेगा निवेश-रोजगार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश में हाई-स्किल रोजगार के बढ़ेंगे अवसर, शासनादेश जारी

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने प्रदेश को वैश्विक आईटी और नॉलेज आधारित सेवाओं का केंद्र बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। राज्यपाल की मंजूरी के बाद उत्तर प्रदेश वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) नीति-2024 के क्रियान्वयन से जुड़ी नियमावली-2025 को लागू कर दिया गया है। इस संबंध में औद्योगिक विकास विभाग द्वारा शासनादेश जारी किया गया है।

नई नियमावली के तहत आईटी, आईटीईएस, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, डेटा एनालिटिक्स, इंजीनियरिंग डिजाइन और बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग से जुड़ी वैश्विक कंपनियों को प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षक प्रोत्साहन दिए जाएंगे। सरकार का मानना है कि इससे बड़े पैमाने पर हाई-स्किल रोजगार के अवसर सृजित होंगे। नियमों में पात्र पूंजी निवेश पर सब्सिडी, भूमि व भवन लागत में राहत, किराया सहायता, बिजली शुल्क और स्टांप ड्यूटी में छूट का प्रावधान किया गया है। साथ ही स्थानीय युवाओं को रोजगार देने वाली कंपनियों को अतिरिक्त इंसेंटिव मिलेगा। परियोजनाओं के मूल्यांकन के लिए तकनीकी विशेषज्ञों का समूह गठित किया जाएगा और आवेदन प्रक्रिया इन्वेस्ट यूपी के सिंगल विंडो सिस्टम से पूरी होगी।

किराया, बिजली और स्टांप ड्यूटी में राहत

जीसीसी इकाइयों को शुरुआती वर्षों में किराये पर भी सब्सिडी दी जाएगी। साथ ही बिजली शुल्क में छूट, स्टांप ड्यूटी में रियायत और पंजीकरण शुल्क में राहत का भी प्रावधान किया गया है। इससे नई और विस्तार कर रही कंपनियों की शुरुआती लागत कम होगी।

रोजगार सृजन पर विशेष प्रोत्साहन

महिला कर्मचारियों, दिव्यांगजनों और स्थानीय निवासियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए भी प्रोत्साहन तय किए गए हैं। ईपीएफ प्रतिपूर्ति और वेतन आधारित सब्सिडी के प्रावधान से कंपनियों को मानव संसाधन पर होने वाले खर्च में राहत मिलेगी।

क्या मिलेगा

- आईटी और आईटीईएस कंपनियों को पूंजी निवेश पर सब्सिडी
- भूमि लागत, भवन निर्माण और आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर पर वित्तीय सहायता
- शुरुआती वर्षों में किराया सब्सिडी
- बिजली शुल्क और स्टांप ड्यूटी में छूट
- इपीएफ प्रतिपूर्ति और वेतन आधारित इंसेंटिव

न्यूज ब्रीफ

एनसीडीसी के ऋण व ब्याज भुगतान को वित्तीय स्वीकृति जारी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) से लिए गए ऋण और उस पर देय ब्याज के भुगतान को लेकर बड़ी वित्तीय स्वीकृति जारी की है। सहकारिता विभाग से जुड़े दो अलग-अलग शासनादेशों के माध्यम से कुल 31.67 करोड़ रुपये से अधिक की राशि को मंजूरी दी गई है। इससे एनसीडीसी के बकाया ऋण एवं ब्याज भुगतान का मार्ग प्रशस्त हो गया है। पहले शासनादेश के तहत एनसीडीसी से लिए गए ऋण पर देय ब्याज भुगतान के लिए 6,13,81,745 (6.13 करोड़) रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह राशि राजस्व लेखाशीर्ष के अंतर्गत 'राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम से प्राप्त ऋणों पर ब्याज' मद में स्वीकृत की गई है। वहीं, दूसरे शासनादेश में मूल ऋण (प्रिंसिपल) के भुगतान के लिए 25,53,71,100 (25.53 करोड़) रुपये की स्वीकृति दी गई है। यह राशि पूंजीगत मद 'राज्य सरकार का आंतरिक ऋण' के अंतर्गत एनसीडीसी से लिए गए कर्ज के प्रतिदान को स्वीकृत की गई है।

माघ मेला में चार पर्यटन सूचना केंद्र स्थापित

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में संगम नगरी प्रयागराज में माघ मेला 2026 का आयोजन किया जा रहा है। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए उप्र. पर्यटन विभाग ने मेला क्षेत्र में चार अस्थायी पर्यटन सूचना केंद्र स्थापित किए हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने गुरुवार को बताया कि अस्थायी पर्यटन सूचना केंद्रों पर हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रयागराज के प्रमुख पर्यटन स्थलों से संबंधित पुस्तिकाएं, गाइड बुक और प्रशिक्षित टूरिस्ट गाइड की सूची उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही पंजीकृत पेइंग गेस्ट हाउस, धर्मशालाओं और अन्य ठहरने की सुविधाओं की जानकारी भी दी जा रही है। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि पर्यटन विभाग द्वारा ये चार सूचना केंद्र परेड ग्राउंड, नागवासुकी मंदिर, प्रयागराज छिवकी जंक्शन रेलवे स्टेशन और अरैल घाट के पास स्थापित किए गए हैं।

अब क्रॉप कटिंग की मिलेगी क्षतिपूर्ति

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ फसलों की क्रॉप कटिंग (कटाई के बाद नुकसान का आकलन) का काम लगभग पूरा हो गया है। सरकार ने बीमा कंपनियों से रिपोर्ट मांगी है। जिन किसानों की फसल तय मानक से कम हुई है, उन्हें 10 से 15 दिन के अंदर मुआवजा मिल जाएगा। खरीफ 2025-26 में प्रदेश के 20 लाख से ज्यादा किसानों ने धान, मक्का, बाजरा, उड़द, मूंग जैसी फसलों का बीमा कराया था। अगस्त और सितंबर में ज्यादा बारिश होने से फसलों को नुकसान हुआ था। इस पर सरकार पहले ही ढाई लाख किसानों को करीब 200 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुकी है। अब सभी जिलों में फसलों की कटाई कर उपज का आकलन किया गया है। जहां फसल कम निकली है, वहां किसानों को बीमा के हिसाब से पैसा दिया जाएगा। ज्यादातर जिलों की रिपोर्ट आ चुकी है और जल्द ही भुगतान शुरू होगा। इस बार क्रॉप कटिंग के आधार पर मिलने वाला मुआवजा पिछले साल से ज्यादा हो सकता है, जिससे किसानों को राहत मिलेगी। हालांकि, कागजात में कमी के कारण एक लाख से ज्यादा बीमा पॉलिसियां रद्द कर दी गई थीं।

पीसीआई के सदस्य बने संदीप बडोला

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. फार्मेसी काउंसिल के चेयरमैन, डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष तथा फेडरेशन ऑफ इंडियन फार्मासिस्ट संगठन के जनरल सेक्रेटरी संदीप बडोला को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) का सदस्य मनोनीत किया गया है। उनका कार्यकाल पांच वर्षों का रहेगा। एपसेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्रा, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री अतुल मिश्रा, डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के महामंत्री राजेंद्र सिंह पटेल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश मिश्रा, प्रवक्ता एसएन त्रिपाठी सहित कर्मचारी, अधिकारी और संगठन के पदाधिकारियों ने संदीप बडोला को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया का सदस्य मनोनीत होने पर शुभकामनाएं दीं।

समाचार पत्र पठन से जागरूक नागरिक बनेंगे विद्यार्थी

विद्यालयों में नियमित समाचार पत्र पठन की संस्कृति विकसित करें : डॉ. शन्मुगा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

डॉ. एमके शन्मुगा सुंदरम

अमृत विचार : बीओसीडब्ल्यू कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष एवं प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन विभाग डॉ. एमके शन्मुगा सुंदरम ने प्रदेश के विद्यालयों में नियमित समाचार पत्र पठन (न्यूज पेपर रीडिंग) की संस्कृति विकसित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने के साथ-साथ उन्हें जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

बीओसीडब्ल्यू कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष ने गुरुवार को बताया कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पाठ्यक्रम आधारित शिक्षा के साथ-साथ सामान्य ज्ञान, भाषाई पकड़ और तार्किक व आलोचनात्मक सोच को सशक्त करना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से छात्रों को समाचार पत्रों के नियमित पठन के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। इस संबंध में बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा 23 दिसंबर 2025 को निर्देश भी जारी किए जा चुके हैं।

उन्होंने सभी अटल आवासीय विद्यालयों में इन गतिविधियों को तत्काल प्रभाव से दैनिकचर्या में शामिल करने के निर्देश दिए हैं। प्रत्येक विद्यालय के पुस्तकालय में उच्च गुणवत्ता वाले हिंदी एवं अंग्रेजी समाचार पत्रों की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। विद्यार्थियों को सामान्य ज्ञान के साथ-साथ विज्ञान, अर्थव्यवस्था, समसामयिक घटनाक्रम और खेल से जुड़े समाचार पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

अध्यक्ष डॉ.एम के शन्मुगा सुंदरम ने निर्देश दिया कि प्रार्थना सभा के बाद कक्षा में पठन-पाठन प्रारंभ होने से पूर्व प्रतिदिन 10 मिनट समाचार पठन के लिए निर्धारित किए जाएं। प्रतिदिन पांच नए या कठिन शब्द उनके अर्थ सहित बोर्ड पर लिखे जाएं तथा विद्यालय के मुख्य डिस्प्ले बोर्ड पर 'आज का सुविचार' अनिवार्य रूप से प्रदर्शित किया जाए।

कक्षा नौ से 12 तक के छात्रों के लिए सप्ताह में एक बार संपादकीय लेखों पर आधारित लेखन या समूह चर्चा आयोजित होगी। वहीं, कनिष्ठ वर्ग के छात्रों से विज्ञान, पर्यावरण और खेल विषयों पर न्यूज क्लिपिंग स्क्रैपबुक तैयार कराई जाएगी। तार्किक विकास के लिए सुडोकू, शब्द पहेली और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं भी कराई जाएंगी।

ब्रिटिश नागरिक मौलाना शमशुल हुदा के मदरसे की मान्यता रद्द

- 9 वर्ष पूर्व फर्जी दस्तावेजों पर हासिल कर ली थी मान्यता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: ब्रिटिश नागरिकता हासिल कर चुके मौलाना शमशुल हुदा खान द्वारा संतकबीरनगर के खलीलाबाद में चलाए जा रहे मदरसा कुल्लियातुल बनातिर रजविया (निस्वा) की मान्यता राज्य मदरसा शिक्षा परिषद ने रद्द कर दी है। यह फैसला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी की जांच रिपोर्ट के आधार पर लिया गया।

जांच में पाया गया कि मदरसे ने जिन जमीनों के कागजात दिखाकर कक्षा 1 से 10 तक की मान्यता ली थी, वे जमीनें बाद में जिलाधिकारी के आदेश से राज्य सरकार में निहित हो गईं। इसके बावजूद मदरसा बिना अनुमति दूसरे स्थान पर चलाया जा रहा था। वर्तमान भवन की जमीन की रजिस्ट्री मदरसे की मान्यता मिलने के करीब 18 महीने बाद कराई गई थी, यानी इस भवन पर कभी वैध मान्यता ली ही नहीं गई। अधिकारियों के अनुसार यह स्थिति मदरसा सेवा नियमावली 2016 के भूमि और भवन संबंधी नियमों का उल्लंघन है। इसी कारण मदरसा प्रबंधन से स्पष्टीकरण मांगा गया था, लेकिन संतोषजनक जवाब न मिलने पर मान्यता रद्द कर दी गई। इसके अलावा, मौलाना शमशुल हुदा खान को नवंबर में एटीएस ने गिरफ्तार किया था। आरोप है कि ब्रिटेन की नागरिकता लेने के बावजूद वह भारत में वेतन और पेंशन लेता रहा। जांच में यह भी सामने आया कि उसके बैंक खाते में विदेशों से करीब 4 करोड़ रुपये आए थे और उसके संदिग्ध आतंकी संपर्क थे। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जांच कर रहा है। इस मामले में लापरवाही और मिलीभगत के आरोप में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के चार अधिकारियों को निलंबित किया जा चुका है। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि आगे कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

प्रवासियों को सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ेगा यूपी दिवस

मुख्यमंत्री ने की यूपी दिवस-2026 की तैयारी की समीक्षा

- देश के सभी राजभवनों और विदेश में भारतीय दूतावासों पर होंगे आयोजन
- 'विकसित यूपी-विकसित भारत' थीम पर प्रस्तुतियां, युवाओं की भागीदारी पर जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश की स्थापना की स्मृति में मनाया जाने वाला उत्तर प्रदेश दिवस-2026 इस वर्ष अभूतपूर्व रूप से व्यापक, भव्य और वैश्विक स्वरूप में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी दिवस का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं, बल्कि देश और विदेश में रह रहे प्रवासी उत्तर प्रदेशवासियों को उनकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ना और प्रदेश की पहचान व सामर्थ्य को वैश्विक मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना है।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को अपने आवास पर यूपी दिवस-2026 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि 24 से 26 जनवरी तक तीन दिवसीय समारोह के दौरान लखनऊ में मुख्य आयोजन के साथ-साथ प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों, देश के सभी राजभवनों और विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों में भी यूपी दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

'यूपी गौरव' बनेगा प्रेरणा का प्रतीक

यूपी दिवस के अवसर पर प्रदेश की प्रतिभाओं और कर्मशील व्यक्तित्वों को सम्मानित किया जाएगा। 'उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान', 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान' और 'माटी कला बोर्ड सम्मान' प्रदान किए जाएंगे। उद्यमियों, खिलाड़ियों, महिलाओं, चिकित्सकों, वैज्ञानिकों और प्रगतिशील किसानों को सम्मानित कर प्रदेश की प्रतिभा, परिश्रम और नवाचार को राष्ट्रीय व वैश्विक पहचान दिलाई जाएगी।

प्रदेशभर में होंगी सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं

यूपी दिवस के अंतर्गत जनपद, मंडल और राज्य स्तर पर गायन, नृत्य, वादन और नाट्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। जनपद स्तरीय समारोहों में जिले की विकास यात्रा पर केंद्रित विशेष फिल्मों का प्रदर्शन होगा। ऐतिहासिक और वैचारिक विरासत से जुड़े नाट्य मंचन, नुक्कड़ नाटक, ओपन माइक, कठपुतली थियेटर, रंगोली, पारंपरिक परिधान और पाक-कला प्रतियोगिताएं भी होंगी। भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के छात्र 'वंदे मातरम्' और 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' थीम पर विशेष प्रस्तुतियां देंगे।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी राजभवनों से संवाद स्थापित कर आयोजन सुनिश्चित किए जाएं। इस वर्ष आयोजन की थीम 'विकसित यूपी-विकसित भारत' होगी, जिसमें युवाओं और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर 'प्रारंभिक उत्तर भारत और इसके सिक्के' पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक के लेखक देवेंद्र हांडा व अनुवादक मनीष वर्मा हैं। इसका संग्रह हिंदुजा फाउंडेशन ने किया है। पुस्तक को उत्तरी भारत के स्वदेशी प्रारंभिक ऐतिहासिक सिक्कों की सबसे बड़ी संख्या पर चर्चा और चित्रण करने का गौरव प्राप्त है।

पीएम सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के ऋण वितरण में यूपी अग्रणी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन (पीएम एफएमई) योजना के तहत ऋण वितरण और परियोजना स्वीकृति में उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर रहा है। वर्ष 2025-26 में प्रदेश में 5475 परियोजनाओं को स्वीकृति मिली है और 86 प्रतिशत ऋण वितरण किया गया, जो राष्ट्रीय औसत 81 प्रतिशत से अधिक है। यह जानकारी उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा ने गुरुवार को विभागीय बैठक में दी। बताया कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जनपदों, अधिकारियों, बैंक शाखा प्रबंधकों और रिसोर्स पर्सन को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

जनता दर्शन में सीएम ने दिया मदद का भरोसा

अमृत विचार, लखनऊ/गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार सुबह जिलों से आए करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान सरकार का संकल्प है। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिए कि तत्परता और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। हर पात्र को योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। गोरखनाथ मंदिर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री स्वयं लोगों के पास पहुंचे, उनकी शिकायतें ध्यानपूर्वक सुनीं और प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किए।

ग्राम पंचायतें लोकतंत्र की सबसे मजबूत इकाई : योगी

- पंचायती राज विभाग के मासिक न्यूजलेटर की शुरुआत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को पंचायती राज विभाग के मासिक न्यूजलेटर "पंचायतों की प्रगति गाथा" की शुरुआत की। इस अवसर पर पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर केंद्रित विभागीय वार्षिक कैलेंडर "नारी शक्ति की नई उड़ान, गांव बदल रही महिला प्रधान" मुख्यमंत्री को भेंट किया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ग्राम पंचायतें लोकतंत्र की सबसे मजबूत और सशक्त इकाई हैं। जब पंचायतें सशक्त होती हैं, तभी गांव और प्रदेश का समग्र विकास संभव हो पाता है। उन्होंने कहा कि यह न्यूजलेटर गांवों में हो रहे सकारात्मक बदलावों, नवाचारों और जनकल्याणकारी कार्यों को एक मंच पर लाकर जन-जन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बनेगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस न्यूजलेटर के माध्यम से प्रदेश की सफल ग्राम पंचायतों की विकास कहानियां सामने आएंगी, जिससे अन्य पंचायतों को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। इससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल बनेगा और पंचायत स्तर पर पारदर्शिता व जनभागीदारी को बढ़ावा मिलेगा।

न्यूजलेटर के अंतर्गत प्रत्येक माह एक वंदनीय ग्राम पंचायत का चयन कर वहां हुए उत्कृष्ट विकास कार्यों, नवाचारों, पारदर्शी प्रशासन और जनसहभागिता को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा।

900 नई अदालतों के लिए बजट शीघ्र

विधि संवाददाता, लखनऊ : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में न्यायिक ढांचे के विस्तार को लेकर स्वतः संज्ञान जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान अपर मुख्य सचिव, वित्त ने बताया कि प्रदेश में 900 नई अदालतों तथा संबंधित पदों के सृजन के लिए बजट उपलब्ध है। इसी वित्तीय वर्ष में इसका प्रावधान भी हो जाएगा। इस पर कोर्ट ने कहा कि 31 मार्च के लिए ज्यादा समय नहीं बचा है, लिहाजा सरकार द्वारा जल्दी निर्णय लिया जाए। मामले की अगली सुनवाई के लिए 23 फरवरी की तिथि नियत की गई है। साथ ही इस तिथि पर प्रमुख सचिव, विधि को उपस्थित रहने का भी आदेश दिया है। न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति राजीव भारती की खंडपीठ ने यह आदेश उक्त प्रकरण में स्वतः संज्ञान लेकर दर्ज की गई एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया।

आजमगढ़ में नए शहर के विकास को मंजूरी

- 100 करोड़ की पहली किस्त जारी, 389.96 करोड़ की परियोजना से बनेगा टाउनशिप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: योगी सरकार ने आजमगढ़ में नए शहर के समग्र और सुनियोजित विकास के लिए बड़ी वित्तीय मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री शहरी विस्तार/नए शहर प्रोत्साहन योजना के तहत कुल 389.96 करोड़ रुपये लागत से आधुनिक टाउनशिप परियोजना में आजमगढ़ विकास प्राधिकरण (एडीए) को वित्तीय वर्ष 2025-26 में 100 करोड़ रुपये की सीड कैपिटल की प्रथम किश्त स्वीकृत की गई है।

आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के प्रमुख सचिव पी गुरुप्रसाद की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार, आजमगढ़ के कोटिला परगना, निजामाबाद (तहसील सदर) क्षेत्र में प्रस्तावित नए शहर के लिए भूमि अर्जन किया जाएगा। इस परियोजना के अंतर्गत कुल संभावित भूमि अर्जन व्यय 389.96 करोड़ रुपये आंका गया है, जिसके सापेक्ष शासन ने अधिकतम 194.98 करोड़ रुपये तक सीड कैपिटल अनुमन्य की है। इसमें से 100 करोड़ रुपये की धनराशि पहली किश्त के रूप में जारी की गई है। भूमि अर्जन की प्रक्रिया उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता-2006, भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन अधिनियम-2013 तथा संबंधित नियमावलियों के अनुरूप की जाएगी। भू-स्वामियों से आपसी सहमति के आधार पर भूमि क्रय की स्थिति में शासनादेशों और न्यायालयों के निर्देशों का पालन अनिवार्य होगा।

प्रस्तावित टाउनशिप में पर्याप्त पेयजल और भूजल संरक्षण, पर्यावरणीय स्वीकृतियां, तकनीकी स्वीकृति और सभी वैधानिक अनापत्तियों को कार्य शुरू होने से पहले प्राप्त करना अनिवार्य किया गया है। परियोजना की गुणवत्ता, मानक और समयबद्ध पूर्णता की जिम्मेदारी आजमगढ़ विकास प्राधिकरण की होगी।

20 वर्षों तक मिलेगी सीड कैपिटल

शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि सीड कैपिटल अधिकतम 20 वर्षों की अवधि के लिए अनुमन्य होगी। दूसरी किश्त तभी जारी की जाएगी, जब आजमगढ़ विकास प्राधिकरण पहली किश्त की कम से कम 75 प्रतिशत राशि खर्च करने के साथ-साथ अपने संसाधनों से समतुल्य मैचिंग फंड की व्यवस्था कर भूमि क्रय में व्यय कर देगा।

एक ही स्थान पर होगी जमीन की खरीद

शासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि सीड कैपिटल से खरीदी जाने वाली भूमि एक ही स्थान पर होगी। अलग-अलग स्थानों पर बिखरी हुई भूमि खरीदने की अनुमति नहीं होगी।

परिवार में संपत्ति दान करना सस्ता

अमृत विचार, लखनऊ : मंत्रिपरिषद की बैठक में मंजूरी के बाद राज्य सरकार ने गुरुवार को परिजनों के बीच अचल संपत्ति के दान को आसान बनाने संबंधी अधिसूचना जारी कर दिया है। इसके तहत अब परिवार के सदस्यों के बीच दान पत्र (गिफ्ट डीड) पर लगने वाला स्टांप शुल्क अधिकतम 5,000 रुपये तक सीमित कर दिया गया है। स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग की नई व्यवस्था के अनुसार यदि कोई व्यक्ति अपनी अचल संपत्ति पुत्र, पुत्री, माता-पिता, पति-पत्नी, बहू, सगे भाई-बहन, दामाद या पौत्र-पौत्री के नाम दान करता है, तो अब भारी स्टांप शुल्क नहीं देना होगा। सरकार का उद्देश्य पारिवारिक संपत्ति हस्तांतरण को सरल बनाना और आपसी विवादों को कम करना है।

विद्यालयों में होंगे वार्षिकोत्सव व खेल उत्सव, 19.80 करोड़ जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों और 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में जनवरी के अंत तक वार्षिकोत्सव और खेल उत्सव आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए शासन ने 19.80 करोड़ रुपये जारी किए हैं। यह आयोजन 1.32 लाख से अधिक विद्यालयों में होगा और विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए जाएंगे।

इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना विकसित करना तथा विद्यालयों को समुदाय का सक्रिय केंद्र बनाना है। इसमें अभिभावक, जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग भी भाग लेंगे। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि इससे परिषदीय विद्यालयों को समुदाय के सक्रिय केंद्र के रूप में विकसित करने में भी मदद मिलेगी। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने कहा कि वार्षिकोत्सव और खेल उत्सव बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना विकसित करने के साथ परिषदीय विद्यालयों को सामुदायिक विश्वास का केंद्र बनाएंगे। वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं होंगी, जबकि खेल उत्सव में विभिन्न आयु वर्ग के लिए दौड़ और रिले रेस आयोजित की जाएंगी। नियमित उपस्थिति वाले बच्चों को भी सम्मानित किया जाएगा।

खाद्य एवं रसद विभाग को हस्तांतरित होंगे सभी अन्नपूर्णा भवन

- डीएम और मंडलायुक्तों को निर्देश, राशन कार्ड धारकों को मिलेगा लाभ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सरकार ने राशन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए एक अहम फैसला लिया है। अब मनरेगा या किसी भी दूसरी सरकारी योजना से बने सभी अन्नपूर्णा भवन खाद्य एवं रसद विभाग के नाम किए जाएंगे। इससे राशन की दुकानों के संचालन में कोई परेशानी नहीं होगी।

जब कोई अन्नपूर्णा भवन पूरी तरह बन जाएगा, तो उसे जिला पूर्ति अधिकारी को सौंपा जाएगा। इसके बाद उस भवन में राशन की दुकान चलाने के लिए उचित दर विक्रेता को अनुबंध के आधार पर दिया जाएगा। यह नियम सिर्फ नए भवनों पर ही नहीं, बल्कि पहले से बने सभी अन्नपूर्णा भवनों पर भी लागू होगा, चाहे वे किसी भी योजना से बने हों। सरकार ने यह भी साफ कर दिया है कि भवन बनने से पहले जमीन का नामांतरण खाद्य एवं रसद विभाग के नाम होना जरूरी है। अगर जमीन का नामांतरण नहीं होगा, तो उस भवन को वैध नहीं माना जाएगा। पूरी हस्तांतरण प्रक्रिया सरकार द्वारा तय किए गए फार्मेट में और बिल्कुल मुफ्त होगी। इस फैसले से राशन वितरण व्यवस्था मजबूत होगी और राशन कार्ड धारकों को सीधा लाभ मिलेगा।

सरकार-वॉलमार्ट के बीच एमओयू

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को वैश्विक बाजार से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत एक्सपोर्ट प्रमोशन ब्यूरो (ईपीबी) और वॉलमार्ट के बीच वॉलमार्ट वृद्धि कार्यक्रम के अंतर्गत एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह एमओयू तीन वर्षों तक प्रभावी रहेगा, जिसे आपसी सहमति से आगे बढ़ाया जा सकेगा। समझौते का उद्देश्य प्रदेश के एमएसएमई को डिजिटल सशक्तिकरण, ई-कॉमर्स रेडीनेस, पैकेजिंग, गुणवत्ता, प्रमाणीकरण और बाजार पहुंच जैसे अहम क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करना है। वॉलमार्ट वृद्धि कार्यक्रम के तहत चयनित उद्यमियों को निःशुल्क प्रशिक्षण और मेंटरशिप दी जाएगी।

पहल | गांव में ही मिलेगा नया आधार, अपडेट और प्रमाणीकरण की सुविधा भी

1000 ग्राम पंचायतों में खुलेंगे आधार सेवा केंद्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: ग्रामीणों को आधार से जुड़ी सेवाओं के लिए अब ब्लॉक मुख्यालय या शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। प्रदेश में आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए योगी सरकार ने ग्राम पंचायत स्तर पर ही आधार सेवाएं उपलब्ध कराने की पहल शुरू कर दी है। इसके तहत प्रदेश की 1000 ग्राम पंचायतों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में आधार सेवा केंद्र स्थापित करने के लिए ग्राम सचिवालयों में आवश्यक उपकरण लगाए जाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

यूआईडीएआई से मिली अनुमति

हाल ही में राज्य सरकार ने सभी 57,694 ग्राम पंचायतों में आधार सेवा शुरू करने के लिए पंचायती राज विभाग को यूआईडीएआई से एमएयू करने की अनुमति दी थी। योजना के सुचारु और पारदर्शी संचालन के लिए यूआईडीएआई ने पंचायती राज विभाग को रजिस्ट्रार आईडी और इंपैनलमेंट एजेंसी (ईए) आईडी निर्गत कर दी है। इससे ग्राम पंचायत स्तर पर आधार सेवाओं का संचालन पूरी तरह अधिकृत ढंग से किया जा सकेगा।

पूरे प्रदेश में विस्तार की तैयारी

अधिकारियों के अनुसार, पायलट प्रोजेक्ट के सफल होने के बाद इसे चरणबद्ध तरीके से प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में लागू करने की योजना है। इससे हर गांव में डिजिटल सेवाओं की मजबूत व्यवस्था खड़ी हो सकेगी। पंचायती राज विभाग का मानना है कि यह पहल केवल आधार सेवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह डिजिटल सशक्तिकरण और गांव-गांव विकास की सरकार की सोच को जमीन पर उतारने का माध्यम बनेगी।

इन केंद्रों के माध्यम से नया आधार नामांकन, आधार में नाम-पता-जन्मतिथि अपडेट, बायोमेट्रिक अपडेट और प्रमाणीकरण जैसी सेवाएं सीधे गांव में ही उपलब्ध होंगी। इससे ग्रामीणों का समय और खर्च दोनों बचेगा। पंचायती राज निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि इन केंद्रों का संचालन ग्राम पंचायत सहायक करेंगे। इससे एक ओर जहां स्थानीय युवाओं को जिम्मेदारी और रोजगार मिलेगा, वहीं दूसरी ओर सेवाओं की उपलब्धता भी गांव में सुनिश्चित होगी।

नई व्यवस्था से आधार से जुड़ी सेवाओं में आने वाली दिक्कतें काफी हद तक समाप्त होंगी। आधार अपडेट न होने के कारण सरकारी योजनाओं का लाभ न मिल पाने की समस्या भी कम होगी।

न्यूज ब्रीफ

कॉर्बेट पार्क में मोबाइल फोन पर लगेगा प्रतिबंध

रामनगर, अमृत विचार : कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के सभी पर्यटन जोनों में अब सफारी के दौरान पर्यटकों को मोबाइल फोन ले जाने पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी की जा रही है। अब पार्क के भीतर किसी भी पर्यटक, वन कर्मी, नेचर गाइड या जिप्सी चालक को मोबाइल फोन रखने की अनुमति नहीं होगी। यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश के बाद लिया जा रहा है।

झूसी में तेंदुए ने दो लोगों को किया घायल

प्रयागराज, एजेंसी : प्रयागराज के झूसी क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक तेंदुआ रिहायशी घर में घुस गया और परिवार के दो सदस्यों को घायल कर दिया। पुलिस ने बताया कि छिबैया गांव में तेंदुआ सुबह करीब 6 बजे बैटरी मैकेनिक शेखर ठाकुर के घर में घुसा। तेंदुए ने परिवार के दो लोगों पर हमला कर दिया, जिससे दोनों घायल हो गए। एक के सिर और एक के हाथ में चोट लगी है। हमले के बाद घरवालों ने किसी तरह तेंदुए को कमरे में बंद कर बाहर निकलकर जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग को जानकारी दी गई।

गड्ढे में डूबने से दो बच्चों की जान गई

कुशीनगर, एजेंसी : जिले के खड्डा क्षेत्र में गुरुवार को क्रिकेट खेलने के दौरान दो बच्चों की अपशिष्ट जल से भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने यहां बताया कि खड्डा थाना क्षेत्र के भुजौली पूरब टोला में पूर्वाह्न करीब साढे.11 बजे रामायण नामक व्यक्ति का बेटा आर्यन (पांच) और उसके पड़ोसी दीपलाल का पुत्र मंगल (तीन) घर के पास क्रिकेट खेल रहे थे और इसी दौरान गेंद एक घर के पास गंदा पानी जमा करने के लिए बने गड्ढे में चली गयी तथा दोनों बच्चे गेंद निकालने के लिये गड्ढे में उतरे लेकिन वे उसी में डूब गए।

मुठभेड़ के बाद दो गो-तस्कर गिरफ्तार

संत कबीर नगर, एजेंसी : जिले में पुलिस ने गुरुवार को एक मुठभेड़ के बाद दो गो-तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक गिरोह इलाके में गो-तस्करी में शामिल है, जिसके बाद पुलिस दल ने मौके पर पहुंचकर संदिग्धों को गिरफ्तार करने की कोशिश की लेकिन उन्होंने पुलिसकर्मियों पर गोलियां चलाई और मुठभेड़ शुरू हो गयी।

विभिन्न संगठनों ने मामले की सीबीआई जांच व दोषियों को सजा देने की मांग उठाई

अंकिता को न्याय के लिए निकाली आक्रोश रैली

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: अंकिता भंडारी हत्याकांड में सीबीआई जांच की मांग को लेकर गुरुवार को विभिन्न संगठनों ने शक्ति प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने मॉल रोड से मुख्य बाजार तक आक्रोश रैली निकाली। रैली के दौरान पूरा शहर अंकिता को न्याय दो, सीबीआई जांच कराओ और दोषियों को सजा दो के नारों से गूंज उठा।

आक्रोश रैली में महिलाओं, युवाओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। हाथों में तख्तियां और बैनर लिए प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। रैली में लोगों का आक्रोश साफ तौर पर नजर आया। वक्ताओं ने कहा कि अंकिता भंडारी के माता-पिता लगातार सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी आवाज को दबाने का काम कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हत्याकांड की सीबीआई जांच कराने से साथ ही जब तक दोषियों को सजा नहीं कराई जाती, तब तक आम जनता चुप नहीं बैठने वाली। कहा कि यह लड़ाई केवल अंकिता के लिए नहीं, बल्कि उत्तराखंड की हर बेटी के न्याय और सुरक्षा की लड़ाई है। विभिन्न संगठनों की आक्रोश रैली को लेकर सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल तैनात रहा।

अल्मोड़ा में गुरुवार को आक्रोश रैली निकालते विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग।

- विभिन्न संगठनों ने शक्ति प्रदर्शन कर विरोध किया

आराम फरमाते तेंदुए

कानपुर स्थित नवाबगंज चिड़ियाघर में गुरुवार 8 जनवरी को कड़ाके की ठंड के बीच तेंदुए नीलम, टोनी, पीतांबरी और जेरी अपने बाड़े में आराम करते हुए। • एजेंसी

पीलीभीत के मदीनाशाह में मारपीट सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश

मिश्रित आबादी वाले क्षेत्र में बुधवार रात दो संप्रदाय के लोग आए आमने-सामने

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: मिश्रित आबादी क्षेत्र मदीनाशाह में अलग-अलग समुदाय के दो युवकों के बीच हुए मामूली विवाद ने कुछ घंटे बाद ही बड़ा रूप ले लिया। कोतवाली पुलिस की ओर से चेतावनी देकर छोड़े जाने के बाद दोनों पक्षों के बीच मारपीट हो गई। आरोप है कि पथराव भी किया गया। जिसके बाद घटना को सांप्रदायिक रंग देने की भी कोशिश की गई।

सूचना मिलने पर दो थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और सख्ती की। गलियों में भारी पुलिस बल ने गश्त की। पूरी रात पुलिस बल तैनात रहा। फिलहाल दोनों तरफ से दो-दो लोगों की गिरफ्तारी कर शांतिभंग की आशंका में चालान कर दिया है। पुलिस घटना को लेकर पड़ताल कर रही है।

बताते हैं कि शहर के मोहल्ला मदीनाशाह निवासी एक युवक का मोहल्ला नखासा के युवक से बुधवार को दिन में विवाद हो गया था। शराब के नशे में हुए मामूली विवाद में पहले दोनों भिड़ गए। उस दौरान मामला पुलिस तक पहुंचा था और फिर कोतवाली पुलिस ने दोनों को सख्त हिदायत देकर छोड़ दिया। इसके बाद रात को दोनों पक्ष दोबारा आमने -सामने आ गए। बता दें कि मदीनाशाह अतिसंवेदनशील इलाका है। दोनों पक्षों के अलग-अलग समुदाय से होने के चलते दो युवकों के बीच हुई मारपीट की घटना को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की गई। दोनों ओर से लोग जमा हुए और मारपीट हो गई। इसके बाद पथराव भी किया गया। जिससे क्षेत्र में भगदड़ सी मच गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

कोतवाल सत्येंद्र कुमार, इंस्पेक्टर सुनगढ़ी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। भारी पुलिस बल के पहुंचते ही झगड़ा करने वाले भाग निकले। गली में पत्थर पड़े हुए थे, जो कि पथराव की ओर साफ इशारा कर रहे थे। पुलिस ने सख्ती करते हुए क्षेत्र में गश्त की। सकरी गलियों में पुलिस बल घुसा और झगड़ा करने वालों की तलाश की गई। रातभर पुलिस बल को मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुस्तैद रखा गया। पुलिस ने एक पक्ष से मोहल्ला नखासा निवासी भूरा, अमित और दूसरे पक्ष से मोहल्ला मदीनाशाह निवासी मुन्ना उर्फ मुशाहिद व राशिद की गिरफ्तारी की। उनका दूसरे दिन शांति भंग की आशंका में चालान कर दिया गया। हालांकि दोनों पक्षों की ओर से पुलिस को अभी कोई तहरीर नहीं दी गई। दोबारा झगड़ा न हो, इसे लेकर गुरुवार को भी पुलिस बल क्षेत्र में निगरानी करता रहा।

घटना के बाद मोहल्ला मदीनाशाह के एक घर के बाहर जानकारी करती पुलिस।

- दो थानों की पुलिस मौके पर पहुंची, गलियों में की गश्त, चार आरोपियों को किया गिरफ्तार
- वायरल वीडियो की मदद से आरोपियों की पहचाने कराने में जुटी पुलिस, होगी सख्त कार्रवाई

बंद कराई दुकानें

दो पक्षों में हुए झगड़े की सूचना पर कोतवाली और सुनगढ़ी पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। मिश्रित आबादी वाले अतिसंवेदनशील इलाके में हुई घटना के बाद पुलिस सख्त दिखी। आसपास चाय, पान मसाला आदि की दुकानों पर भीड़ लगी हुई थी। पुलिस ने दुकानों को बंद करवा दिया।

ओडिशा के भक्त रामलला को समर्पित करेंगे 286 किलो का धनुष

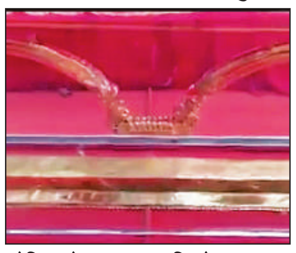
ओडिशा से आ रहा 286 किलो का धनुष।

अयोध्या, अमृत विचार: राम मंदिर में रामलला को भक्तों के द्वारा तोहफे भेंट किए जा रहे हैं। इसी क्रम में ओडिशा के राउरकेला से पंच धातु से बने 286 किलो के धनुष रामलला को समर्पित करने के लिए अयोध्या लाया जा रहा है। उड़ीसा से 3 जनवरी को विशाल शोभा यात्रा के रूप में धनुष को लेकर भक्तों का जत्था रवाना हो चुका है।

सनातन जागरण मंच राउरकेला द्वारा निकाली गयी शोभायात्रा ओडिशा के सभी 30 जिलों से होकर 19 जनवरी को भगवान जगन्नाथ की पुरी पहुंचेगी।वहां से चलकर 22 जनवरी को अयोध्या पहुंचेगी।

जानकारी के मुताबिक रामलला को पंचधातु से निर्मित धनुष समर्पण करने के लिए ओडिशा से राम भक्तों के एक दल ने ट्रस्ट से मुलाकात कर अनुमति प्राप्त की है।

ट्रस्ट संचालिका को भयभीत कर हड़पे 1.20 करोड़

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: जनपद अल्मोड़ा की रहने वाली नामी ट्रस्ट संचालिका को मनी लांड्रिंग का खौफ दिखाकर साइबर ठगों ने डिजिटल अरेस्ट किया और फिर करोड़ों रुपये की साइबर ठगी कर ली। साइबर क्राइम थाना सेल ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर अपनी तफ्तीश को प्रारंभ कर दिया है। साथ ही दावा किया है कि जल्द ही साइबर क्रिमिनल की गिरफ्तारी कर पर्दाफाश किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार मिरतोला आश्रम दन्या अल्मोड़ा की रहने वाली चित्रा अय्यर साह ने बताया कि 11 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 तक उसके मोबाइल नंबर पर अज्ञात कॉलर द्वारा कई व्हाटसअप कॉल की। जब कॉल रिसीव की तो कॉलर ने खुद को टेलीकॉम रेगुलेटरी अर्थोरिटी ऑफ इंडिया का प्रतिनिधि बताया और बताया कि जिस केनरा बैंक में आधार कार्ड से खाता खुला है। उसकी बैंक खाते से मनी लॉन्ड्रिंग हुई है। जिसके चलते खाताधारक यानी चित्रा अय्यर साह के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत है और जल्द ही आप की गिरफ्तारी हो सकती है।

उन्होंने बताया कि कॉलर द्वारा फिर कई पुलिस अधिकारियों से बातचीत कराई और डिजिटल अरेस्ट करने का आदेश देते हुए धमकाया कि यदि तफ्तीश में सहयोग नहीं किया तो मौखिक तौर पर गिरफ्तारी होगी। जिसके बाद साइबर ठगों ने खौफजदा महिला से सभी गोपनीय जानकारी लीं और 31 दिसंबर को बैंक खाते से 1.20 करोड़ रुपये बताए खाते में ट्रांसफर करवा लिए।

आश्वासन दिया गया था कि जांच और मामला रफा दफा करने के बाद रकम वापस खाते में डाल दी जाएगी। कई दिनों तक डिजिटल अरेस्ट होने के बाद उसने परिचित को कॉल की तो पता चला कि साइबर ठगों ने सुनियोजित ढंग से साइबर क्राइम को अंजाम दिया है। साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन सेल ने तहरीर के आधार पर तफ्तीश शुरू कर दी है।

मिरतोला आश्रम की संचालिका हैं चित्रा

रुद्रपुर : अन्ना स्वामी स्वामी नाथन की बेटी चित्रा अय्यर साह एक सामाजिक कार्यकत्री हैं और दन्या अल्मोड़ा में ही मिरतोला आश्रम का संचालन करती हैं। नामी ट्रस्टी होने के कारण जनपद में संचालिका को सामाजिक कार्यकत्री से जाना जाता है।

450 किमी. स्केटिंग कर वंशिका ने किये रामलला के दर्शन

अयोध्या, अमृत विचार

राममंदिर में पांच वर्षीय रामलला के दर्शन करने शिकोहाबाद से स्केटिंग करते हुए नौ वर्षीय वंशिका यादव बृहस्पतिवार को अयोध्या पहुंची। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के द्वारा वंशिका का स्वागत किया गया। और मंदिर में रामलला और राम दरबार का भी दर्शन पूजन किया।

वह शिकोहाबाद बाद से स्केटिंग करते हुए 3 जनवरी को निकली थी। जो लगभग 450 किलोमीटर की दूरी तय की है। फिरोजाबाद की रहने वाली वंशिका के आगे पीछे उसके पिता शिव शंकर यादव व चाचा कार से चल रहे थे। ट्रस्टी डॉ.अनिल मिश्र ने कहा कि शिकोहाबाद से आई वंशिका की यह भक्ती भगवान स्वयं देख रहे हैं। 450 किलोमीटर लंबे सफर को तय कर इस बालिका ने देशभर की महिलाओं को बड़ा संदेश दिया है कि कोई भी कार्य यदि ठान लिया जाए तो वह जरूर पूरा होता है।

शिकोहाबाद से अयोध्या पहुंची वंशिका का स्वागत करते हुए ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा।

दो नेपाली नागरिकों के पास से 10 किलो चांदी बरामद

महाराजगंज, एजेंसीः भारत-नेपाल सीमा पर दो नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार कर उनके पास से करीब 50 लाख रुपये की 10 किलो चांदी बरामद की गई है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तारी बुधवार को हुई।

जब गाड़ियों की जांच पड़ताल के दौरान नेपाल की नंबर प्लेट वाली एक कार को जांच के लिए रोका गया और कार की सीट के पास दो प्लास्टिक के पैकेट मिले। पैकेट खोलने पर उसमें चांदी के टुकड़े मिले। सीमा शुल्क विभाग की टीम मौके पर पहुंची और नेपाल के सिद्धार्थनगर जिले के राकेश रजक और समीर कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया। कार से करीब 10 किलो चांदी बरामद की गई है और दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

टायर फैक्ट्री के बॉयलर से निकली गैस, चार झुलसे

संवाददाता, मिलक

अमृत विचार : बुधवार को टायर पायरोलिसिस फैक्ट्री में रिएक्टर को असावधानीपूर्वक खोलने से निकली गर्म गैस से चार मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। फैक्ट्री कर्मियों ने झुलसे मजदूरों को एंबुलेंस की मदद से नगर के सीएचसी पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चारों मजदूरों को हायर सेंटर रेफर कर दिया। हालांकि फैक्ट्री कर्मी चारों घायल मजदूरों को बरेली के निजी अस्पताल ले गए।

घटना दोपहर लगभग 2 बजे कोतवाली क्षेत्र के एजांखेडा स्थित टायर पायरोलिसिस फैक्ट्री में हुई। यहां पुराने टायर गलाकर तेल निकालने का काम होता है। बताया गया कि जब मजदूर रिएक्टर का गेट खोल रहे थे, तभी गर्म गैस तेजी से निकली। जिसमें चार मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद चीख पुकार मच गई। सूचना पाकर एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को नगर के सरकारी अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला बरेली के थाना अलीगंज के ग्राम खटेटा निवासी बिल्लू, बुद्धसेन एवं थाना शहजादनगर के दीनपुर निवासी श्याम, जिला कासगंज थाना धौलाना के ग्राम मेहरुपुर निवासी लल्लू को हायर सेंटर रेफर कर दिया।

जहां से अन्य फैक्ट्री कर्मी घायलों को बरेली के निजी अस्पताल ले गए। सूचना पर कोतवाल पुष्कर सिंह गंगवार और नायब तहसीलदार अंकित अवस्थी पहुंचे।

- सीएचसी से हायर सेंटर रेफर मजदूरों की हालत गंभीर

छात्र पर डाला ज्वलनशील पदार्थ हाथ और पैर झुलसे, रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : सदर कोतवाली क्षेत्र स्थित हिंदू कॉलेज में गुरुवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब परीक्षा देकर बाहर निकले बीकॉम के एक छात्र पर साथी छात्र पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगाए जाने का आरोप लगा। घटना करीब दोपहर एक बजे की बताई जा रही है। हमले में छात्र की दोनों पैर और हाथ झुलस गए। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस साक्ष्य के लिए सीसीटीवी की फुटेज खंगाल रही है। झुलसे छात्र की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के हरथला निवासी फरहाद अली हिंदू कॉलेज में बीकॉम तृतीय सेमेस्टर का छात्र है। बताया गया कि फरहाद परीक्षा देकर पहली मंजिल से बाहर निकल रहा था, तभी पीछे से आए एक युवक ने उसके पैरों पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर लाइटर से आग लगा दी। आग लगते ही छात्र चीखने लगा, अन्य छात्रों ने तुरंत पानी डालकर आग बुझाई, जिससे बड़ा हादसा टल गया। कॉलेज प्रशासन मौके पर पहुंचा और घायल को पहले निजी अस्पताल ले जाया गया। बाद में परिजनों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

पीड़ित छात्र ने पुलिस को दिए बयान में कॉलेज के ही एक छात्र आयुष पर आरोप लगाया है। हालांकि वह किसी से झगड़ा न होने की बात कह रहा है। घटना के पीछे कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। सूचना पर सीओ कोतवाली सुनीता दहिया और कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह मौके पर पहुंचे और कॉलेज में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कराई। पुलिस कॉलेज प्रशासन व छात्रों से पूछताछ कर रही है।

घटना के बाद कॉलेज परिसर में दहशत है। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है। कोतवाली प्रभारी राजेश सिंह ने बताया कि झुलसे छात्र ने कॉलेज के छात्र आयुष के नाम पर तहरीर दी है, जिसके आधार पर आरोपी छात्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

- हिंदू कॉलेज की घटना, साथी छात्र पर आरोप

व्यवस्था | माघ मेले को लेकर तैयारी ट्रेन आने पर ही यात्रियों को प्लेटफार्म पर दी जाएगी एंट्री

अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर लगाई गई बैरिकेडिंग

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : माघ मेले में भीड़ प्रबंधन को लेकर रेलवे ने तैयारी शुरू कर दी है। इस बार भी महाकुंभ की तर्ज पर अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन परिसर में बैरिकेडिंग लगा दी गई है। प्रवेश व निकास द्वार अलग-अलग बनाया गया है। सुरक्षाकर्मियों को अलर्ट पर रखा गया है। बाहर से अतिरिक्त पुलिस बल ने आमद भी करा ली है। यात्री सुविधाओं की लगातार समीक्षा कर उसे विकसित किया जा रहा है।

प्रयागराज के कुंभ मेले के दौरान रामनगरी में भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। भीड़ प्रबंधन की दृष्टि से अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन के मुख्य भवन के चारों ओर बैरिकेडिंग कर दी गई है। प्रवेश व निकास द्वार अलग-अलग बनाया गया है। मुख्य भवन से यात्रियों व श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया जाएगा, निकास स्टेशन के पूर्वी व पश्चिमी छोर पर बने रैंप से किया जाएगा। यह व्यवस्था भीड़ बढ़ने पर लागू की जाएगी। सामान्य दिनों में पूर्व की व्यवस्था लागू रहेगी। वहीं, परिसर में बने पार्कों को भी बैरिकेडिंग कर बंद कर दिया गया है। प्लेटफार्म पर भीड़ का दबाव न पड़े इसके लिए भी योजना बनाई गई है। इसके तहत स्पेशल ट्रेनों के आने के समय ही ट्रेन की क्षमता के अनुसार ही श्रद्धालुओं व यात्रियों को प्लेटफार्म पर जाने दिया जाएगा। वहीं, यात्री सुविधाओं को और विकसित करने के लिए लगातार अधिकारियों द्वारा निरीक्षण व्यवस्थाएं परखी जा रही है।

सुरक्षा की दृष्टि से आरपीएफ व जीआरपी को अतिरिक्त सुरक्षा बल मिले हैं। करीब 70 जवान व उप निरीक्षक ने आमद करा ली है। आरपीएफ थाना प्रभारी नीरव मिश्र ने बताया कि अब आरपीएफ व जीआरपी के पास 160 से ज्यादा सुरक्षा बल हैं। प्लेटफार्म की सुरक्षा की जिम्मेदारी जीआरपीएफ व परिसर की जिम्मेदारी आरपीएफ के जवान संभालेंगे। बताया कि परिसर के आने वाले रास्तों पर भी बैरिकेडिंग लगाई गई है, ऑटो, ई-रिक्शा समेत अन्य सवारी वाहनों को बैरिकेडिंग से दूर रखा जाएगा। कहा कि पूरे स्टेशन परिसर पर सीसीटीवी का जाल बिछा हुआ है, कंट्रोल रूम से चप्पे-चप्पे की निगरानी रखी जा रही है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान अयोध्या धाम स्टेशन परिसर की पार्किंग एरिया में विशाल यात्री आश्रय केंद्र बनाया गया था। इसकी क्षमता करीब दो हजार यात्रियों की थी।

अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन के मुख्य भवन पर लगी बैरिकेडिंग। अमृत विचार

बागेश्वर में तेंदुए ने वृद्धा को मार डाला

बागेश्वर। जनपद बागेश्वर में वन क्षेत्र के छाती- मनकोट गांव में बुधवार की देर सायं जंगल में लगी आग से घास के ढेर को बचाने का प्रयास कर रही वृद्धा को तेंदुए ने अपना निवाला बना लिया। तेंदुआ वृद्धा को घसीटकर डेढ़ किमी दूर ले गया था। देर रात ग्रामीणों ने जंगल में वृद्धा का शव बरामद किया। गुरुवार को पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

वन अधिकारियों के अनुसार, बीते बुधवार की देर सायं छतीना के जंगल में आग लग गई थी। आग आबादी की ओर फैलने लगी जिस पर देवकी देवी (65) आग से अपने घास को ढेर से बचाने के लिए पुत्र दयाल सिंह को लेकर मौके पर चली गईं। इस बीच उनका बेटा आग बुझाने के लिए उपकरण लेने के लिए घर आया था। जब वह वापस आग बुझाने गया तो उसे वहां अपनी मां नहीं दिखीं। आवाज लगाने पर भी जब कोई जवाब न मिला तो उसने अपने भाई रमेश चौबे व अन्य ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी।

हनीमून पर पत्नी को जड़ा थप्पड़, कान का पर्दा फटा

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : हनीमून के लिए अंडमान निकोबार ले जाने वाले पति ने पत्नी के साथ हैवानियत की हदें पार कर दीं। उसने पत्नी से बुरी तरह मारपीट की और ऐसा थप्पड़ जड़ा कि कान के पर्दे में छेद हो गया। उत्पीड़न का यह सिलसिला ससुराल में भी जारी रहा और आरोप है कि पति के साथ उसके ससुरालियों ने भी उस पर जुल्म ढाए। महिला समाधान केंद्र में महिला ने अपने पति, सास-ससुर व देवर गंभीर आरोप लगाए। मामले में हल्द्वानी कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सर्वोदय कॉलोनी डहरिया हल्द्वानी निवासी नेहा खाती पुत्री स्व. रूपसिंह बिष्ट ने पुलिस को बताया कि उसका विवाह 3 मार्च 2024 को पिथौरागढ़ निवासी निर्मल खाती के साथ हुआ था। विवाह में पीड़िता के परिजनों ने सामर्थ्य अनुसार दान दिया। नेहा का आरोप है कि विवाह के कुछ समय बाद ही पति का व्यवहार बदल गया। हनीमून के दौरान अंडमान निकोबार में पति ने मारपीट की, जिससे उसके कान के पर्दे में छेद हो गया। सास ने पिता की तीन लाख रुपये की एफडी तुड़वाने का दबाव बनाया गया। मना करने पर पति ने पीटा। गर्भावस्था के दौरान भी मानसिक प्रताड़ना दी। पुत्री के जन्म के बाद तथा पिता के निधन के समय भी ससुराल पक्ष का व्यवहार अमानवीय रहा। कई बार समझौते और लिखित माफी के बावजूद उत्पीड़न बंद नहीं हुआ। अगस्त 2025 में ससुराल में नजरबंद कर दिया गया।

- पति और ससुरालियों पर लिखाया मुकदमा

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ज्योति अधिकारी गिरफ्तार

हल्द्वानी, अमृत विचार : अपनी बेबाकी के लिए जानी जाने वाली सोशल मीडिया इंफ्लुएंस ज्योति अधिकारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एक महिला की तहरीर पर ज्योति के खिलाफ मुखानी थाना पुलिस ने कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। ज्योति पर पहाड़ की महिलाओं और देवी-देवताओं के अपमान का आरोप है। गुरुवार को पुलिस ने उन्हें थाने बुलाकर करीब साढ़े पांच घंटे तक पूछताछ की और बाद में गिरफ्तार कर लिया।

हिम्मतपुर मल्ला ऊंचापुल मुखानी निवासी जूही चुफाल ने हरिपुर लालमणी, किशनपुर घुड़दौड़ा निवासी ज्योति अधिकारी पत्नी गोपाल सिंह अधिकारी के खिलाफ तहरीर दी। जूही ने आरोप लगाया कि ज्योति अधिकारी ने सार्वजनिक स्थान पर टिप्पणी की थी।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक
सुविधायें
ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन
Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

फैक्ट्री में मशीन से कट कर मजदूर की मौत

काम के दौरान हुआ घायल, फैक्ट्री वालों ने कराया भर्ती

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : लगभग 15 वर्षों से एक ही फैक्ट्री में काम करने वाला मजदूर मशीन से कटकर घायल हो गया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिजनों ने फैक्ट्री मालिक और ठेकेदार पर साजिशन हत्या करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर दी। आरोप है कि पुलिस ने परिजन से तहरीर लेने से इंकार कर दिया है।

मृतक जितेन्द्र।

फरीदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित कुर्सी फैक्ट्री में फरीदपुर थाना क्षेत्र के चौढेरा निवासी जोगिंदर सिंह ने बताया कि उनका भाई जितेंद्र सिंह (35) वर्ष 2010 से कुर्सी फैक्ट्री में मिक्सर मशीन का ऑपरेटर था। बुधवार को फैक्ट्री में मशीन का ब्लेड टूटने के बाद फैक्ट्री मालिक नीरज गोयल और ठेकेदार चंद्रभान उससे बुलेट बदलवा रहे थे इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति ने मशीन का स्विच दबा दिया और मशीन चल गई जिससे जितेंद्र सिंह बुरी तरह कट कर घायल हो गए। फैक्ट्री वालों ने बरेली के निजी अस्पताल में भर्ती कर दिया लेकिन परिजनों को सूचना नहीं दी।

- **तहरीर के अनुसार रिपोर्ट नहीं लिखने का आरोप**

जोगिंदर सिंह ने बताया कि उनके किसी रिश्तेदार ने लगभग 1:00 बजे उन्हें सूचना दी कि उनके भाई को फैक्ट्री में एक्सीडेंट हो गया है और वह बरेली के अस्पताल में भर्ती हैं जोगिंदर सिंह अस्पताल पहुंचे तो उन्हें भाई से नहीं मिलने दिया गया। परेशान होकर जोगिंदर सिंह ने फरीदपुर कोतवाली तहरीर दी। आरोप है उस तहरीर को मौजूद पुलिस कर्मी ने लेने से इनकार कर दिया। रात 11 बजे पुलिस कर्मीने ही बताया कि उनके भाई की मौत हो चुकी है और अस्पताल से आई सूचना के अनुसार तहरीर दो तभी ली जाएगी। गुरुवार को उसके भाई को पंचनामा भर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया जहां से उसके भाई का पीएम के बाद शव को सुपुर्द कर दिया गया गुरुवार को उसके शव का अंतिम संस्कार कर दिया। मृतक जितेंद्र सिंह के दो बेटियां और एक बेटा है जिसमें बड़ी बेटी 10 साल छोटी और सबसे छोटा बेटा 6 साल का है पिता वहोरन सिंह (80) पत्नी निशा का रो रो कर बुरा हाल है।

> मनगढ़ंत कहानी रचना का अधिकार तो हर व्यक्ति रखता है आरोप गलत है हादसे के वक्त हम फैक्ट्री में थे भी नहीं हादसा हुआ है।
> –नीरज गोयल फैक्ट्री मालिक

> तहरीर हमारे पास है जो लिखकर दे गए वही दर्ज है। तहरीर न लेने का आरोप गलत है, मुकदमा पंजीकृत करना चाहते हैं हम पीड़ित के साथ है। उचित कार्रवाई की जाएगी।
> – प्रभारी निरीक्षक फरीदपुर राधेश्याम

हाईवे पर डिवाइडर से टकराई बाइक, दो युवक घायल

मीरगंज, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुरुवार को नेशनल हाईवे स्थित फ्लाईओवर पर तेज रफ्तार बाइक के अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा जाने से बड़ा सड़क हादसा हो गया। हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें नाजुक हालत में बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायल युवकों की पहचान दुष्यंत पुत्र रामपाल और सत्येंद्र पुत्र रामाशंकर के रूप में हुई है। दोनों युवक रामपुर के थाना मिलक क्षेत्र के ग्राम सियारी के निवासी बताए जा रहे हैं। वे मीरगंज से अपने घर लौट रहे थे।बताया गया कि जैसे ही बाइक मीरगंज फ्लाईओवर के ऊपर पहुँची, अचानक असंतुलित हो गई और सीधे डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर काफी दूर तक घिसटते चले गए, जिससे उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं।हादसे की सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुँची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से एंबुलेंस के जरिए घायलों को प्राथमिक उपचार दिलवाया और हालत गंभीर देखते हुए बरेली रेफर कर दिया। वर्तमान में दोनों युवक बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती हैं।

ट्रैक्टर चलाकर जमीन को कराया कब्जा मुक्त

सरकारी जमीन पर कब्जा कर बोई बरसीम पर ट्रैक्टर चलाकर मुक्त कराया।

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : तहसील प्रशासन ने गुरुवार को गांव ज्योरा मकरंदपुर में वर्षों से चल रहे अवैध कब्जे पर सख्त कार्रवाई करते हुए बेशकीमती सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराने की पहल की। प्रशासन की मौजूदगी में ट्रैक्टर चलवाकर सरकारी जमीन के एक हिस्से में खड़ी बरसीम की फसल को नष्ट करा दिया गया, जबकि गन्ने की फसल हटाने के लिए कब्जेदारों को दो दिन का समय दिया गया है।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत नायब तहसीलदार शोभित चौधरी प्रभारी कानूनगो श्याम सुंदर गुप्ता, क्षेत्रीय लेखपाल पूनम, लेखपाल वसीम अंसारी, उप निरीक्षक अभिषेक नागर और पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्राम प्रधान रवि बाबू से ट्रैक्टर मंगवाकर प्रशासन ने अपनी निगरानी में बरसीन की फसल पलटवा दी।

कार्रवाई के दौरान कब्जेदार संतराम के पुत्रों ने कुछ हिस्से में खड़ी गन्ने की फसल काटने के लिए समय मांगा। इस पर नायब तहसीलदार ने लिखित रूप से दो दिन की मोहलत देते हुए स्पष्ट चेतावनी दी कि तय समय में फसल नहीं हटाई गई तो गन्ने की फसल की नीलामी कर उसकी राशि सरकारी खजाने में जमा कराई जाएगी। उल्लेखनीय है कि करीब 23 माह पूर्व गांव निवासी लालाराम ने सरकारी भूमि पर कब्जे को लेकर संतराम के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। संतराम के निधन के बाद भी उनके पुत्रों द्वारा जमीन पर कब्जा बनाए रखा गया। शिकायतों के बावजूद लंबे समय तक कार्रवाई न होने पर ग्रामीणों में नाराजगी थी। अब प्रशासन की इस कार्रवाई से गांव में अवैध कब्जों पर सख्ती का संदेश गया है।

नाबालिग को भगाने वाला युवक पकड़ा

सवाददाता, भमोरा

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने बताया कि 3 दिसंबर को मेरी नाबालिग पुत्री अपनी भाभी के साथ भमोरा स्थित उप डाकघर पर आई थी।

देर शाम तक घर न पहुंचने पर पुत्री को तलाश किया। तो पता चला की दूसरे समुदाय का युवक शोहिल पुत्र सब्बीर नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया। जिसकी शिकायत करने आरोपी युवक के घर पर जब गए। तो उसके पिता सब्बीर व भाई वाहिद मारपीट पर आमादा हो गए और कहा तेरी लड़की नहीं मिलेगी। गाली गलौज करते हुए घर से भगा दिया।

जिसके बाद 5 दिसंबर को पिता ने थाने पहुंचे तहरीर दे कार्यवाही को मांग की।थाना पुलिस ने पिता की तहरीर पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर आरोपी युवक की सीडीआर निकाल वाई। गुरुवार सुबह मकरंदपुर रेलवे फाटक के पास से आरोपी को किशोरी के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी युवक ने बताया कि वह ट्रेन से जयपुर भागने के लिए स्टेशन जा रहा था।

निःशुल्क सिलाई कढ़ाई केन्द्र खुलवाया

कैंट, अमृत विचार : ब्लॉक क्यारा के गांव कांधरपुर में गुरुवार को बालिकाओं तथा महिलाओं को सिलाई, कढ़ाई, ब्यूटीशियन मेंहदी आदि की शिक्षा देने के लिए निःशुल्क सेंटर का शुभारंभ किया गया है। इस पहल से महिलाओं को आत्मनिर्भरता तथा स्वरोजगार के अवसर प्रशस्त होंगे। जिससे वह आर्थिक रूप से सशक्त बन सकेंगी। इसका शुभारंभ महाकाल सेवा समिति के अध्यक्ष सुरेश कुमार द्वारा शुभारंभ किया गया। महिलाओं के लिए आत्मनिर्भर बनने के उद्देश्य से निःशुल्क सेंटर की शुरुआत की है।

घर में घुसकर गर्भवती को पीटा, हालत बिगड़ी

फरीदपुर, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गांव सरकड़ा में बुधवार गांव निवासी रानी पत्नी ठाकुर प्रसाद ने आरोप लगाया है कि 7 जनवरी की शाम करीब साढ़े पांच बजे वह अपने परिवार के साथ घर में खाना बना रही थीं, तभी गांव के ही कुछ लोग अचानक लाठी, डंडे और सरिया लेकर घर में घुस आए। आरोप है कि सभी लोग गंदी गंदी गालियां देते हुए घर में घुस आए गलियों का विरोध करने पर मारपीट करने लगे रानी ने बताया कि विरोध करने पर आरोपियों ने उनकी बेटी उनकी के साथ अभद्रता की, कपड़े फाड़े और गलत से नीयत से छेड़छाड़ की।

बीच-बचाव में आईं महिलाओं और पुरुषों को भी बेरहमी से पीटा गया। बीच बचाव को आई 5 माह की गर्भवती चाची के पेट में लात मारी जिससे उसकी हालत बिगड़ गई।

भमोरा में आज लगेगा विद्युत कैंप

भमोरा,अमृत विचार: विद्युत उपकेंद्र भमोरा के जेई विजय प्रताप ने बताया बिजली बिल राहत योजना के तहत शुक्रवार को ग्राम राम्पुरा बुजुर्ग में कैंप का आयोजन किया जाएगा जिसमें उपभोक्ता योजना का लाभ उठा सकते हैं।

राधा माधव ने जीआरएम को हराया

बालिका वर्ग की खिलाड़ियों के साथ मुख्य अतिथि। ● अमृत विचार

संवाददाता, रिठौरा

अमृत विचार : खंडेलवाल कालेज प्रांगण में वृहस्पतिवार को बालक एवं बालिका वर्ग की पन्द्रह टीमों में दिल्ली पब्लिक स्कूल, बिशप कैंट, राधा माधव पब्लिक स्कूल, आर्मी पब्लिक स्कूल, सेंट थॉमस नवाबगंज, जी.आर एम डोरा, हॉट मैन, क्रिटिक्स पब्लिक स्कूल, जैसी टीमों ने प्रतिभाग किया।

- **बृजलाल मेमोरियल बालक एवं बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता शुरू**

प्रतियोगिता के शुभारंभ में आए कॉलेज के महानिदेशक डॉ. अमरेश कुमार, प्रबंध निदेशक डॉ.विनय खंडेलवाल,प्राचार्य डॉ आर. के सिंह और प्रशासनिक अधिकारी राकेश चतुर्वेदी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच को शुरू किया । प्रतियोगिता के सभी मैच लीग बेसिस पर खेले गए।

पहला मैच बालिका वर्ग में राधा माधव पब्लिक स्कूल और जीआरएम डोहरा के बीच हुआ। जिसमें राधा माधव ने जीआरएम को हराकर अगले राउंड में प्रवेश किया।

दूसरा मैच बालक वर्ग में बिशप कैंट बनाम सेंट थॉमस के बीच हुआ इसमें बिशप ने सेंट थॉमस को हराकर अगले राउंड में प्रवेश किया।

नंदोई पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : एक महिला ने अपने नंदोई और दो अन्य युवकों पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

नगर के मोहल्ला उस्मानगंज पूर्वी निवासी सरिता ने बताया कि बीती रात को प्लाई फैक्ट्री टिसुआ के पास वह सवारी का इंतजार कर रही थीं। उनके नंदोई प्रकाश निवासी गढ़िया रंगीन और सुरेश व शिवम् निवासी कस्बा कटरा शाहजहांपुर मौके पर पहुंचे और तीनों ने सरिता पर उनके खिलाफ झूठी शिकायतें करने का आरोप लगाया। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और फरार हो गए।

अफसरों ने गन्ना क्रय केंद्र का निरीक्षण किया

गन्ना अधिकारियों ने गन्ना क्रय केंद्रों का निरीक्षण किया। ● अमृत विचार

बरेली/ फरीदपुर, अमृत विचार : उप गन्ना आयुक्त राजेश मिश्र और सहायक चीनी आयुक्त नेहा त्रिवेदी ने गुरुवार को द्वारिकेश शुगर मिल के क्रय केंद्रों का निरीक्षण किया। गन्ने की तुली हुई ट्राली को पुनः तौलने पर वजन सही पाया गया। यार्ड में किसानों के लिए अलाव, विश्रामगृह, पीने के पानी, शौचालय आदि की व्यवस्थाएं दुरुस्त मिलीं। उप गन्ना आयुक्त ने किसानों से कहा कि चीनी मिल को ताजा, साफ-सुथरा एवं अगोला रहित गन्ने की आपूर्ति करें।

उन्होंने सड़क सुरक्षा के संबंध में किसानों की गाड़ियों में रिफ्लेक्टर पट्टी लगाई। इस दौरान चीनी मिल के सीजीएम (गन्ना) पवन कुमार चतुर्वेदी, एजीएम (गन्ना) उपेन्द्र उपाध्याय, गन्ना विकास निरीक्षक सर्वेश शर्मा, आशुतोष प्रताप चंद्र मौजूद रहे।

अमृत विचार
Lifelines OF BAREILLY
MEDICAL
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
महीने के प्रत्येक रविवार को | समय : सुबह 10 बजे से 5 बजे तक
निःशुल्क परामर्श
डॉ. दीपक माहेश्वरी
M.B.B.S., M.D.
Consultant Physician & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
•CARE FOR SURE•
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली 9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

ADITYA
आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा।
TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपनी पुत्री नैना को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगी। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **पार्वती पत्नी स्व. ब्रह्मस्वरूप निवासी ग्राम धौरेरा माफी थाना इज्जतनगर, बरेली।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल वर्ष 2016 अनुक्रमांक 0991715 व इंटरमीडिएट वर्ष 2018 अनुक्रमांक 0791583 के प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गये है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिले है। **मोनू पुत्र श्री गजराम सिंह निवासी ग्राम जाम तहसील मीरगंज जनपद बरेली।**

सूचना
विनीता यादव पत्नी पवन कुमार यादव नि. विहाइन्ड सेन्ट्रल जेल, बसन्त बिहार, बरेली की है प्रार्थिनी ने अपनी चल-अचल सम्पत्ति का मुख्तारनामा दिनांक 14.03.2022 को अपने पति पवन कुमार यादव के पक्ष में किया था जिसे प्रार्थिनी ने दिनांक 10.12.2025 को निरस्त करा लिया है, प्रार्थिनी के पति का उसकी सम्पत्ति से कोई लेना देना शेष नहीं रह गया है।

सूचना
मेरे पुत्र अर्पित गंगवार का नाम अंग्रेजी में ARPEET GANGWAR अंकित हो गया है जो अशुद्ध है जबकि मेरे पुत्र का वास्तविक नाम ARPIT GANGWAR S/0 SUNIL KUMAR है। भविष्य में इसी नाम से जाना जाए। **पूनम गंगवार पत्नी स्वर्गीय सुनील कुमार गंगवार निवासी गोवल पतीपुरा तहसील बीसलपुर जिला पीलीभीत**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र मो. राहिल को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **शाहगुल पत्नी स्व. सलीम नि. बख्तावर लाल तह. बीसलपुर जिला पीलीभीत**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

ग्रामीण पर हमला कर पीटा, रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : ग्राम लखनऊकलां निवासी नरेश कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बुधवार को वह घर पर बैठे हुए थे। इस बीच गांव का बबलू उसके घर के सामने आकर लघुशंका करने लगा। जब मना किया तो आरोपी बबलू, रौनक और विशाल ने हमला कर पिटाई कर दी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

युवती को भगाकर ले जाने की रिपोर्ट

बरखेड़ा, अमृत विचार : एक व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी 24 वर्षीय बहन 6 जनवरी को दोपहर 1 बजे घर से बिना बताए चली गई। इसके बाद से उसका कुछ पता नहीं चल सका है। उसे कुछ नंबरों से कॉल व मैसेज आए थे। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

डंपर मकान में घुसा दीवार क्षतिग्रस्त

पीलीभीत, अमृत विचार : घने कोहरे और अनियंत्रित रफ्तार के चलते जहानाबाद में दो अलग-अलग स्थानों पर सड़क हादसे हुए। एक स्थान पर ट्रक अनियंत्रित होकर तालाब में घुस गया, जबकि दूसरे स्थान पर डंपर मकान में जा घुसा, जिससे दीवार टूट गई। गनीमत रही कि दोनों हादसों में कोई घायल नहीं हुआ। सूचना मिलने पर पहुंची जहानाबाद पुलिस ने जानकारी की।

गैंगस्टर एक्ट में बरेली के आरोपी को कैद

पीलीभीत, अमृत विचार : गैंगस्टर एक्ट के आरोपी को दोषी पाते हुए न्यायालय ने दो साल 10 माह कैद और पांच हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। सदर कोतवाली में 24 जनवरी 2011 को बरेली जनपद के थाना बहेड़ी क्षेत्र के ग्राम गागूनगर निवासी गुड्डू उर्फ साबिर के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई थी। विवेचना के बाद आरोपी गुड्डू उर्फ साबिर के खिलाफ 20 जुलाई 2011 को आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया गया। मुकदमे की सुनवाई विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट की अदालत में हुई। दोनों पक्षों को सुनने और पत्रावली का परिशीलन करने के बाद आरोपी गुड्डू उर्फ साबिर को गैंगस्टर एक्ट का दोषी पाते हुए 2 साल 10 माह कैद और पांच हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया है।

बकाया भुगतान को लेकर भाकियू ने दिया धरना

31 जनवरी तक पिछला भुगतान देने का मिल प्रबंधन के आश्वासन पर यूनियन का आंदोलन स्थगित

संवाददाता, बहेड़ी

अमृत विचार : गन्ना किसानों को बकाया भुगतान नहींहो रहा है और जनप्रतिनिधियों को किसानों से संबध केवल वोट लेने तक है। यही वजह है कि किसानों के धरने पर कोई जनप्रतिनिधि शामिल नहीं होता है। गन्ना समिति परिसर में भाकियू के धरने पर यह बात वक्ताओं ने कही। भारी संख्या में एकत्र किसानों को समझाने के लिए अफसर आए लेकिन शुरुआत में किसान नहीं माने शाम को सभी आश्वान पर मान गये और धरना समाप्त कर दिया। इसके पहले उन्होंने मुख्यमंत्री को सबोधित ज्ञापन अफसरों को सौंपा है।

भारतीय किसान यूनियन के आवाहन पर गन्ना समिति परिसर में किसान महापंचायत का आयोजन किया गया। जो बाद में धरने में तब्दील हो गया। मिल प्रबंधन ने धरना स्थल पर पहुंचकर भुगतान को लेकर कोई ठोस जवाब नहीं दिया। उत्तेजित किसानों के बीच पहुंचे

जिला गन्ना अधिकारी को ज्ञापन सौपते भाकियू नेता। ● अमृत विचार

धरना स्थल पर किसानों को संबोधित करते भाकियू नेता। ● अमृत विचार

● **किसान बोले- मिल घाटे में लेकिन अफसरों के प्रमोशन और पैकेज बढ़ते जा रहे**

जिला गन्ना अधिकारी ने किसानों को समझाया। किसानों ने मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी, जिला गन्ना अधिकारी को संबोधित अलग-अलग ज्ञापन दिए। गन्ना समिति परिसर में आयोजित धरने को संबोधित करते हुए भाकियू के उत्तर प्रदेश उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष बलजिंदर सिंह मान ने कहा केसर चीनी मिल प्रबंधन ने वायदा किया था कि 31 दिसंबर तक पिछले सत्र का एक अरब 46 करोड़ रूपया अदा कर दिया जाएगा लेकिन प्रबंधन वायदे से मुकर गया है और पिछला बकाये का एक रूपया भी भुगतान नहीं किया है। विधायक तथा सांसद को भी इस धरने में आना चाहिए था लेकिन वे नहीं आएंगे क्योंकि उनका सरोकार किसानों से महज वोट लेने तक है।

उन्होंने कहा चीनी मिल प्रबंधन के वायदे से अब वह सहमत नहीं है। दोपहर बाद जिला गन्ना अधिकारी दिलीप सैनी धरना स्थल पर पहुंचे। केसर चीनी मिल के वाइस प्रेसिडेंट केन रविंद्र सिंह, असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट केन सुभाष तोमर ने किसानों के बीच कहा 31 जनवरी तक पिछले भुगतान को अदा करने का प्रयास किया जा रहा है। चालू सत्र के भुगतान में भी तेजी लाई जाएगी। लेकिन उनकी इस बात पर किसान नहीं माने और हंगामा करने लगे। किसान बिजेंद्र सिंह ने कहा मिल प्रबंधक आर्थिक स्थिति खराब होने की बात कह रहा है लेकिन मिल अफसरों के लगातार प्रमोशन होते जा रहे हैं उनके पैकेज बढ़ते जा रहे हैं। जिला गन्ना अधिकारी के समझाने के बाद किसान माने। किसानों ने मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी, जिला गन्ना अधिकारी, गन्ना मंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया। धरने में चौधरी अजीत सिंह, सूरज पाल सिंह, दानिश खान, विजय पाल सिंह, प्रदीप सिंह, कुलवीर राठी, जगनलाल मौर्य, चौधरी अमर पाल सिंह, विजेंद्र सिंह, राकेश गंगवार आदि ने विचार रखें।

बिजली ठेकेदार की साइट से लाखों का सामान चोरी

संवाददाता, भोजीपुरा

अमृत विचार: भोजीपुरा के गांव अटा में बेखौफ चोरों ने एक बिजली ठेकेदार के अस्थाई ठिकाने को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये का सरकारी कार्य का सामान चोरी कर लिया। ठेकेदार की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

पीड़ित ठेकेदार मोनू चौधरी ने पुलिस को बताया कि वह सहारनपुर के गंगोह थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव के निवासी हैं और एक कांट्रैक्टर फर्म के मालिक है। उनकी फर्म बिजली के कार्यों का टेंडर लेती है वर्तमान में वह सैटेलाइट बरेली पर कार्य कर रही है। काम के सिलसिले में उन्होंने गांव अटा में गुड्डू के मकान में किराए पर कमरा लिया हुआ है। मोनू चौधरी के मुताबिक, उन्होंने अपने किराए के मकान के बाहर सड़क किनारे खाली जगह मे साइट का सामान रखा हुआ था। इसमें 120 एमएम एबीसी केबल के दो बड़े ड्रम और 3 फाइबर की सीढ़ियां शामिल थीं। 2 जनवरी की रात अज्ञात चोरों ने मौका पाकर यह सारा सामान चोरी कर लिया।

घटना की जानकारी मिलने पर पीड़ित ने पहले अपने स्तर पर खोजबीन की, लेकिन सफलता न मिलने पर 7 जनवरी को थाने में लिखित शिकायत दी। भोजीपुरा प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा पंजीक्रत कर लिया है। घटना की जांच की जा रही है।

खेतों में मिले बाघ के पग चिन्ह, लोगों में दहशत

खुटार, अमृत विचार : खुटार के गांव सिल्हुआ में बाघ व तेंदुआ की चहलकदमी कई दिनों से बरकरार है। लेकिन वनकर्मियों का ध्यान इस ओर कतई नहीं है। इससे आसपास के गांवों के लोगों में दहशत है। डर के कारण लोगों ने खेतों पर भी जाना छोड़ दिया है। गुरुवार सुबह को फिर से बाघ के पगमार्क खेतों में मिले है। इससे किसानों ने वन विभाग के प्रति काफी रोष जताया है। गांव सिल्हुआ निवासी अखिलेश, वागीश पाठक का खेत गांव के बाहर कुछ दूर पर है। खेत में आलू के बाद अब गेंहू की फसल की बुवाई की है।

बनी सड़क के लिए 28 लाख पास, जर्जर की सुध नहीं

● **बोर्ड बैठक में बनी सड़क को बनाने का प्रस्ताव हुआ है पास**

● **सभासदों ने डीएम को संबोधित ज्ञापन ईओ को सौंपा**

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

अमृत विचार : बोर्ड की बैठक के दौरान दिए गए प्रस्ताव के तहत 28 लाख धनराशि से बनने वाली रोड का निर्माण रोकने के लिए, सभासदों ने एक राय होकर जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन ईओ पुष्पेंद्र सिंह राठौर को सौंपा है।

सभासद अबोध कुमार सिंह, धर्मेंद्र कुमार सिंह, सतीश चंद्र, कृपाल सिंह, गीता, शबीना बी, प्रदीप गुप्ता, बशीर अहमद, वसीम अहमद ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन ईओ को सौंपकर बताया चार दिन पहले बोर्ड की बैठक में चेयरमैन इमराना बेगम ने कस्बा में मुख्य बाजार के मैन रोड से चेयरमैन के घर की ओर जाने वाले रास्ते को करीब 28 लाख की लागत से बनाए जाने वाले जिस रोड का प्रस्ताव किया गया है।वह रोड दुरस्त है।इतनी बड़ी धनराशि दुरस्त रोड पर खर्च करना न्याय संगत नहीं है।इससे कई विकास के कार्य प्रभावित हो रहे है। जबकि अन्य वार्ड में कई रोड जर्जर हालत में है।अगर यह धनराशि का इस रोड में दुरुपयोग करने के बजाय जर्जर रोड डालने में किया जाए तो जनता को राहत मिलेगी।

वार्ड 6 के सभासद रास्ते में भरा पानी और कीचड़ दिखाते हुए। ● अमृत विचार

ईओ पुष्पेंद्र सिंह राठौर ने ज्ञापन लेकर जिलाधिकारी को भेजने का भरोसा दिलाया है।सभासद अबोध कुमार सिंह ने बताया उनके वार्ड 6 में स्टेशन रोड से घुंघरू बाबा मंदिर को जाने वाला रोड खस्ताहाल है।कई जगह पानी की निकासी नहीं होने के कारण जल भराव हो जाता है। मोहल्ले की एक शिक्षिका स्कूल जाते समय स्कूटी फिसलने से चोटिल हो गई।इस रोड को डालने के लिए वह कई बार प्रस्ताव दे चुके है।

11 को सत्संग भवन पर श्रद्धांजलि सभा मंडल अध्यक्षों के साथ बैठे जिलाध्यक्ष

संवाददाता, फरीदपुर,

अमृत विचार : फरीदपुर विधायक स्व.डा. श्याम बिहारी लाल की श्रद्धाजंलि सभा 11 जनवरी को होगी। इसमें पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी शामिल होंगे। सभा की तैयारियों और व्यवस्थाओं के लिए जिलाध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह ने मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं पर चर्चा की।फरीदपुर भाजपा कार्यालय में बुधवार को हुई बैठक में जिलाध्यक्ष ने फरीदपुर मंडल के सभी पांचो मंडल अध्यक्षों और प्रमुख पदाधिकारियों को बुलाकर बैठक में स्व. विधायक की श्रद्धाजंलि सभा की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान विधायक के परिवार के सदस्य भी मौजूद रहे। कई स्थान देखने के बाद सत्संग भवन पर श्रद्धाजंलि सभा करने पर परिवार के सदस्यों ने भी हामी भरी। इस दौरान विधायक के पुत्र ईशान ग्वाल भी मौजूद रहे। बैठक में उनका भी सभी से परिचय कराया गया।

भाजपा कार्यालय पर बैठक करते जिलाध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह। ● अमृत विचार

● **कई मंत्रियों विधायकों के आने से बढ़ेगी भीड़, व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं को दी**

जिलाध्यक्ष ने बताया कि श्रद्धाजंलि सभा में कई वरिष्ठ नेताओं मंत्रियों भी आएंगे। इसलिए भीड़ भी काफी होगी। भीड और अन्य व्यवस्थाओं के लिए कोतवाल को भी बुलवाया गयाथा। कार्यकर्ताओं को उनकी जिम्मेदारी सौंप दी गई है। बताया कि पार्टी और परिवार का कार्यक्रम है। भीड़ होना स्वाभाविक है लेकिन व्यवस्था बनाने का काम कार्यकर्ताओं का है। इसलिए बैठक कर सभी को जिम्मेदारी दी गई है।

रामनगर बीईओ के खिलाफ पुलिस जांच भी पूरी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● **सीओ ने एसएसपी को भेजी गोपनीय रिपोर्ट, विभागीय जांच में भी फंसे हैं बीईओ**

अमृत विचार : कमीशनखोरी के गंभीर आरोपों में फंसे रामनगर ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) राजेश कुमार के खिलाफ पुलिस की जांच भी पूरी हो गई है। सीओ ने एसएसपी को जांच रिपोर्ट भेज दी है। इससे पहले बेसिक शिक्षा विभाग के वित्त एवं लेखाधिकारी से डीएम भी जांच करा चुके हैं। इसमें बीईओ की संलिप्तता प्रथम दृष्टया प्रमाणित हो चुकी है।

28 अक्टूबर को बीईओ ने ब्लॉक के दो शिक्षकों पर रंगदारी मांगने का आरोप लगाते हुए सुभाषनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। शिक्षकों ने पलटवार करते हुए बीईओ पर कम्पोजिट ग्रांट से 20 प्रतिशत कमीशन और एमडीएम से हर माह अवैध वसूली के आरोप लगाए थे। शिक्षकों ने ऑडियो रिकॉर्डिंग और पैसे लेते हुए वीडियो डीएम, एसएसपी और सीडीओ को सौंपे थे। डीएम ने जांच की जिम्मेदारी वित्त एवं लेखाधिकारी राजेश मिश्रा को सौंपी, जबकि एसएसपी ने सीओ द्वितीय सोनाली मिश्रा को पुलिस जांच सौंपी थी। इसमें लेखाधिकारी की जांच में बीईओ की भूमिका पूरी तरह से संदिग्ध मानी गई है।

अब सीओ सोनाली मिश्रा ने भी जांच पूरी कर अपनी गोपनीय रिपोर्ट भेज दी है। बीएसए डा. विनीता का कहना है कि डीएम को वित्त एवं लेखाधिकारी की जांच रिपोर्ट भेज दी गई है। एडी बेसिक डा. अजीत सिंह का कहना है कि बीते दिनों शिक्षकों के बयान दर्ज किए गए हैं। यह शिकायत आईजीआरएस के माध्यम से आई थी। शिक्षकों के बयान दर्ज करने के साथ ही साक्ष्य के तौर पर आडियो और वीडियो पेन ड्राइव में देने को कहा है।

बच्ची के अपहरण के मामले में आरोपी को बचाने का आरोप

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: एक वर्षीय बच्ची के अपहरण की कोशिश के मामले में कार्रवाई न होने और दरोगा द्वारा अभद्रता करने से नाराज पीड़ित पक्ष ने कोतवाली में हंगामा किया। परिजनों ने दरोगा पर पीड़ित से मारपीट करने और आरोपी को संरक्षण देने का आरोप लगाया।

बजाज चीनी मिल की नई कॉलोनी निवासी आरती मौर्या ने बताया कि 7 जनवरी को दोपहर 2 बजे उनकी एक वर्षीय पुत्री प्रव्या को चॉकलेट दिलाने के बहाने मोहल्ले का ही अमन पांडे गोद में उठाकर ले जाने लगा था। यह देख मां के शोर मचाने और राहगीरों के हस्तक्षेप से आरोपी बच्ची को रास्ते में छोड़कर भाग गया। पीड़िता ने आरोपी और उसके भाई अभय पांडे पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया।पीड़िता द्वारा कोतवाली में तहरीर देने के बाद कार्रवाई न होने से आक्रोशित परिजन कोतवाली पहुंचे और कार्रवाई की मांग की।

वाहन चेकिंग के दौरान पांच चोरों को पकड़ा

पुलिस की गिरफ्त में पकड़े गये चोर। ● अमृत विचार

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार : वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने नथपुरा रोड पर टैम्पो सवार पांचों अभियुक्तों को मय चोरी के माल के साथ गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से चोरी किए गए 40 अदद सिल्वर फ्रेम (बिजली के पोल में उपयोग होने वाले), एक नाजायज 315 बोर तमंचा, एक जिंदा कारतूस, तीन मोबाइल फोन और एक टैम्पो बरामद किया गया है।पुलिस द्वारा बरामद सिल्वर फ्रेम के संबंध में जानकारी करने पर पता चला कि ये फ्रेम चोरी के हैं, जिनके संबंध में थाना सिरौली में पहले से मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने पांचों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत करते हुए बरामद टैम्पो को सीज कर दिया। पकड़े गए आरोपियों में एवरन सिंह, मुनीष कुमार, राजीव, धनपाल सभी निवासी ग्राम ठिरिया खुर्द, कोतवाली मीरगंज, और शाने आलम पुत्र शेर मोहम्मद निवासी ग्राम दियोसास शामिल हैं। मामले में दो वांछित अभियुक्त- इरफान पुत्र वेदू (निवासी अज्ञात) और अनवार पुत्र रहीश निवासी मुरादाबाद- की तलाश की जा रही है।

न्यूज डायरी

सांसद को बताई शिक्षक समायोजन की अनियमितताएं

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : स्थानांतरण नीति को उजागर किए बिना ही शिक्षकों के मनमाने ढंग से तबादले कर दिये गये हैं। अभी तक शिक्षकों से तीन विकल्प मांगने का नियम था लेकिन उसका भी पालन नहीं किया गया और गैर ब्लाक में स्थानांतरण कर दिया गया। मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी को यथासंभव उन्हें उनके कार्यरत ब्लॉकों में रखे जाने का प्रावधान है। इसके लिए वर्ष 2013 एवं 2019 में शासनादेश भी जारी किया गया जिसका पालन नहीं किया गया है। अनियमितताएं बरतते हुए जिले में शिक्षकों का समायोजन की सूची देते हुए शिक्षक संघ ने सांसद को ज्ञापन सौंपा। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष शिव स्वरूप शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल बृहस्पतिवार को सांसद छत्रपाल गंगवार से मिला और बेसिक शिक्षकों के समायोजन में हुई अनियमितताओं के संबंध में विस्तार से जानकारी देकर अनियमितताओं के निस्तारण की मांग की। कहा स्थानांतरण से पहले जनपद और ब्लॉक स्तर पर किसी प्रकार की कोई सूची प्रकाशित नहीं की गई है। कुछ ब्लाकों के अध्यापकों को स्थानांतरण/समायोजन पत्र भी उनके व्हाट्सएप पर उपलब्ध कराए गए हैं सांसद ने शिक्षकों की बात गंभीरता से सुनकर जिलाधिकारी बरेली को पत्र लिखकर अनियमितताओं को ठीक करने को कहा है। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से शिव स्वरूप शर्मा, संजय शर्मा, हरीश बाबू, शेखर मिश्रा, मोहित शंखधर, आदि मौजूद रहे।

महिलाओं की गोद भराई और बच्चों का हुआ अन्नप्राशन

कैंट, अमृत विचार : राज्य महिला आयोग की सदस्य पुष्पा पांडेय की अध्यक्षता में ब्लॉक क्यारा के सभागार में नारी चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत बाल विवाह मुक्त भारत राष्ट्रीय अभियान के अन्तर्गत शपथ एवं हस्ताक्षर अभियान के साथ की गयी। बाल विवाह की कुरूतियों को समाज से समाप्त करने का संदेश दिया गया। महिला कल्याण विभाग की योजनाओं की जानकारी दी गई। पांच महिलाओं की गोद भराई कार्यक्रम तथा दो बच्चों के साथ अन्नप्राशन की रस्म की गई। कार्यक्रम में पुष्पा पांडेय ने महिलाओं को सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में सीडीपीओ क्यारा राजकुमारी, सलोनी, गायत्री, नेहा, रिंकी सैनी, चंचल गंगवार, हरविंदर कौर व शारीन आदि मौजूद रहे।

बहेड़ी बार ने अधिवक्ताओं को बांटी इलेक्ट्रॉनिक केतली

बहेड़ी, अमृत विचार : नये साल के अवसर पर बहेड़ी बार एसोसिएशन ने बार से जुड़े अधिवक्ताताओं उपहार स्वरूप इलेक्ट्रॉनिक केतली वितरित की। एसोसिएशन के अध्यक्ष ठाकुर रन सिंह व महासचिव मनोज कुमार जौहरी एडवोकेट एवं कोषाध्यक्ष विजय कुमार मौर्य ने अधिवक्ताओं को उपहार सौंपा। इस दौरान बहेड़ी बार के महासचिव केसर कुमार पटेल एडवोकेट दीपचंद पांडे एडवोकेट हरीश कुमार गंगवार एडवोकेट राजेंद्र कुमार गंगवार सूरजपाल गंगवार एडवोकेट धर्मेंद्र दिवाकर एडवोकेट जसवंत सिंह लाक्खा एडवोकेट ऋषि गंगवार एडवोकेट मनोज कुमार गंगवार एडवोकेट रमाकांत शर्मा एडवोकेट रामपाल एडवोकेट पातीराम गंगवार एडवोकेट भूपेंद्र गंगवार आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

बेसिक शिक्षा : स्कूलों में उत्सव मनाइए, बजट नहीं जेब पर भरोसा कीजिए

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● **शिक्षक 300 में खेल महोत्सव और 1200 रुपये में कैसे कराएं वार्षिकोत्सव**

● **शिक्षक संगठनों ने बजट को बताया-ऊंट के मुंह में जीरा, उठाए सवाल**

अमृत विचार : परिषदीय विद्यालयों में वार्षिकोत्सव और खेल महोत्सव के लिए शासन स्तर से जो बजट जारी किया गया है, वो ऊंट के मुंह में जीरे के सामान है। इतना कम बजट है कि उससे बेहतर इंतजाम करना किसी चुनौती से कम नहीं है। शिक्षक संगठनों के अनुसार उत्सव को ठीक से कराने के लिए कम से कम सम्मानजनक धनराशि आवंटित करनी चाहिए, ताकि शिक्षकों की जेब पर बोझ न पड़े, मगर ऐसा नहीं किया गया। खेल महोत्सव के लिए प्रति विद्यालय महज 300 और वार्षिकोत्सव के लिए 1200 रुपये का बजट आवंटित किया गया है।

जिले में 2300 से अधिक परिषदीय विद्यालय हैं। खेलकूद की सामग्री की व्यवस्था व दौड़ प्रतियोगिता के लिए 300 रुपये खर्च किए जाएंगे। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार दिया जाएगा। वहीं, वार्षिकोत्सव के लिए साज-सज्जा, टेंट, कुर्सियां, दरी, पुरस्कार और अभिभावकों के जलपान की व्यवस्था 1200 रुपये में करनी होगी। शिक्षक संगठनों के अनुसार कार्यक्रमों की भव्यता के निर्देश दिए जाते हैं, लेकिन संसाधन नाममात्र के होते हैं। प्रतियोगिताओं के बाद प्रमाणपत्र, मेडल और पुरस्कार वितरण भी इसी सीमित राशि में करना है, जो व्यावहारिक नहीं है। इस बात को उच्च अधिकारियों को भी समझना चाहिए।

ये करानी हैं खेलकूद की गतिविधियां

कक्षा तीन से पांच के बच्चों के लिए 50 व 100 मीटर, कक्षा पांच से आठ के बच्चों के लिए 100 और 200 मीटर दौड़ व सभी बच्चों की रिले रेस करानी होगी।

परिषदीय स्कूलों में खेलों का शुभारंभ न्याय पंचायत स्तर से फिर ब्लॉक और बाद में जिला स्तर पर होता है, सरकार खेलों को प्राथमिकता दे रही है, इसलिए खेलों के लिए धनराशि सरकार की ओर से भेजी जानी चाहिए। लंबे समय से शिक्षक चंदा कराकर खेल कराते आए हैं। यह प्रक्रिया आगे चलना अब मुश्किल है।

–**डॉ. केपी सिंह**, शिक्षक नेता बरेली

वार्षिकोत्सव और खेल महोत्सव पर खर्च के लिए मिले 1200 और 300 रुपये पर्याप्त नहीं हैं, किसी भी स्तर का कार्यक्रम करने के लिए कम से कम 10 हजार रुपये का खर्च आता है। ऐसे में विभाग की ओर से यह राशि भेजना मजाक सा लगता है। वार्षिकोत्सव मार्च में कराया जाना चाहिए, जिससे परीक्षा पास बच्चों को सम्मानित किया जा सके।

–**भानु प्रताप सिंह**, जिलाध्यक्ष यूटा

शिक्षक अब मैनेजमेंट गुरु हो गए हैं। शासन धन खर्च किए बिना सिर्फ शिक्षक पर जिम्मेदारी डाल रहा है। 300 रुपये में न तो बच्चों के लिए खेल सामग्री खरीदी जा सकती है और न ही प्रतियोगिता को प्रभावी ढंग से आयोजित किया जा सकता है। 1200 रुपये में वार्षिकोत्सव जैसे महत्वपूर्ण शैक्षिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन करना व्यावहारिक नहीं है।

–**प्रियंका शुक्ला**, जिलाध्यक्ष, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

इतनी कम धनराशि में खेल महोत्सव और वार्षिकोत्सव संपन्न कराना शिक्षकों के लिए पूर्णतया अव्यवहारिक है। इतने कम बजट में न तो वार्षिकोत्सव और न ही खेल महोत्सव को गुणवत्ता परक बनाया जा सकता है। वार्षिकोत्सव और खेल महोत्सव के आयोजन के लिए कम से कम 10 हजार प्रति विद्यालय आवंटित किया जाना चाहिए।

–**डॉ. विनोद कुमार शर्मा**, मंडल अध्यक्ष, उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ

न्यूज ब्रीफ

खुद के अपहरण की झूठी सूचना दी

आगरा, एजेंसी: जिले में मुंबई के व्यापारी ने खुद के अपहरण की पुलिस को फर्जी सूचना दे दी। अपहरण की सूचना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। गुरुवार को पुलिस ने बताया कि थाना एत्माद्दौला पुलिस मिल मुंबई निवासी व्यापारी सतीश अग्रवाल ने खुद के अपहरण की सूचना दी थी। ये भी बताया गया अपहरणकर्ताओं ने एक लाख बीस हजार रुपए की रकम भी ट्रांसफर करवा ली है। पुलिस ने लोकेशन के आधार पर कारोबारी सतीश अग्रवाल को बरामद कर लिया और चार लोग भी हिरासत में ले लिए।

दबंगों से मुक्त कराया गया अवैध कब्जा

हरदोई, एजेंसी: जिले की खसौरा ग्राम पंचायत के मजरा दिउसीपुर में कई वर्षों से दबंगों के अवैध कब्जे के चंगुल में फंसी जमीन को प्रशासन ने बुलडोजर चलवाकर मुक्त करा लिया है। यह कार्रवाई जिलाधिकारी अनुनय झा के निर्देश पर की गयी है। उपजिलाधिकारी मयंक कुंडू ने गुरुवार को बताया कि खसौरा के मजरे दिउसीपुर के रहने वाले आदेश शुक्ला नामक व्यक्ति ने आरोप लगाया था कि गांव के ही पवन, मनसुख, राधिका और अनिल ने उसकी जमीन पर जबरन कब्जा कर रखा है। वर्षों तक न्याय के लिए दर-दर भटकने के बावजूद दबंग कब्जा छोड़ने को तैयार नहीं थे।

प्रोफेसर ने लगाया उत्पीड़न का आरोप

अलीगढ़, एजेंसी: अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) की एक महिला प्रोफेसर ने अपने विभागाध्यक्ष और संकाय प्रमुख (डीन) पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए कहा है कि जानबूझकर उनके काम में रुकावट डाली गई और उनकी वरिष्ठता की अनदेखी की गयी है। एएमयू के राजनीति विज्ञान विभाग की प्रोफेसर रचना कौशल ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से कहा कि उनके विभागाध्यक्ष और डीन जानबूझकर उनकी वरिष्ठता की अनदेखी कर रहे हैं और उनके काम में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं।

कस्टम अधिकारी की गोली से महिला की मौत

मिनियापोलिस, एजेंसी: अमेरिका के इमिग्रेशन एंड कस्टम्स (आइस) विभाग के एक अधिकारी ने गुरुवार को मिनेसोटा राज्य के मिनियापोलिस में अधिकारियों को कार से कुचलने की कोशिश कर रही एक महिला को गोली मार दी। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने जहां महिला को 'दंगाई' करार देते हुए आरोप लगाया कि वह अपनी गाड़ी से अधिकारियों को कुचलने की कोशिश कर रही थी, वहीं मिनेसोटा के गवर्नर टिम वॉल्ज ने कहा है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जायेगी और मृतक को इंसाफ़ दिलाया जायेगा। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में सोमाली निवासियों से जुड़े मामले में मिनियापोलिस इलाके में 2,000 फेडरल एजेंट और अधिकारियों को तैनात किया है।

इंसानी डर पहचानने पर ही हमला करते हैं कुत्ते

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हर कुत्ते को हटाने का निर्देश नहीं दिया

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि उसने सड़कों से हर कुत्ते को हटाने का निर्देश नहीं दिया है और उसका निर्देश पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियमों के तहत इन आवारा कुत्तों से निपटने से संबंधित था। आवारा कुत्तों के मामले में दलीलें सुनते हुए न्यायालय ने कहा कि कुत्ते उन लोगों को सूंघ सकते हैं जो या तो उनसे डरते हैं या जिन्हें कुत्ते ने काटा हो और वे ऐसे लोगों पर हमला कर देते हैं।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की विशेष पीठ कुत्ता प्रेमियों की ओर से दायर उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें न्यायालय के पूर्व आदेशों में संशोधन और निर्देशों के कड़ाई से अनुपालन की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति मेहता ने कहा कि हमने सड़कों से सभी कुत्तों को हटाने का निर्देश नहीं दिया है। निर्देश यह है कि उनसे नियमों के तहत निपटा जाय। पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ताओं सीयू सिंह, कृष्णन वेणुगोपाल, ध्रुव मेहता, गोपाल शंकरनारायणन, श्याम दीवान, सिद्धार्थ लूथरा और करुणा नंदी सहित कई वकीलों की दलीलें सुनीं। सुनवाई के शुरुआत में इस मामले में न्यायालय की सहायता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल ने पीठ को सूचित किया कि चार राज्यों ने बुधवार को इस मामले में अपने अनुपालन हलफनामे दाखिल किए हैं। अपनी दलीलों के दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली जैसे स्थानों में चूहों का

- कोर्ट ने कुत्ता प्रेमियों की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई की

प्रकोप है और राष्ट्रीय राजधानी में बंदरों से भी एक अनूठी समस्या है। उन्होंने कहा कि कुत्तों को अचानक हटाने से चूहों की आबादी बढ़ जाएगी, जिसके गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि चूहों की आबादी बढ़ने पर हमने बहुत ही भयावह परिणाम देखे हैं। न्यायमूर्ति मेहता ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि कुत्ते और बिल्लियां दुश्मन हैं। बिल्लियां चूहों को मारती हैं। इसलिए हमें बिल्लियों की संख्या बढ़ानी चाहिए।

पीठ ने कहा कि हमें बताइए कि प्रत्येक अस्पताल के गलियारों, वार्डों और मरीजों के बिस्तरों के पास कितने कुत्ते घूमते दिखने चाहिए? पीठ ने कहा कि हमें बताएं, क्या पालतू कुत्तों के लिए अनिवार्य माइक्रोचिप लगाने का काम वास्तव में हो रहा है?

दीपू चंद्र दास हत्या मामले में एक और संदिग्ध गिरफ्तार

मैमनसिंह, एजेंसी: बंगलादेश पुलिस की जासूसी शाखा ने मैमनसिंह के भालुका में स्थानीय हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की हत्या करने वाली भीड़ का नेतृत्व करने के एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। मैमनसिंह के अतिरिक्त पुलिस निरीक्षक (प्राधिकरण) अब्दुल्ला अल मामून ने बताया कि 25 वर्षीय संदिग्ध मोहम्मद यासीन अराफात को सात जनवरी को ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अधिकार क्षेत्र के सरुलिया इलाके से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि अराफात काशर की शेखबारी मस्जिद में इमाम के तौर पर काम कर रहा था और मदीना तहफ़िजुल कुरान मदरसा में पढ़ाता भी था। हत्या के बाद वह छिप गया और 12 दिनों तक सरुलिया के अलग-अलग मदरसों में घूमता रहा। गिरफ्तारी से बचने की कोशिश करते हुए बाद में वह सुफ़्फ़ा नाम के एक मदरसे में शिक्षक बन गया। जांचकर्ताओं ने बताया कि संदिग्ध ने हत्या में मुख्य भूमिका निभाई थी और घटना के बाद से वह लगभग दो हफ्तों से फरार था।

मेरठ में युवती का अपहरण विरोध पर मां को मार डाला

मेरठ, एजेंसी

मेरठ देहात के सरधना क्षेत्र स्थित कपसाड़ गांव में गुरुवार को एक युवती के अपहरण और उसकी मां की नृशंस हत्या से सनसनी फैल गई। खेत पर जाते समय युवती को जबरन ले जाने का विरोध करने पर दबंगों ने उसकी मां पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि युवती का अब तक कोई सुराग नहीं लग सका है।

पुलिस के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे अनुसूचित जाति की महिला अपनी 20 वर्षीय बेटी के साथ खेत में काम के लिए जा रही थी। रजवाहे के पास कुछ युवकों ने दोनों को रोक लिया और युवती को खींचकर अपने साथ ले जाने लगे। मां ने विरोध किया तो आरोपियों ने उस पर बलकटी से ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ी। जबकि आरोपी युवती को कार में डालकर फरार हो गए। बताया गया है कि घायल महिला को परिजन

- दो नामजद समेत अन्य अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

एसडीएस ग्लोबल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां देर शाम को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। युवती के भाई की तहरीर पर दो नामजद समेत अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि युवती की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पांच विशेष टीमों का गठन किया गया है और पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। महिला की मौत और युवती के अपहरण की खबर फैलते ही विभिन्न संगठनों और राजनीतिक दलों की सक्रियता बढ़ गई। अस्पताल और गांव में लोगों की भीड़ जुट गई, हालांकि पुलिस ने स्थिति पर नियंत्रण का दावा किया है। साथ ही जिला प्रशासन ने जल्द कार्रवाई और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया है।

श्रीलंका को अमेरिका से दस टीएच-57 हेलीकॉप्टर मिलेंगे

कोलंबो, एजेंसी: श्रीलंका को अमेरिकी नौसेना के 10 टीएच-57 (बेल 206 सी रेंजर) हेलीकॉप्टर मुहैया कराए जाएंगे। एक वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक ने गुरुवार को यह जानकारी दी। श्रीलंका में अमेरिका की राजदूत जूली चुंग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि टेक्सास में निर्मित और विश्वसनीयता में अव्वल हेलीकॉप्टर अतिरिक्त रक्षा सामग्री कार्यक्रम के तहत स्थानांतरित किए जा रहे हैं और उनके 2026 की शुरुआत में श्रीलंका पहुंचने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि 'मुझे बेहद खुशी है कि अमेरिका, श्रीलंकाई वायुसेना को 10 यूएस नेवी टीएच-57 (बेल 206 सी रेंजर) हेलीकॉप्टर मुफ्त में उपलब्ध करा रहा है। चुंग ने कहा कि चक्रवाती तूफान दित्वा जैसी आपदाओं के वक्त खोज और बचाव कार्यों में हेलीकॉप्टर की अहम भूमिका को दर्शाती हैं। ये 10 हेलीकॉप्टर श्रीलंकाई वायुसेना के बेड़े को मजबूत करके और पायलट को प्रशिक्षण देकर उसे आपदा राहत में अधिक प्रभावी भूमिका निभाने में मदद करेंगे।

पत्नी के पेट में मारी लात गर्भ में बच्चे की हुई मौत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- पति समेत पांच के खिलाफ पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट
- दहेज में बाइक, एक लाख रुपये की मांग, पीटकर घर से निकाला

अमृत विचार: दहेज में बाइक और एक लाख रुपये न देने पर पति ने पत्नी के पेट पर लात मारी, जिससे गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत हो गयी। पति ने धमकी दी कि मायके वालों ने दहेज नहीं दिया तो तलाक देकर दूसरी शादी कर लेंगे। ससुराल वालों ने बहू को पीटकर घर से निकाल दिया। पुलिस ने पति समेत पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला तिलहरजई निवासी आफरीन ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि एक साल पहले शादी अजीम निवासी ककरा कला थाना सदर बाजार के साथ हुई थी। उसके मायके वालों ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार दहेज दिया था। दहेज से ससुराल वाले संतुष्ट नहीं थे। ससुराल वालों ने उससे कहा कि मायके से एक लाख रुपये और बाइक मंगाकर दो। उसके मायके वालों ने अतिरिक्त दहेज देने में असमर्थता जतायी। पीड़िता का आरोप है कि ससुराल वाले उसको मानसिक उत्पीड़न करने लगे। उसके मायके वालों ने घर बर्बाद न हो, इस कारण 20 हजार रुपये ससुराल वालों को दे दिए। ससुराल वालों का दो माह तक व्यवहार सही रहा। आरोप है कि दो माह बाद ससुराल वाले दहेज की मांग को लेकर मारने पीटने लगे। पीड़िता के गर्भ में पल रहे शिशु के पेट पर लातों से प्रहार किया, जिस कारण पीड़िता के गर्भ में बच्चे की मौत हो गयी।

बाइकों की भिड़ंत में सिपाही की मौत, हेड कांस्टेबल गंभीर

संभल/रजपुरा, अमृत विचार: संभल जनपद के रजपुरा थाना क्षेत्र में गश्त के दौरान घने कोहरे में दूसरी बाइक की टक्कर से बाइक सवार सिपाही की मौत हो गई जबकि पीछे बैठा दूसरा सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गया।

रजपुरा थाने पर तैनात सिपाही कृष्ण कुमार नैनवाल (30) व हेड कांस्टेबल विकास कुमार चौधरी बुधवार शाम को बाइक पर सवार होकर गश्त के लिए गए थे। गवां-हसनपुर मार्ग पर सिपाहियों की बाइक में सामने से आ रही दूसरी बाइक ने टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर में दोनों सिपाही बुरी तरह घायल हो गये। सिपाही कृष्ण कुमार को गंभीर स्थिति में जिला संयुक्त चिकित्सालय लाया गया। पुलिसकर्मी कृष्ण कुमार को मुरादाबाद के निजी अस्पताल ले गए। मुरादाबाद के अस्पताल में देर रात कृष्ण कुमार की मौत हो गई।

अभ्यारण्य में पक्षी

गुवाहाटी के बाहरी इलाके में स्थित पोबितोरा वन्यजीव अभ्यारण्य के एक आर्द्रभूमि में प्रवासी पक्षियों के तैरने के दौरान काले पंखों वाले स्टिल्ट पक्षी। • एजेंसी

ईरान में शुरु हुआ प्रदर्शन देशभर में फैला

दुबई, एजेंसी

आर्थिक संकट के कारण ईरान में शुरू हुए विरोध प्रदर्शन अब पूरे देश में फैल गए हैं। यह जानकारी कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को दी। बुधवार को प्रदर्शनों का सबसे तीव्र दौर देखने को मिला, जब विरोध प्रदर्शन हर प्रांत के ग्रामीण कस्बों और प्रमुख शहरों तक फैल गए। हालांकि, ईरान की राजधानी तेहरान और अन्य जगहों पर दैनिक जीवन सुचारू रूप से चलता रहा। अमेरिका स्थित 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी' के अनुसार, प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में अब तक कम से कम 38 लोग मारे गए हैं, जबकि 2,200 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। विरोध प्रदर्शनों से ईरान की सरकार और उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई पर दबाव बढ़ गया है।

अब तक, अधिकारियों ने इंटरनेट बंद नहीं किया है और न ही सड़कों पर सुरक्षा बलों की भारी तैनाती की है, जैसा कि उन्होंने 2022 के महसा अमीनी की पुलिस हिरासत में मौत के बाद हुए प्रदर्शनों को दबाने के लिए किया था। इस बीच, विरोध प्रदर्शन काफी हद तक नेतृत्वहीन रहे हैं, हालांकि ईरान के निर्वासित युवराज द्वारा विरोध प्रदर्शन का आह्वान यह परखने का काम करेगा कि क्या प्रदर्शनकारी विदेश से आने वाले संदेशों से प्रभावित हो रहे हैं या नहीं। कार्यकर्ताओं के मुताबिक, बुधवार को देशभर में कम से कम 37 विरोध प्रदर्शन हुए। इनमें शिराज भी शामिल है, जहां के ऑनलाइन सामने आए एक वीडियो में एक दंगा-रोधी ट्रक को प्रदर्शनकारियों पर पानी की बौछार करते हुए देखा गया। सरकारी समाचार एजेंसी इरना ने बोजनौर्द में एक बड़े प्रदर्शन के साथ-साथ करमान और करमानशाह में हुए प्रदर्शनों के बारे में जानकारी दी।

दो पुलिसकर्मी मारे गए, 30 घायल

तेहरान, एजेंसी: ईरान के दक्षिण-पश्चिम में आर्थिक शिकायतों को लेकर चल रहे देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के 11वें दिन बुधवार को हुई झड़पों में दो ईरानी पुलिस अधिकारी मारे गये और 30 अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह हिंसा चहारमहल और बख्तियारी प्रांत के लोरदेगान शहर में तब भड़की जब लगभग 300 दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद कर दीं।

स्टेयरिंग में फंसकर चालक की मौत

जैतीपुर, अमृत विचार: तिलहर-दातागंज स्टेट हाइवे पर करकौर गांव के सामने सड़क दुर्घटना में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गयी। लकड़ी से भरी ट्राली का कुंडा ऊपर टूट जाने से चालक का सिर स्टेयरिंग में फंस गया था। उसका शव बमुश्किल से बाहर निकाला गया।

जैतीपुर थाना क्षेत्र के गांव कीरतपुर बिहारीपुर निवासी सर्वेश (28) ट्रैक्टर चालक था। बुधवार की रात चालक ट्रैक्टर-ट्राली में यूकेलिप्टस के लकड़ी लेकर गौहावर से खैरपुर की ओर जा रहा था। करकौर गांव के निकट ट्राली में अधिक वजन होने के कारण उसका कुंडा टूट गया। कुंडा टूटने से ट्रैक्टर का अगला हिस्सा उठ गया और ट्राली सड़क पर आ गयी। चालक ट्रैक्टर-ट्राली के बीच दबकर स्टेयरिंग में फंस गया। चालक की मौके पर मौत हो गयी। राहगीरों ने जैतीपुर थाना को सूचना दी। थाना प्रभारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।

भाजपा विधायक के मुस्लिम वोट संबंधी बयान से खड़ा हुआ राजनीतिक विवाद

अमेठी, एजेंसी

- विधायक सुरेश पासी ने कहा था मुझे मुस्लिम वोट नहीं चाहिए

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के वरिष्ठ नेता और जगदीशपुर से विधायक सुरेश पासी के मुझे मुस्लिम वोट नहीं चाहिए वाले बयान से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। पासी के बयान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है। पासी को मात्र 20 सेकंड के इस वीडियो में यह कहते हुए सुना जा सकता है कि उन्हें मुस्लिम वोट नहीं चाहिए और वह न तो मस्जिदों में जाते हैं तथा न ही समुदाय के किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होते हैं।

भाजपा विधायक सात जनवरी को एक पुल के उद्घाटन में भाग लेने के बाद पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। पासी ने वीडियो में कहा कि उन्हें मुस्लिम वोटों की जरूरत नहीं है और उनका रुख 'बिल्कुल साफ' है। इस संबंध में टिप्पणी के लिए भाजपा विधायक से संपर्क नहीं हो सका। भाजपा ने इस बयान से खुद को अलग कर लिया और इसे पासी का निजी विचार बताया। पार्टी की जिला इकाई के अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने कहा कि इन टिप्पणियों का भाजपा की विचारधारा से कोई लेना-देना नहीं है। शुक्ला ने कहा, भाजपा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास में विश्वास करती है। यह पार्टी का रुख साफ है।

सुरेश पासी ने जो कहा वह उनकी निजी राय है। हालांकि, विपक्षी पार्टियों ने भाजपा नेता की कड़ी आलोचना की। कांग्रेस की जिला इकाई के अध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने इस बयान को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया। सिंघल ने आरोप लगाया कि जब भी चुनाव आते हैं, भाजपा नेता ऐसे बयान देते हैं। वे सिर्फ वोट पाने के लिए भाई को भाई से, एक धर्म को दूसरे धर्म से और एक जाति को दूसरी जाति से लड़ाने की कोशिश करते हैं। यह सब नाटक है। समाजवादी पार्टी की जिला इकाई के अध्यक्ष राम उदित यादव ने कहा कि ये टिप्पणियां समाज में नफरत फैलाने के मकसद से की गई हैं। यादव ने कहा कि हिंदू-मुस्लिम बंटवारा करना भाजपा की राजनीति है। सुरेश पासी उसी पार्टी के हैं और वोटों के लिए भाजपा किसी भी हद तक जा सकती है।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं.: SRDEE-TRD-IZN-2025-26-T26

Date: 08.01.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु "खुली" ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **क्र.सं. 1.; कार्य का नाम:** शेरगंज हॉल्ट को 3-लाइन क्रॉसिंग स्टेशन में परिवर्तित करने के दौरान ओएचई से संबंधित कार्य।; **टेंडर रिफरेंश नं.:** SRDEE-TRD-IZN-2025-26-T26; **कार्य की अनुमानित लागत (₹ में):** ₹3,24,71,979.79; **अमानत राशि/बिड सिक्योरिटी(₹ में):** ₹3,12,400/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य(₹ में):** 00; **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** 30.01.2026 को 11:00 बजे; **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 माह। • खुली ई-निविदा दिनांक 30.01.2026 को 11:00 बजे तक जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण जानने हेतु एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी इज्जतनगर

मुजाधि/विद्युत-247

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना : ओटी-15-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य विद्युत इन्जीनियर/ निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए "खुली" निविदा आमंत्रित की जाती है :- **निविदा सं०: ओटी-15-2025,** कार्य का विवरण : बुढ़वल-सीतापुर तीसरी एवं चौथी नई बीजी लाइन परियोजना के अंतर्गत न्यू बीजी ट्रैक के एलाइनमेंट में आने वाले 33 केवी के 03 अदद और 11 केवी के 47 अदद (कुल 50 अदद) ओवर हेड लाइन का अंडर ग्राउन्ड केबल में परिवर्तन। अनुमानित लागत : रू. 3,12,27,200.50, बयाना राशि : रू. 3,06,100.00 निविदा प्रपत्र का मूल्य - रू. निल, कार्य पूर्ण करने की अवधि - 12 महीना। निविदा बन्द होने की अंतिम तिथि व समय : 29.01.2026 को 15.00 बजे। **नोट :** ● इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु, कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाईट http://www.ireps.gov.in को देखें। ● निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य विद्युत इंजी०/निर्माण लखनऊ

मुजाधि/विद्युत- 244

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

न्यायालय जे.एम. बहेड़ी द्वारा फरार अभियुक्तों के विरूद्ध जारी की गई उद्घोषणा

फरार अभियुक्त पूजा पत्नी शिवनन्दन पुत्री रोशन लाल व श्रीमती चम्पा देवी निवासीगण मौ. चौधरी कस्बा सैन्थल थाना हाजिफगंज, बरेली सम्बन्धित मु.अ. सं. 506/25 धारा 115(2) BNS, 108, 351(2) थाना देवरनियां, बरेली के विरूद्ध न्यायालय द्वारा दि. 4.1.26 को धारा 84 BNS के प्रोसेस जारी किये गए। न्यायालय द्वारा परिवाद का उत्तर देने के लिए 04.02.26 तक का समय दिया गया।

छेड़छाड़ मामले में कानूनगो निलंबित

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार: ठाकुरद्वारा में चकबंदी कार्यालय में तैनात चतुर्थ श्रेणी महिला कर्मचारी से छेड़खानी के आरोपों का मामला तूल पकड़ गया है। गुरुवार को जिलाधिकारी ने आरोपी कानूनगो होशियार सिंह को निलंबित कर दिया है। हालांकि, गंभीर आरोपों के बावजूद कातवाली पुलिस ने अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की है।

कार्यालय ग्राम पंचायत गहवरा वि. खं. मीरगंज (बरेली)

निविदा आमंत्रण सूचना

समस्त अधिकृत फर्मों व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायत गहवरा में मनरेगा योजना से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु कार्य स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मों से निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसका सामग्री विवरण निम्नवत है- प्रथम श्रेणी ईट, सीमेंट, रेत, बजरी, बजरफुट, सरिया व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है आदि।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत	योजना का नाम
1.	सुरेन्द्र शर्मा के घर से शिव मन्दिर तक सी.सी. व नाली निर्माण कार्य	398966/-	मनरेगा
2.	बाबूराम गंगवार के चौराहे से ओमकार के घर तक सी.सी. व नाली निर्माण	398886/-	मनरेगा

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदायें दिनांक 09.01.2026 से 12.01.2026 दोपहर 2 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं, जो उसी दिनांक 12.01.2026 को सायं 3 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष ग्राम पंचायत सचिवालय पर खोली जायेगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है।

प्रधान-संतोष कुमारी सचिव

नेपाल में चुनाव

सीमा पर विशेष निगरानी पर दिया जोर, जिला प्रशासन, पुलिस और एसएसबी करेंगे नेपाल का हर संभव सहयोग

भारत और नेपाल के अधिकारियों ने किया विचार विमर्श

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: नेपाल में आगामी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटिव 2026 के चुनाव को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को भारत-नेपाल समन्वय समिति की बैठक नेपाल में सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई।

बैठक में दोनों देशों ने चुनाव के दौरान सूचना आदान-प्रदान और सहयोग को सुनिश्चित करने पर सहमति जताई। बैठक में भारत की ओर से लखीमपुर खीरी और नेपाल की ओर से कैलाली एवं कंचनपुर अंचल के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। अधिकारियों ने भरोसा जताया कि चुनाव के दौरान पूर्ण सहयोग

बैठक के बाद नेपाल सीमा पर स्थित कैलाली और कंचनपुर ज़िले के अफसर।

और साझा सुरक्षा उपाय लागू किए जाएंगे। बैठक की शुरुआत में दोनों देशों के अधिकारियों ने अपना परिचय दिया। बैठक में चुनाव के मद्देनजर सीमा पर चौकसी बरतने, अपराधियों पर लगाम लगाने सहित कई विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में अधिकारियों ने चुनाव के मद्देनजर सीमा पर विशेष निगरानी रखने की बात कही। साथ ही मादक पदार्थों की तस्करी, अपराधियों की धरपकड़ सीमा के दोनों तरफ कैसे की जाए जिससे अंतरराष्ट्रीय सीमा के दोनों ओर अपराधियों को संरक्षण ना मिल सके आदि महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा कर कार्ययोजना बनाई। सीडीओ कंचनपुर मदन कोइराला ने कहा कि जितना सहयोग मिलेगा उतना चुनाव कराने में आसानी होगी। हमारे संबंध अच्छे थे और भविष्य में भी बेहतर रहेंगे।

ये भारतीय अधिकारी रहे मौजूद

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, एसपी पवन गौतम, एसडीएम डॉ. अवनीश, राजीव निगम, कमांडेंट 39 बटालियन आरके राजेश्वरी, डिप्टी कमांडेंट ऑपरेशन विजेंद्र कुमार सिंह, कमांडेंट 49 बटालियन शेर सिंह धामी, सेकेंड इन कमांडेंट थर्ड बटालियन एम डी तमांग, कमांडेंट 70 बटालियन राजन श्रीवास्तव, जिला आबकारी अधिकारी राजवीर सिंह मौजूद रहे।

नेपाल के ये अधिकारी रहे मौजूद

मुख्य जिलाधिकारी (कैलाली) हीरालाल रेग्मी, मुख्य जिलाधिकारी (कंचनपुर) मदन कोइराला, असिस्टेंट चीफ डिस्ट्रिक्ट ऑफिसर, कैलाली किरण जोशी, असिस्टेंट चीफ डिस्ट्रिक्ट ऑफिसर, कंचनपुर मोहन चंद जोशी, एसपी कैलाली नरेंद्र चंद, एसपी कंचनपुर खड़ग बहादुर खत्री, एसपी एपीएफ कैलाली, सेक्शन ऑफिसर और कल्पना भट्ट आदि।

ममता ने संविधान को तार-तार कर दिया : भाजपा

कहा- ईडी की जांच को रोकना भ्रष्टाचार के तार उनसे जुड़े होने का प्रमाण

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्य विपक्षी भाजपा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोयला तस्करी मामले में ईडी की जांच में बाधा डाली और ऐसे सबूतों को अपने साथ ले गईं जो जांचकर्ताओं को उनकी दहलीज तक पहुंचा सकते थे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने ममता बनर्जी के आचरण को एक मुख्यमंत्री के लिए अति अशोभनीय करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता ने भ्रष्टाचार को बचाने के लिए संविधान को तार-तार कर दिया है।

ईडी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने कोयला तस्करी से जुड़े धनशोधन मामले में छापेमारी के दौरान कोलकाता में आई-पैक के निदेशक प्रतीक जैन के आवास में दाखिल हुईं और दस्तावेजों तथा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों सहित अहम सबूत साथ ले गईं। पूनावाला ने पूरे घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, उन्होंने छापे के दौरान बाधा उत्पन्न की और कुछ महत्वपूर्ण सबूत, जिनमें कुछ फाइलें भी शामिल थीं, चुरा लिए। उन्होंने आरोप लगाया, यह दर्शाता है कि इस कोयला घोटाले का पूरा संबंध सीधे तौर पर तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी से है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा, तृणमूल घोर भ्रष्टाचार का पर्याय बन गई है। इसकी सरकार बलात्कारियों, भ्रष्टाचारियों और घुसपैठियों को संरक्षण देती है। भाजपा में पश्चिम बंगाल मामलों के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने कहा कि इस घटना पर ईडी का बयान पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के लिए एक गंभीर आरोप है। उन्होंने आरोप लगाया, यह बेहद शर्मनाक है कि एक मौजूदा मुख्यमंत्री कानून का पालन करने के बजाय कोयला तस्करी और धनशोधन में संलिप्त एक एजेंसी को बचाने के लिए इस तरह हस्तक्षेप करे। यह सत्ता का दुरुपयोग है।

दस्तावेज ले जा रहे थे, मैं वापस ले आई : ममता

मुख्यमंत्री ने कहा- प्रधानमंत्री को अपने गृह मंत्री पर नियंत्रण रखना चाहिए

कोलकाता। ईडी के छापे के बीच आई-पैक प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर पहुंचीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसी तृणमूल कांग्रेस के आंतरिक दस्तावेज, हार्ड डिस्क और चुनाव रणनीति से जुड़े संवेदनशील डेटा को जब्त करने का प्रयास कर रही थी। ममता ने कहा, उन्होंने इन दस्तावेजों को वापस ले लिया है।

ममता ने कहा कि मेरे आईटी प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रतीक जैन के आवास और कार्यालयों पर छापेमारी राजनीतिक रूप से प्रेरित और असंवैधानिक है। ममता ने पत्रकारों से कहा, ईडी ने मेरे आईटी सेल के आवास और कार्यालयों पर छापा मारा और मेरे आईटी सेल के प्रभारी के आवास की तलाशी ली। वे मेरी पार्टी के दस्तावेज और हार्ड डिस्क जब्त कर रहे थे, जिनमें विधानसभा चुनाव के लिए हमारी पार्टी के उम्मीदवारों का विवरण था। मैंने इन्हें वापस ले लिया है। उन्होंने पूछा, क्या राजनीतिक दलों का डेटा एकत्र करना ईडी का काम है। तृणमूल कांग्रेस के लिए राजनीतिक परामर्श के अलावा आई-पैक पार्टी के आईटी और मीडिया प्रकोष्ठ का भी कामकाज संभालती है। भाजपा पर जोरदार हमला बोलते हुए बनर्जी ने इन तलाश अभियानों को बदले की राजनीति' बताया और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर विपक्षी दलों को डराने के लिए संवैधानिक एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

ममता ने कहा, यह कानून का पालन नहीं है। उन्होंने सवाल किया, यही तरीका है उन सबसे सख्त गृह मंत्री के काम करने का, जिन पर देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे खेद है, अमित शाह जी, प्रधानमंत्री को अपने गृह मंत्री पर नियंत्रण रखना चाहिए। आरोप लगाया कि छापेमारी सुबह लगभग छह बजे तब शुरू हुई जब कार्यालय में कोई मौजूद नहीं था।

वर्ल्ड ब्रीफ

दागी अभ्यर्थियों की विवरण वाली सूची दे एसएससी : अदालत

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) को निर्देश दिया है कि वह 1,806 दागी अभ्यर्थियों से संबंधित अतिरिक्त विवरणों के साथ नई रिपोर्ट दे। दागी उम्मीदवार उन 25,753 स्कूल नियुक्तियों में हैं, जिनकी नौकरियां उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद रद्द कर दी गई थीं। एसएससी की रिपोर्ट पर न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने कहा कि सूची में उम्मीदवारों का रोल नंबर, नाम, विषय, माता-पिता का नाम और जन्मतिथि तो है, लेकिन उस श्रेणी का खुलासा नहीं है जिसके लिए उनको दागी पाया गया है। उस स्कूल और जिले का विवरण भी सार्वजनिक नहीं किया गया जहां उम्मीदवार को 2016 की पहली स्कूल स्तरीय चयन परीक्षा में नियुक्त किया गया था।

कर्नाटक के कारोबारी को ठाणे में बंधक बनाकर दो करोड़ लूटे

ठाणे। कर्नाटक के एक व्यवसायी की फर्म में निवेश का वादा करके उन्हें महाराष्ट्र के ठाणे जिले में बुलाने और उन्हें कई होटलों में बंधक बनाकर बंदूक दिखाकर दो करोड़ रुपये से अधिक लूटने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना 15 से 18 दिसंबर, 2025 के बीच हुई थी और मामले के मुख्य आरोपी, ठाणे के मानपाड़ा निवासी अंकित बापू थोम्ब्रे (40) को छह जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। एसीपी (अपराध) मदन बल्लाल ने कहा कि पीड़ित की पहचान शामंतकुमार शादक शारप्पा कार्दर (31) के रूप में हुई है, जो कर्नाटक के शिमोगा के एक व्यवसायी हैं।

बंगाल के राज्यपाल को जान से मारने की धमकी, पुलिस अलर्ट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस को बृहस्पतिवार रात एक ईमेल के माध्यम से जान से मारने की धमकी मिली, जिसके बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। लोक भवन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ईमेल भेजने वाले ने राज्यपाल को उड़ा देने की धमकी दी। अधिकारी ने बताया, आरोपी ने ईमेल में अपना मोबाइल नंबर भी दिया है। हमने डीजीपी को सूचित कर दिया है और उनसे उस व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तार करने को कहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी इस बारे में सूचित कर दिया गया है।

आंध्रप्रदेश हाईकोर्ट का भ्रष्टाचार मामलों में प्राथमिकी खारिज करने का फैसला रद्द

सुप्रीम कोर्ट ने बताया न्याय का उपहास, इन मामलों में हाईकोर्ट में सुनवाई पर रोक भी लगाई

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें भ्रष्टाचार के मामलों में दर्ज कुछ प्राथमिकियां अमान्य घोषित कर दी गई थीं। शीर्ष अदालत ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि हाईकोर्ट ने प्राथमिकी रद्द कराने की अनावश्यक जहमत उठाई। हाईकोर्ट के दृष्टिकोण को न्याय का उपहास करार देते हुए न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट इन मामलों में दर्ज प्राथमिकी या लंबित जांच को चुनौती देने वाली किसी भी नई याचिका पर अब सुनवाई नहीं करेगा।

राज्य की एसीबी और अन्य की अपील पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने यह कदम केवल प्राथमिकी दर्ज करने वाले थाने के क्षेत्राधिकार के मुद्दे पर उठाया। अपीलकर्ताओं ने हाईकोर्ट के अगस्त 2025 के फैसले को चुनौती दी थी। पीठ ने कहा कि वह ऐसे मामलों से निपट रही है जहां भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कथित अपराधों के लिए दर्ज प्राथमिकियों को रद्द कर दिया गया था, फलस्वरूप कुछ मामलों में जांच शुरू होने से पहले ही रुक गई, जबकि अन्य में, आपराधिक कार्यवाही समाप्त हो गई। पीठ ने कहा, हमारे सुविचारित मत में हाईकोर्ट का दृष्टिकोण न्याय का उपहास मात्र है। यदि अत्यधिक तकनीकी आधार पर प्राथमिकी को रद्द किया जाता है तो हाईकोर्ट का दायित्व है कि वह उस अधिकार क्षेत्र के संबंध में कानून स्पष्ट करे, जो अन्यथा अस्तित्व में है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के तहत दंडनीय अपराधों के लिए 2016 एवं 2020 के बीच एसीबी के विजयवाड़ा थाने में कई प्राथमिकियां दर्ज की गईं। इन प्राथमिकियों को आरोपियों द्वारा मुख्य रूप से इस आधार पर चुनौती दी गई थी कि एसीबी, केंद्रीय जांच इकाई, आंध्र प्रदेश, विजयवाड़ा थाने को सीआरपीसी की धारा दो के तहत पुलिस थाने के रूप में अधिसूचित नहीं किया गया था और इसलिए प्राथमिकी दर्ज करने का अधिकार क्षेत्र उसके पास नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हाईकोर्ट का यह तर्क कि दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 2(एस) के उचित अनुपालन के लिए अधिसूचना के माध्यम से घोषणा को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित किया जाना आवश्यक है, कम से कम अस्वीकार्य है। हमें इसके सार और भावना के अनुरूप उचित अनुपालन को देखना होगा।

सुप्रीम कोर्ट में चलाया गया सोनम वांगचुक के भाषण का वीडियो, अब सोमवार को होगी आगे की सुनवाई

● पत्नी ने कहा- भाषण हिंसा फैलाने के लिए नहीं, खत्म करने लिए था

नई दिल्ली। जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे आंगमो ने बृहस्पतिवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि उनके पति के भाषण का मकसद हिंसा फैलाना नहीं, बल्कि उसे खत्म कराना था। उन्हें अपराधी दिखाने के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़ा जा रहा है। गीतांजलि ने शीर्ष अदालत को यह भी बताया कि वांगचुक को उनकी हिरासत के पूरे आधार नहीं बताए गए और उन्हें हिरासत के खिलाफ संबंधित प्राधिकारियों के समक्ष अपनी बात रखने का सही मौका नहीं दिया गया। हालांकि मामले में सुनवाई पूरी नहीं हो पाई और 12 जनवरी को जारी रहेगी।

गीतांजलि की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले की पीठ के समक्ष वांगचुक के भाषण का वीडियो चलाते हुए कहा कि वांगचुक ने भूख हड़ताल समाप्त करते समय यह भाषण दिया था। उन्होंने कहा, मैंने कहा कि मैं इस हिंसा को स्वीकार नहीं कर सकता, और हमें इस हिंसा को रोकना चाहिए, और मैं आपसे इस हिंसा को रोकने की अपील कर रहा हूं। यही वह वीडियो था जो मैं आपके सामने चलाना चाहता था। आपको याद होगा कि चौरी-चौरा घटना के बाद जब हिंसा हुई थी तो गांधीजी ने भी ऐसा ही किया था। सिब्बल ने कहा कि तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है ताकि वांगचुक को अपराधी दिखाया जा सके।

एसआईआर पर 13 को सुनवाई करेगी अदालत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट एसआईआर संबंधी निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह पर 13 जनवरी को सुनवाई करेगा। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिन में याचिकाओं की सुनवाई तय की थी। पीठ ने कहा कि कार्यवाही मंगलवार को फिर से शुरू होगी।

जेकेसीए चुनाव पर रोक : सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को जम्मू कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन के चल रहे चुनावों पर बीसीसीआई की एक उप-समिति के सदस्यों के खिलाफ धोखाधड़ी, आदेशों की बैक-डेटिंग और चुनावी प्रक्रिया में हेरफेर के आरोपों के परिप्रेक्ष्य में रोक लगा दी।

जांच समिति की वैधता को चुनौती देने वाली जस्टिस वर्मा की याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा की उस याचिका पर फैसला गुरुवार को सुरक्षित रख लिया, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रही संसदीय समिति की वैधता को चुनौती दी थी।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और एससी शर्मा की पीठ ने वर्मा के अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और सिद्धार्थ लूथरा तथा संसद के दोनों सदनों का प्रतिनिधित्व करने वाले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें सुनीं। सुनवाई के दौरान, रोहतगी और लूथरा ने संसदीय समिति के गठन में अपनाई गई प्रक्रिया पर सवाल उठाया और कहा कि न्यायाधीश (जांच) अधिनियम 1968 के तहत, केवल लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति ही किसी न्यायाधीश को पद से हटाने के प्रस्ताव को स्वीकार करने के हकदार हैं। मेहता ने संसदीय समिति के गठन का बचाव करते हुए कहा कि यदि प्रस्ताव दोनों सदनों में स्वीकार कर लिया गया है, तो जांच समिति का संयुक्त रूप से गठन लोकसभा अध्यक्ष और सभापति द्वारा किया जाएगा। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि न्यायाधीश जांच अधिनियम के तहत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए जांच समिति गठित करने में कोई रोक नहीं है।

'चैंपियन ऑफ द अर्थ' से सम्मानित पर्यावरणविद् डॉ. गाडगिल नहीं रहे

मुंबई, एजेंसी

● कई दिन से थे बीमार, 83 की उम्र में पुणे के अस्पताल में ली अंतिम सांस

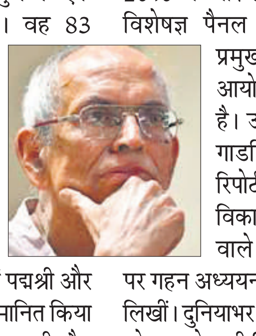

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस के तहत सेंटर फॉर इकोलॉजिकल साइंसेज की स्थापना करने वाले जाने-माने पर्यावरणविद डॉ. माधव धनंजय गाडगिल का बुधवार रात पुणे के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। वह कुछ समय से बीमार थे और अस्पताल में भर्ती थे जहां उन्होंने कल रात अंतिम सांस ली।

गाडगिल को 2024 में प्रतिष्ठित 'चैंपियन ऑफ द अर्थ' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें 1981 में पद्मश्री और 2006 में पद्मभूषण से भी सम्मानित किया गया था। उन्होंने पश्चिमी घाट की जैव विविधता पर लंबे समय तक शोध किया। वह भारत के प्रधानमंत्री की वैज्ञानिक सलाहकार परिषद के पूर्व सदस्य और 2010 के पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी विशेषज्ञ पैनल (डब्ल्यूजीईईपी) के प्रमुख थे, जिसे गाडगिल आयोग के नाम से जाना जाता है। उनकी पश्चिमी घाट पर गाडगिल आयोग के नाम से रिपोर्ट मशहूर है। गाडगिल ने विकास परियोजनाओं से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान पर गहन अध्ययन किया और कई किताबें लिखीं। दुनियाभर की पत्रिकाओं में सैकड़ों शोध आलेख भी लिखे।

दुनिया भर में जमाई अपने ज्ञान की धाक

पुणे में 24 मई, 1942 को जन्मे गाडगिल ने 1963 में पुणे विश्वविद्यालय के फर्ग्यूसन कॉलेज से जीव विज्ञान में स्नातक किया और 1965 में मुंबई विश्वविद्यालय से प्राणी विज्ञान में मास्टर डिग्री हासिल की। गाडगिल को हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में शामिल होने के लिए जाइल्स मीड ने प्रोत्साहित किया था, जो उस समय हार्वर्ड म्यूजियम ऑफ कम्पैरेटिव जूलॉजी में मछलियों के क्यूरेटर थे। गाडगिल ने विलियम बॉसरट के मार्गदर्शन में मैथमेटिकल इकोलॉजी और मछली के व्यवहार पर अपना डॉक्टरेट रिसर्च किया और 1969 में पीएचडी की डिग्री हासिल की। उन्होंने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी (1991) और यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, बर्कले (1995) में विजिटिंग प्रोफेसर के तौर पर भी काम किया। गाडगिल को 1998 में ग्लोबल एनवायरनमेंट फैसिलिटी के साइंस एंड टेक्नोलॉजी एडवाइजरी पैनल का चेयरमैन नियुक्त किया गया, जो संयुक्त राष्ट्र के तहत एक एजेंसी है और वे 2002 तक इस पद पर रहे।

प्रोफेसर को थप्पड़ मारने वाली डूसू पदाधिकारी के 'अच्छे आचरण' पर रद्द किया निलंबन

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय ने छात्र संघ की संयुक्त सचिव दीपिका झा का निलंबन रद्द कर दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से दीपिका झा के अच्छे आचरण को कारण बताते हुए बुधवार को इस संबंध में आदेश जारी किया गया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ी दीपिका झा को डॉ. बीआर आंबेडकर कॉलेज परिसर में एक प्रोफेसर को थप्पड़ मारने के लिए दो महीने के लिए पद से निलंबित कर दिया गया था। यह निलंबन कुछ शर्तों के साथ एक समिति की सिफारिशों पर 14 नवंबर, 2025 को लगाया गया था। विश्वविद्यालय ने दीपिका झा के आचरण और व्यवहार को देखते हुए एक सप्ताह पहले निलंबन समाप्त कर दिया। आदेश में कहा गया, उनका निलंबन सात जनवरी से रद्द किया जाता है।

नौकरी घोटाले में ईडी का 6 राज्यों में छापे

नई दिल्ली। ईडी ने फर्जी सरकारी नौकरी घोटाला मामले में धनशोधन की जांच के तहत गुरुवार को छह राज्यों में 15 स्थानों पर छापेमारी की।

अधिकारियों ने बताया कि संगठित गिरोह पर एजेंसी की नजर है। ईडी का पटना कार्यालय बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, गुजरात और उत्तर प्रदेश में तलाश अभियान चला रहा है। शुरू में तो इस घोटाले का पता रेलवे के नाम पर चला, लेकिन जांच में मालूम हुआ कि इसमें वन विभाग, रेलवे भर्ती बोर्ड, इंडिया पोस्ट, आयकर विभाग, कुछ उच्च न्यायालय, पीडब्ल्यूडी, बिहार सरकार, दिल्ली विकास प्राधिकरण, राजस्थान सचिवालय और अन्य समेत 40 से अधिक सरकारी संगठन और विभाग शामिल हैं।

आतिशी के वीडियो की फोरेंसिक जांच कराने का दिया आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

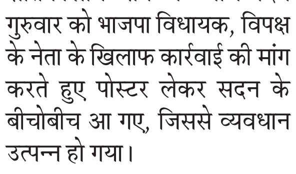

दिल्ली विधानसभा में हुआ हंगामा।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने गुरुवार को विपक्ष की नेता आतिशी के गुरु तेग बहादुर के कथित अपमान वाले वीडियो की फॉरेंसिक जांच के निर्देश दिए।

भाजपा ने आरोप लगाया कि मंगलवार को आतिशी ने गत वर्ष नवंबर में गुरु तेग बहादुर के शहादत दिवस पर हुए विशेष चर्चा के बाद उनके खिलाफ असंवेदनशील टिप्पणी की थी। गुप्ता ने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी और विपक्षी आप दोनों की मांग के बाद वीडियो को फॉरेंसिक जांच को भेजा जाएगा। उन्होंने रिपोर्ट 15 दिनों में पेश करने का आदेश दिया।

आतिशी ने आरोप को खारिज करते हुए कहा कि वह प्रदूषण पर चर्चा से भाजपा के भागने और आवारा कुत्तों के मुद्दे पर विधानसभा में उनके विरोध पर बात कर रही थीं। उन्होंने भाजपा नेताओं के साझा किए वीडियो पर कहा था कि भाजपा ने गलत उपशीर्षक जोड़ा और उसमें गुरु तेग बहादुर का नाम डाल दिया। शीतकालीन सत्र के चौथे दिन गुरुवार को भाजपा विधायक, विपक्ष के नेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए पोस्टर लेकर सदन के बीचोबीच आ गए, जिससे व्यवधान उत्पन्न हो गया।

साइबर ठगों को दिए 21,000 सिम वोडाफोन का अधिकारी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

● अंतर्राष्ट्रीय साइबर ठगों का गिरोह कर रहा था इस्तेमाल, सीबीआई जांच में खुला मामला

सीबीआई ने वोडाफोन के एक क्षेत्रीय विक्रय प्रबंधक को फर्जी तरीके से 21,000 से ज्यादा सिम कार्ड जारी करने में मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इन सिम कार्ड इस्तेमाल साइबर अपराधियों का एक गिरोह बड़े पैमाने पर साइबर ठगी में करता था।

सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि नई दिल्ली में वोडाफोन के क्षेत्रीय विक्रय प्रबंधक बिनु विद्याधरन की भूमिका पिछले साल दिसंबर में दिल्ली-एनसीआर और चंडीगढ़ से सक्रिय एक साइबर अपराधी गिरोह की जांच के दौरान सामने आई थी। यह गिरोह भारतीय नागरिकों को निशाना बनाने वाले अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराधियों को बड़ी संख्या में एसएमएस सेवाएं प्रदान कर रहा था। सीबीआई प्रवक्ता ने कहा, आरोपी ने दूरसंचार विभाग (डीओटी) के नियमों का उल्लंघन करते हुए लगभग 21,000 सिम कार्ड प्राप्त किए थे, जिनका उपयोग साइबर अपराध के सिलसिले में ठगी संदेश भेजने के लिए भेजने में किया जाता था।

इन सिम कार्डों को एक ऑनलाइन मंच से नियंत्रित किया जाता था और ऐसा करके समूह में संदेश भेजा जाता था। इन संदेशों में फर्जी ऋण, निवेश के अवसर और अन्य वित्तीय लाभों की पेशकश की जाती थी, जिसका उद्देश्य लोगों की व्यक्तिगत और बैंकिंग जानकारी चुराना था। सीबीआई के प्रवक्ता ने बताया कि दूरसंचार सेवा प्रदाता के एक चैनल पार्टनर समेत तीन लोगों को दिसंबर 2025 में गिरफ्तार किया गया था और वे वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं। जांच के दौरान यह सामने आया कि विद्याधरन फर्जी व्यक्तियों को लॉर्ड महावीर सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के कर्मचारियों के रूप में पेश करके और उनके दस्तावेजों को केवाईसी औपचारिकताओं के लिए जमा कराकर, बड़ी संख्या में फर्जी सिम कार्ड जारी करने में सक्रिय रूप से शामिल था।

गर्भावस्था जारी रखने के लिए पत्नी को मजबूर नहीं कर सकते: कोर्ट

कहा- ये अपने शरीर पर हक का उल्लंघन, मानसिक आघात बढ़ाने वाला

नयी दिल्ली, एजेंसी

● 14 हफ्ते के गर्भ को गिराने पर पति के दर्ज कराए मामले में महिला को किया बरी

14 हफ्ते के गर्भ को गिराने पर पति के दर्ज कराये मामले में महिला को बरी करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि किसी महिला को उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था जारी रखने को मजबूर करना उसके अपने शरीर पर हक का उल्लंघन और मानसिक आघात बढ़ाने वाला कदम है। महिला अपने पति से अलग रह रही है।

वैवाहिक कलह की स्थिति में गर्भपात कराने के महिला के स्वायत्त अधिकार पर जोर देते हुए, न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने कहा कि इस मामले यह नहीं कहा जा सकता कि याचिकाकर्ता पत्नी ने भादंसं की धारा 312 (गर्भपात कराना) के तहत अपराध किया है। न्यायाधीश ने कहा कि चयन की स्वतंत्रता व्यक्तिगत स्वायत्तता का पहलू है और प्रजनन पर नियंत्रण सभी महिलाओं की बुनियादी आवश्यकता और अधिकार है।

हाईकोर्ट ने कहा कि चिकित्सा गर्भपात अधिनियम के तहत गर्भवती महिला के लिए गर्भपात वास्ते पति की अनुमति लेना जरूरी नहीं है तथा इस कानून के मूल में महिला के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को होने वाली गंभीर क्षति के प्रति सरोकार है। हाईकोर्ट ने छह जनवरी को अपने फैसले में कहा कि यदि कोई महिला गर्भावस्था जारी नहीं रखना चाहती है, तो उसे ऐसा करने के लिए मजबूर करना अपने शरीर पर उसके अपने हक का उल्लंघन है और यह उसके मानसिक आघात को बढ़ाता है, जो उसके मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होगा। याचिकाकर्ता महिला ने सत्र अदालत के उस आदेश हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें उसे भादंसं की धारा 312 के तहत मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष पेशी के लिए तलब किये जाने पर मुहर लगाई गई थी।

उसने तर्क दिया कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रजनन स्वायत्तता की उसे जो गारंटी दी गई है उसे अपराध की श्रेणी में डाल दिया गया है तथा निजता, शरीर पर खुद का अधिकार और निर्णय लेने की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार के उसके वैध इस्तेमाल की अनदेखी की गई है। पति ने तर्क दिया कि चूंकि गर्भपात की तारीख पर दंपति साथ रह रहे थे और उनके बीच कोई कलह नहीं थी, इसलिए एमटीपी अधिनियम के प्रावधान लागू नहीं होंगे। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस तर्क को खारिज कर दिया और कहा कि वैवाहिक कलह को इस तरह से परिभाषित नहीं किया जा सकता कि यह केवल पक्षों के अलग होने और मुकदमेबाजी में जाने के बाद ही मौजूद हो। उसने कहा कि इस मामले में ओपीडी संबंधी कागजात में महिला ने जो कारण बताया है, वह दर्शाता है कि वह पहले से ही शादी के दबाव से गुजर रही थी और उसने पति से अलग होने का निर्णय ले लिया था।

मूल्यांकन

एडीआर ने 2014 से 2024 के बीच दोबारा चुने गए 102 सांसदों के बारे में जारी की रिपोर्ट

दस साल में दो से पांच गुना तक बढ़ गई सांसदों की संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक 2014 और 2024 के बीच लोकसभा के लिए दोबारा चुने गए 102 सांसदों की संपत्ति में औसतन 100 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। किसी सांसद की संपत्ति दोगुना तो किसी की पांच गुना तक बढ़ी है।

जिन दस सांसदों की संपत्ति में सबसे ज़्यादा बढ़ोतरी हुई है, उनमें भाजपा के उदयनराजे भोंसले, पूनमबेन मादम, हेमा मालिनी और निशिकांत दुबे, वाईएसआरसीपी के पीवी मिधुन रेड्डी, शिरोमणि अकाली दल की हरसिमरत कौर बादल, तृणमूल कांग्रेस के शत्रुघ्न सिन्हा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की सुप्रिया सुले शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2014 से 2024 के लोकसभा चुनावों के बीच दोबारा निर्वाचित हुए 102 सांसदों की संपत्ति में औसतन 17.36 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जो लगभग 110 प्रतिशत की वृद्धि है।

भोंसले की संपत्ति में 268 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वह 2014 और 2019 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से सांसद थे और 2024 में महाराष्ट्र के सतारा से भाजपा के उम्मीदवार के तौर पर चुने गए। साल 2014 में उनके पास 60 करोड़ रुपये की संपत्ति थी जो 2019 में बढ़कर 199 करोड़ रुपये हो गई और 2024 में बढ़कर 223 करोड़ रुपये हो गई। यानी कुल 160 करोड़ रुपये से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई। गुजरात के जामनगर से भाजपा सांसद पूनमबेन मादम की संपत्ति में 130 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और 2024 में उनकी संपत्ति 147 करोड़ रुपये हो गई जो 2014 से 747 प्रतिशत ज़्यादा है, जब उन्होंने 17 करोड़ रुपये की संपत्ति की घोषणा की थी।

राजमपेट सीट से वाईएसआरसीपी के पी वी मिधुन रेड्डी की संपत्ति 2014 में 22.59 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 124.25 करोड़ रुपये हो गई है, जबकि अभिनेत्री सांसद हेमा मालिनी की संपत्ति 2014 में 178 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 100 करोड़ रुपये से ज्यादा वृद्धि के साथ 278 करोड़ रुपये हो गई है। गुरुग्राम से भाजपा के सांसद राव इंद्रजीत सिंह की संपत्ति 2014 में 25 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 96 करोड़ रुपये वृद्धि के साथ 121 करोड़ रुपये हो गई जो 385 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। शत्रुघ्न सिन्हा की संपत्ति में 78 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई जो 2014 में 131 करोड़ रुपये थी और 2024 में बढ़कर 210 करोड़ रुपये हो गई।

हरसिमरत कौर बादल की संपत्ति 2014 में 108 करोड़ रुपये से बढ़कर 2019 में 217 करोड़ रुपये हो गई और 2024 में थोड़ी कम होकर 198 करोड़ रुपये हो गई, जिसमें कुल 90 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। इस बीच, गोड्डा से सांसद निशिकांत दुबे की संपत्ति 2014 में 15 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 74 करोड़ रुपये हो गई, जबकि बारामती सांसद सुप्रिया सुले की संपत्ति 113 करोड़ रुपये से बढ़कर 166 करोड़ रुपये हो गई।

अमृत विचार

शुक्रवार, 9 जनवरी 2026

आगे बढ़ने का रहस्य शुरुआत करना है।
मार्क ट्वेन, अमेरिकी लेखक

श्वान संकट का समाधान

श्वान और इंसान का संबंध हजारों वर्षों पुराना है। सुरक्षा, सहचर्य, प्रेम और वफादारी का यह रिश्ता आज एक विद्रूप सामाजिक संकट बनकर अदालत के कठघरे तक पहुंच गया है। सवाल यह है कि इस स्थिति का दोषी कौन है- आम आदमी, व्यवस्था या कुत्ता? तो जवाब होगा कि वह सभी जिसने इस संकट को यहां तक आने दिया। कुत्ता स्वभाव से आक्रामक नहीं होता; उसे ऐसा बनाता है अव्यवस्थित शहरीकरण, लापरवाह पालतू-पालन, कमजोर नगर प्रशासन और नीति-क्रियान्वयन की लगातार विफलता। सुप्रीम कोर्ट की चिंता पूरी तरह जायज है। पालक के नियंत्रण से बाहर कुत्ते केवल रेबीज का खतरा ही नहीं बढ़ा रहे, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं, बच्चों-बुजुर्गों पर हमलों, स्थायी अपंगता और मौत का कारण भी बन रहे हैंस लेकिन करोड़ों आवारा कुत्तों की समस्या का समाधान न तो क्रूर हो सकता है, न ही भावुक, इसके लिए वैज्ञानिक, मानवीय और दीर्घकालिक नीति चाहिए।

उत्तर प्रदेश ने आवारा कुत्तों को माइक्रोचिप लगाने, दोबारा काटने पर आजीवन शेल्टर में भेजने जैसे कई नियम बनाए, लेकिन डॉग-बाइट और रेबीज से होने वाली मौतें अभी भी बहुत हैं। यूपी की पहल ठीक है, लेकिन अधिकांश राज्यों की गंभीरता सवालों के घेरे में है। नवंबर में जब सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को तलब किया, तो कोई उपस्थित नहीं हुआ। हलफनामा मांगा गया- मात्र 10 राज्यों ने दिया। मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, पंजाब जैसे बड़े राज्यों की चुप्पी प्रशासनिक उदासीनता को ही दर्शाती है। केंद्र और राज्यों ने पिछले दो दशकों में एनीमल बर्थ कंट्रोल और एंटी-रेबीज कार्यक्रमों के नियम तो बनाए, पर क्रियान्वयन बेहद कमजोर रहा। देशभर में महज 66 एबीसी केंद्र प्रभावी ढंग से काम कर रहे हैं, जबकि कुत्तों की आबादी बेकाबू है। 2024 के आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र और तमिलनाडु में पांच-पांच लाख, गुजरात और कर्नाटक में लगभग चार-चार लाख लोगों को कुत्तों ने काटा। इसके बावजूद इसके लिए बजट, प्रशिक्षित मानव संसाधन और बुनियादी ढांचे का उचित प्रबंध नहीं हुआ। संस्थानों को 'कुत्ता-मुक्त' रखने के लिए फेंसिंग का आदेश व्यावहारिक नहीं। रेलवे स्टेशन बहु-दिशात्मक खुले परिसर हैं, तो 16 लाख से अधिक शैक्षणिक संस्थानों में से अनेक के पास बिजली-पानी तक का बजट नहीं— वे बाड़बंदी कैसे करें? कुत्तों को शेल्टर होम में रखना भी अव्यावहारिक है। अनुमानित एक लाख शेल्टर होम पर लगभग 30,000 करोड़ की पूंजी, चिकित्सा-खानपान पर सालाना भारी खर्च और बीमारियों का जोखिम। सीएसवीआर मॉडल यानी पकड़ो, नसबंदी करो, वैक्सीन लगाओ और जहां से लाए वहीं छोड़ो— वैज्ञानिक रूप उचित लगता है, बशर्ते इसे बड़े पैमाने, पर्याप्त बजट, सटीक डेटा और कड़ी निगरानी के साथ लागू किया जाए। इसके साथ पालतू कुत्तों के अनिवार्य पंजीकरण, लापरवाही पर जुर्माना, उचित कचरा निस्तारण और समुदाय-स्तरीय जागरूकता अनिवार्य है।

दुनिया के कई देशों— जैसे जापान, नीदरलैंड्स और सिंगापुर ने कड़े पंजीकरण, व्यापक नसबंदी, जिम्मेदार पालतू-पालन और सख्त नगर प्रबंधन से इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया है। भारत, जहां रेबीज से सबसे अधिक मौतें होती हैं, इन अनुभवों से सीख लेनी होगी।

प्रसंगवश

2030 तक रैबीज खत्म करने का लक्ष्य

भारत में रेबीज वायरस एक गंभीर स्वास्थ्य संकट बना हुआ है। हर साल लाखों एनिमल बाइट्स (ज्यादातर कुत्तों के काटने) के मामले दर्ज होते हैं और इससे हजारों मौतें होने का अनुमान है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण के अनुमानित आंकड़ों के अनुसार, साल 2025 में लगभग 5,700 मौतें रेबीज के कारण हुईं, लेकिन पिछले दशकों की तुलना में यह संख्या कम रही है, जो सकारात्मक बदलाव का संकेत देता है।

भारत में रेबीज मुख्य रूप से आवारा कुत्तों के काटने या खरोंचने से फैलती है। वायरस संक्रमित जानवर की लार या थूक के माध्यम से मनुष्य में प्रवेश करता है। भारत में रेबीज के अधिकांश मामले कुत्तों से ही जुड़े होते हैं, हालांकि रेबीज वायरस कुत्ते के अलावा बिल्ली, बंदर और अन्य जानवरों से भी फैल सकता है। जागरूकता की कमी ने भारत में आवारा कुत्तों के प्रति नफरत और डर को काफी बढ़ा दिया है, खासकर 2025-2026 के दौरान जब कुत्तों के काटने के मामले और रेबीज से मौतों की खबरें तेजी से फैलीं। सभी आवारा कुत्ते भी रेबीज से संक्रमित नहीं होते। ज्यादातर काटने की घटना भूख, डर, या क्षेत्र की रक्षा के कारण होते हैं। देश में कुत्तों की छह करोड़ से अधिक संख्या, अपर्याप्त नसबंदी एवं टीकाकरण साथ ही नियमित भोजन न मिलने से भी आक्रामकता बढ़ती है।

अंबिका अंबी
लेखिका

रेबीज वायरस किसी भी कुत्ते के शरीर में जन्मजात पैदा नहीं होता या मां से बच्चे में जन्म से नहीं मिलता। रेबीज एक संक्रामक वायरस है, जो संक्रमित जानवर से दूसरे में फैलता है। प्रकृति में रेबीज वायरस का सबसे पुराना और मूल रिजर्वायर चमगादड़ हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, लगभग सभी लिसावायरस चमगादड़ों से शुरू हुए और समय के साथ यह वायरस अन्य जानवरों में फैला। भारत में आवारा कुत्ते ही सबसे बड़ा स्रोत हैं। ज्यादातर कुत्ते दूसरे संक्रमित कुत्तों के काटने से रेबीज ग्रस्त होते हैं और फिर वे और कुत्तों या मनुष्यों को संक्रमित करते हैं। वायरस कुत्तों के केंद्रीय तंत्रिका तंत्र (मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी) को प्रभावित करती है।

इंसानों में भी वायरस संक्रमण मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र पर हमला करता है। यह मुख्य रूप से संक्रमित जानवर कुत्ते या बिल्ली के काटने, खरोंचने या लार के संपर्क से फैलता है। लक्षण दिखने के बाद यह लगभग शत्-प्रतिशत जानलेवा होता है, लेकिन संपर्क के तुरंत बाद घाव की सफाई, एंटी-रेबीज वैक्सीन और पोस्ट-एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस से इसे पूरी तरह रोका जा सकता है।

रेबीज वायरस को रोकने के लिए जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण हथियार है, यदि समय पर सही कदम उठाए जाए तो वायरस को पूरी तरह खत्म किया जा सकता है। आवारा कुत्तों में अधिक से अधिक टीकाकरण कवरेज से रेबीज का चेन टूट सकता है। भारत में पशु जन्म नियंत्रण अधिनियम 2023 के तहत कैप्चर-स्टेरिलाइज़- वैक्सिनेट- रिलीज़ मॉडल अपनाया जा रहा है। पेट डॉग्स (पालतू कुत्ते) को सालाना रेबीज वैक्सीन और रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होना चाहिए। नगर निगम वैक्सीन लगाने की सरकारी नीतियों का पालन अनिवार्यता से करे। चूंकि भारत में रेबीज का मुख्य स्रोत आवारा कुत्ते हैं और पिछले कुछ वर्षों में सरकार, विश्व स्वास्थ्य संगठन और विभिन्न संगठनों द्वारा बड़े पैमाने पर प्रयास किए जा रहे हैं। 2030 तक भारत को डॉग-मीडिएटेड ह्यूमन रेबीज से मुक्त करने का लक्ष्य है। अपवाहों और मिथकों से डरने के बजाय, उन्हें समझकर और जिम्मेदारी से संभालकर हम रेबीज को खत्म कर सकते हैं।

क्या धरती को निगल सकता है ब्लैक होल!

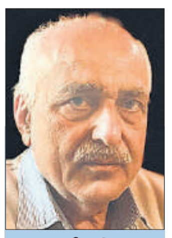

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

ब्लैक होल्स की जबरदस्त ताकत देखकर एक अहसास का जन्म होता है कि भविष्य में पृथ्वी या हमारा सौर मंडल क्या कभी एक ब्लैक होल द्वारा निगला जा सकता है? ऐसा न हो इसके लिए हमें एक ब्लैक होल से कितना दूर होना चाहिए?

ब्लैक होल्स की जबरदस्त ताकत को देखकर पृथ्वी वासियों में एक अहसास का जन्म होता है कि भविष्य में पृथ्वी या हमारा सौर मंडल क्या कभी एक ब्लैक होल द्वारा निगला जा सकता है? ऐसा न हो इसके लिए हमें एक ब्लैक होल से कितना दूर होना चाहिए? क्या एक ब्लैक होल हमारे सौर मंडल में प्रवेश कर सकता है? ब्लैक होल तब बनता है, जब हमारे सूर्य के द्रव्यमान से कहीं अधिक द्रव्यमान वाले तारे का सारा हाइड्रोजन ईंधन खत्म हो जाए और अत्यधिक गुरुत्व बल उत्पन्न होने से वह एक ब्लैक होल बन जाए। चूंकि सूर्य का द्रव्यमान उस तारे की अपेक्षा 20 गुणा छोटा है, जो एक ब्लैक होल बन सकता है, इसलिए इसके एक ब्लैक होल बनकर धरती को निगलने की संभावना न्यूनतम है।

सूरज लगभग पांच अरब साल बाद अपना हाइड्रोजन फ्यूल खत्म कर देगा और एक रेड जायंट बन जाएगा और शायद बुध और शुक्र को निगल लेगा। रेड जायंट फेज लगभग 10 करोड़ साल तक चलेगा, जिसके बाद सूरज अपनी बाहरी परतें हटा देगा और एक व्हाइट ड्वार्फ बन जाएगा। फिर भी एक विशाल ब्लैक होल से पृथ्वी के लिए न्यूनतम सुरक्षित दूरी घटना क्षितिज अर्थात इवेंट होराइजन से लगभग 70 लाख किलोमीटर होनी चाहिए। इससे कम दूरी होने पर चुंबकीय-ज्वारीय बल मानव शरीर के लिए खतरा पैदा करने के लिए पर्याप्त शक्तिशाली हो जाते हैं। एक ब्लैक होल की ताकत का प्रभाव बहुत होता है। इससे बचने के लिए एक वस्तु को इससे दूरी बनाए रखने के लिए पलायन वेग या एस्केप विलोसिटी प्रकाश की गति के बराबर तो होनी ही चाहिए।

निकटतम ब्लैक होल गेया-1 हमसे 1560 प्रकाश वर्ष और गेया-2 पृथ्वी से 3800 प्रकाश वर्ष दूर स्थित हैं। वे हमारे दरवाजे पर नहीं खड़े हैं। अंतरिक्ष में पिंडों के वजूद में आने की प्रक्रिया के समय एक दूसरे से सुरक्षित दूरी बना कर रखने का गुण गति, गुरुत्व बल और चुंबकत्व जैसी खगोलीय शक्तियों से तय हुआ होगा। ब्लैक होल के बॉर्डर एरिया को अस्थिर माना जाता है। इस ज़ोन में फ्लेयर्स, जेट्स और विकिरण के उफान का खतरा रहता है। इन डायनामिक घटनाओं का अनुमान लगाना मुश्किल है, क्योंकि टेढ़े-मेढ़े अथवा कर्व्ड स्पेस और ब्लैक होल के आस-पास की अंतरिक्ष भौतिकी के बारे में सटीक गणितीय ब्योरा जुटाना चुनौती है।

मसलन, एक सुपरमैसिव ब्लैक होल के मामले में, इवेंट होराइजन एक ऐसी सीमा है, जिसके इस पार की घटनाएं दूसरी ओर मौजूद ऑब्ज़र्वर को प्रभावित नहीं कर सकतीं। यह वह पॉइंट है, जहां ब्लैक होल का ग्रेविटेशनल असर इतना मज़बूत होता है कि रोशनी भी उससे बच नहीं सकती। यह सीमा कोई फिजिकल सतह नहीं है, बल्कि एक मैथमेटिकल निशान है, जो उस पॉइंट को मार्क करता है, जहां से वापस नहीं आया जा सकता। एक बार जब कोई चीज़ इवेंट होराइजन को पार करके ब्लैक होल की तरफ खिंचती चली जाती है, तो वह हर हाल में ब्लैक होल के सेंटर की ओर जाती है। होराइजन के अंदर पैदा होने वाला कोई भी रेडिएशन कभी भी उससे बाहर नहीं निकल सकता। इवेंट होराइजन शांत, अदृश्य और बेरहम होता है। पकड़ में आने के बाद वस्तु का इससे बचना नामुमकिन है। ब्लैक होल का इवेंट होराइजन स्पेसटाइम की ज्योमेट्री में एक ऐसे पॉइंट को परिभाषित करता है, जहां एस्केप वेलोसिटी प्रकाश की गति के बराबर होती है।

अमरीका में फ्लैटिरॉन इंस्टीट्यूट की एक रिसर्च टीम द्वारा प्रस्तुत एक नई मॉडलिंग स्टडी सामने आई है, जिसमें अब तक के सबसे डिटेल्ड सिमुलेशन करके, अर्थात ब्लैक होल के निकट की असल स्थितियों के डाटा को सुपरकंप्यूटर में फीड करके देखा गया कि एकल तारे से बने ब्लैक होल अलग-अलग रेट पर मैटर को कैसे निगलते और उगलते हैं। ब्लैक होल को कल्पना में काले भंवर जैसा दिखाया जाता है, लेकिन उसके पार क्या हो रहा है, कैसे हो रहा है और क्यों होता है, इसके बारे में सिर्फ कच्चे अनुमान ही मौजूद हैं।

खास बात यह है कि फ्लैटिरॉन इंस्टीट्यूट की स्टडी पहले के मॉडल्स में इस्तेमाल किए गए सिंपलिफिकेशन पर निर्भर नहीं थी। पहले के प्रयासों के अंतर्गत की जाने वाली कैलकुलेशन से निष्कर्षों को मुमकिन बनाने के लिए शॉर्टकट्स की ज़रूरत होती थी, लेकिन इस नवीनतम सिमुलेशन के लिए बहुत ज़्यादा कॉम्प्लेक्स डेटा को आधार बनाया गया। ब्लैक होल एक्रीशन फ्लो के सर्वे ऑब्ज़र्वेशन को उनके स्पिन और मैग्नेटिक फील्ड के मेज़र के साथ मिलाकर, दो पावरफुल सुपरकंप्यूटर का इस्तेमाल करके, टीम ने जो नया मॉडल पेश किया, उससे सूर्य से थोड़े बड़े द्रव्यमान वाले तारे से बने हुए ब्लैक होल के चारों ओर गैस, लाइट और मैग्नेटिज़्म की मूवमेंट के बारे में पता चला है।

मैग्नेटिक फील्ड में मेजर से अर्थ है, मैग्नेटिक फील्ड की प्रॉपर्टीज़, इलेक्ट्रिक करंट के साथ इनका इंटरेक्शन और अलग-अलग फील्ड में इनके एप्लीकेशन्स आदि। ब्लैक होल एक्रीशन फ्लो वह प्रोसेस है, जिससे गैस, धूल और दूसरे तरह के पदार्थ जो ब्लैक होल के बहुत ज़्यादा ग्रेविटेशनल खिंचाव से उसकी तरफ खिंचे चले जाते हैं। इस प्रोसेस से एक्रीशन डिस्क बनती है और अंदर आने वाली धारा भी।

इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम में देखी जाने वाली हाई-एनर्जी उत्सर्जन पैदा करने के लिए यह बहुत ज़रूरी स्टेप्स हैं। जिस एफिशिएंसी से गर्म गैस अपनी थर्मल एनर्जी रेडिएट करती हैं, वह एक्रीशन फ्लो की ज्योमेट्री और डायनामिक्स पर बहुत ज़्यादा असर डालती है, जिससे रेडिएटिव रूप से एफिशिएंट पतली डिस्क और रेडिएटिव रूप से इनएफिशिएंट मोटी डिस्क, दोनों देखी जाती हैं। एक्रीशन प्रोसेस ब्लैक होल फिजिक्स का एक बेसिक पहलू है और गैलेक्टिक इवोल्यूशन और फीडबैक मैकेनिज्म में अहम भूमिका निभाता है।

आमने

कांग्रेस की गलत मंशा के चलते मनरेगा के तहत किए गए अधिकांश कार्य गांवों की समग्र विकास योजनाओं से नहीं जुड़ पाए। नए वीबी-जी-राम जी कानून में इन सभी कमियों को दूर किया गया है। अब सालाना रोजगार की कानूनी गारंटी 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है।

-भजनलाल शर्मा
मुख्यमंत्री, राजस्थान

सामने

'वीबी-जी-राम जी' योजना ग्रामीण लोकतंत्र और मनरेगा के खिलाफ है। जिस पंचायती राज व्यवस्था से मुख्यमंत्री ने अपनी राजनीतिक पहचान बनाई, आज उसी को कमजोर करने के लिए वे केंद्र सरकार के ब्रांड एंबेसडर बने हुए हैं। योजना को नई व्यवस्था से खत्म करने की कोशिश की जा रही है।

-टीकाराम जूली
नेता प्रतिपक्ष, राजस्थान

दूसरे देशों में जबरन घुसपैठ अमेरिकी फितरत

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर

1945 के बाद अमेरिका द्वारा उठाया गया लगभग हर बड़ा सैन्य कदम किसी न किसी रणनीतिक, आर्थिक या शक्ति-संतुलन से जुड़े उद्देश्य से प्रेरित रहा है।

अमेरिकी हितों, प्राथमिकताओं और स्वार्थों को समझे बिना न तो इतिहास की सही व्याख्या संभव है और न ही वर्तमान वैश्विक राजनीति की। वस्तुतः, 1945 के बाद अमेरिका द्वारा उठाया गया लगभग हर बड़ा सैन्य कदम किसी न किसी रणनीतिक, आर्थिक, वैचारिक या शक्ति-संतुलन से जुड़े उद्देश्य से प्रेरित रहा है। इन उद्देश्यों को सामने लाने से ही यह स्पष्ट होता है कि अमेरिकी विदेश नीति आदर्शों से अधिक हितों द्वारा संचालित रही है।

1940 के दशक के उत्तरार्द्ध में चीन और ग्रीस में अमेरिकी हस्तक्षेप इसी सोच की उपज थे। चीन के गृहयुद्ध में अमेरिका की चिंता लोकतंत्र की रक्षा नहीं, बल्कि यह थी कि कहीं एशिया का एक विशाल भूभाग सोवियत प्रभाव क्षेत्र में न चला जाए। ग्रीस में भी अमेरिकी सहायता का लक्ष्य किसी आंतरिक राजनीतिक समाधान को प्रोत्साहित करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना था कि भूमध्यसागर क्षेत्र में साम्यवादी प्रभाव न फैले। यहीं से यह मानसिकता विकसित हुई, जिसे बाद में 'डोमिनो थ्योरी' कहा गया। यह आशंका कि यदि एक देश हाथ से निकल गया तो पूरा क्षेत्र क्रमशः अमेरिका के प्रभाव से बाहर हो जाएगा।

1950 का दशक इस नीति का औपचारिक विस्तार था। कोरियाई युद्ध में अमेरिका का हित केवल दक्षिण कोरिया की सुरक्षा तक सीमित नहीं था। एशिया में अपनी सैन्य विश्वसनीयता स्थापित करना और यह संदेश देना कि अमेरिका अपने सहयोगियों की रक्षा के लिए युद्ध करने को तैयार है, इस हस्तक्षेप का केंद्रीय उद्देश्य था। इसी दशक में ईरान और ग्वाटेमाला में हुए तख्तापलट अमेरिकी हितों की और भी स्पष्ट तस्वीर पेश करते हैं।

1960 का दशक आते-आते अमेरिकी हस्तक्षेप और अधिक आक्रामक हो गए। क्यूबा में बे ऑफ पिग्स का असफल अभियान इस बात का प्रमाण था कि अमेरिका अपने प्रभाव क्षेत्र में किसी समाजवादी सरकार के अस्तित्व को स्वीकार करने को तैयार नहीं था। इसके बाद वियतनाम, लाओस और कंबोडिया में हुआ हस्तक्षेप केवल युद्ध नहीं था, बल्कि एक पूरे क्षेत्र को वैचारिक प्रतिस्पर्धा का मैदान बना देना था। उद्देश्य स्पष्ट था- दक्षिण-पूर्व एशिया को सोवियत और चीनी प्रभाव से बचाना, चाहे इसकी कीमत तमाम नागरिकों की जान ही क्यों न हो। डोमिनिकन रिपब्लिक में प्रत्यक्ष आक्रमण और कंबोडिया में व्यापक बमबारी इस भय से प्रेरित थीं कि कहीं क्षेत्रीय सत्ता-संतुलन अमेरिका के नियंत्रण से बाहर न चला जाए। इन हस्तक्षेपों ने यह दिखा दिया कि अमेरिका के लिए क्षेत्रीय प्रभुत्व, मानवीय लागत से कहीं अधिक महत्वपूर्ण था।

1970 के दशक में अमेरिकी स्वार्थों का स्वरूप कुछ बदला, लेकिन मूल तर्क वही रहा। चिली में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार का पतन इस कारण हुआ कि वह अमेरिकी आर्थिक और वैचारिक ढांचे को चुनौती दे रही थी। अंगोला में प्रत्यक्ष युद्ध के बजाय प्रॉक्सी हस्तक्षेप अपनाया गया, ताकि अफ्रीका में सोवियत प्रभाव को सीमित किया जा सके, बिना अमेरिकी सैनिकों की प्रत्यक्ष भागीदारी के। अमेरिका ने यह सीख ली थी कि परोक्ष हस्तक्षेप न केवल सस्ता पड़ता है, बल्कि घरेलू राजनीतिक असहमति भी कम पैदा करता है।

1980 का दशक मध्य अमेरिका और पश्चिम एशिया में अमेरिकी रणनीतिक हितों का दशक था। एल साल्वाडोर और निकारागुआ में हस्तक्षेप 'कम्युनिज़्म विरोध' के नाम पर किया गया, लेकिन इसके पीछे पनामा नहर जैसे महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक हितों की सुरक्षा और क्षेत्र में अमेरिकी प्रभाव बनाए रखना प्रमुख कारण थे। लेबनान, ग्रेनेडा और पनामा में सैन्य कार्रवाइयों का उद्देश्य यह संदेश देना था कि अमेरिका अपने निकट और रणनीतिक क्षेत्रों में किसी भी चुनौती को स्वीकार नहीं करेगा। लीबिया पर हवाई हमले भी केवल तत्काल प्रतिक्रिया नहीं थे, बल्कि पश्चिम एशिया में अमेरिकी दबदबे का प्रदर्शन थे।

शीतयुद्ध समाप्त होने के बाद यह उम्मीद की गई थी कि अमेरिकी हस्तक्षेपों का दौर समाप्त होगा, लेकिन 1990 का दशक इस भ्रम को तोड़ता है। खाड़ी युद्ध में ईराक के खिलाफ कार्रवाई का केंद्रीय कारण था— तेल आपूर्ति की सुरक्षा और खाड़ी क्षेत्र में शक्ति-संतुलन को अपने पक्ष में बनाए रखना। सोमालिया, बोस्निया और कोसोवो में किए गए हस्तक्षेपों को मानवीय कहा गया, लेकिन इनके पीछे नाटो की प्रासंगिकता बनाए रखना और यूरोप में अमेरिकी नेतृत्व को मजबूत करना भी उतना ही महत्वपूर्ण था।

इक्कीसवीं सदी में आतंकवाद अमेरिकी हस्तक्षेपों का प्रमुख औचित्य बन गया। अफगानिस्तान में युद्ध का उद्देश्य केवल अल-कायदा को खत्म करना नहीं था, बल्कि मध्य एशिया में दीर्घकालिक सैन्य उपस्थिति स्थापित करना और क्षेत्रीय भू-राजनीति को प्रभावित करना भी था। 2003 में ईराक पर किया गया आक्रमण कथित विनाशकारी हथियारों के नाम पर हुआ, लेकिन इसके पीछे पश्चिम एशिया में सत्ता-संतुलन को अपने पक्ष में मोड़ने और ऊर्जा संसाधनों पर प्रभाव बनाए रखने की इच्छा भी स्पष्ट थी।

सोशल फोरम

गोवा में भारतीय कार्रवाई पर खामोश रहा था नाटो

आज जब अमरीका ग्रीनलैंड पर कब्जा करना चाहता है, जो एक नाटो सदस्य देश का अंग है, तो ऐसी एक घटना पर ध्यान देना चाहिए जो भारत से जुड़ी है

प्रवीण झा
लेखक

1961 में जब भारत ने गोवा, दमन और दीव पर सैन्य कार्रवाई कर, उन्हें पुर्तगाली शासन से मुक्त कराया, उस समय पुर्तगाल नाटो (NATO) का सदस्य था। इसके बावजूद नाटो ने भारत के विरुद्ध कोई सामूहिक सैन्य कार्रवाई नहीं की। यह तथ्य अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की जटिलताओं और नाटो की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता है।

सबसे पहला कारण यह था कि नाटो एक सामूहिक रक्षा संगठन है, आक्रामक युद्धों में हस्तक्षेप करने वाला वैश्विक पुलिस बल नहीं। नाटो की संधि का अनुच्छेद-5 तभी लागू होता है, जब किसी सदस्य देश पर उसके अपने क्षेत्र में सशस्त्र हमला हो। गोवा उस समय यूरोप में स्थित पुर्तगाल का हिस्सा नहीं था, बल्कि एक उपनिवेश था। कई नाटो देशों की नजर में उपनिवेशों की रक्षा को अनुच्छेद 5 के अंतर्गत लाना कानूनी रूप से स्पष्ट नहीं था।

दूसरा महत्वपूर्ण कारण था, औपनिवेशिक व्यवस्था का पतन। 1960 के दशक तक विश्व समुदाय में उपनिवेशवाद के विरुद्ध माहौल बन चुका था। भारत की कार्रवाई को कई देशों ने औपनिवेशिक शासन के अंत के रूप में देखा, न कि एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण के रूप में। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे नाटो के प्रभावशाली सदस्य भारत को शीत युद्ध के संदर्भ में पूरी तरह विरोधी खेमे में धकेलना नहीं चाहते थे।

तीसरा कारण था रणनीतिक यथार्थवाद। भारत एक बड़ा, स्थिर और क्षेत्रीय रूप से महत्वपूर्ण देश था। गोवा के लिए भारत से युद्ध करना न तो व्यावहारिक था और न ही नाटो के दीर्घकालिक हितों में।

इस प्रकार, कानूनी सीमाओं, बदलते वैश्विक नैतिक दृष्टिकोण और रणनीतिक हितों के कारण नाटो ने पुर्तगाल का साथ देकर युद्ध में उतरने से परहेज़ किया। यह घटना दिखाती है कि अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन भी हमेशा अपने घोषित सिद्धांतों से नहीं, बल्कि परिस्थितियों और हितों से संचालित होते हैं।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

महिला सशक्तिकरण की राह खोलेगी पीरियड लीव

हाल ही में कर्नाटक ने महिला कर्मचारियों को पीरियड लीव देने का फैसला किया है। इसके बाद एक बार फिर इस विषय पर बहस छिड़ गई है कि महिलाओं को पीरियड लीव मिलनी चाहिए या नहीं? असल में आधुनिक भारत में जहां महिलाएं अंतरिक्ष से लेकर सीमा सुरक्षा तक हर मोर्चे पर नेतृत्व कर रही हैं, लेकिन वे अपने 'उन दिनों' की परेशानी को लेकर मौन हैं। उनकी एक जैविक प्रक्रिया होती है मासिक धर्म। इसे लेकर आज भी देश और प्रदेश में महिला कर्मचारी कार्यस्थलों पर मौन रहती हैं और अपने इस मौन के कारण पीड़ा को झेलती रहती हैं।

भले ही भारत के केंदीय कानून में इसे जगह नहीं मिल पाई है, लेकिन हाल के वर्षों में महिला सरकारी कर्मचारियों के लिए पीरियड लीव की मांग जोर पकड़ गई है। इस पर बहस भी प्रारंभ हो गई है कि यह अवकाश महिलाओं का अधिकार है। यह केवल एक अवकाश की मांग नहीं है, बल्कि महिलाओं के स्वास्थ्य और गरिमापूर्ण कार्य परिवेश की दिशा में एक बड़ा कदम है। कर्नाटक से पहले बिहार और केरल जैसे राज्यों और कई निजी कंपनियों ने इसे लागू कर रखा है।

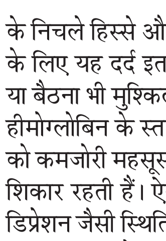

डॉ. मोनिका शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

चिकित्सकों के अनुसार, मासिक धर्म केवल रक्तस्राव की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह शरीर में होने वाले तीव्र हार्मोनल बदलावों का समय होता है। एक कामकाजी महिला को इस दौरान कई गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसमें गर्भाशय में संकुचन के कारण पेट के निचले हिस्से और पीठ में असहनीय दर्द होता है। कई महिलाओं के लिए यह दर्द इतना तीव्र होता है कि सामान्य रूप से खड़ा होना या बैठना भी मुश्किल हो जाता है। भारी रक्तस्राव के कारण शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर में अस्थायी गिरावट होती है। इससे महिलाओं को कमजोरी महसूस होती है। कई महिलाएं प्री-मेंस्ट्रुअल सिंड्रोम का शिकार रहती हैं। ऐसी महिलाओं में चिड़चिड़ापन, एंग्जायटी, और डिप्रेशन जैसी स्थिति पैदा होती है।

वहीं काम के भारी दबाव के बीच मासिक धर्म का दर्द उनकी एकाग्रता में कमी लाता है, जो उनके लिए बड़ी चुनौती बन जाती है। इसके अलावा जी मिचलाना, उल्टी, सिर दर्द और पाचन संबंधी समस्याएं भी पैदा होती हैं। सरकारी कार्यालयों में अक्सर काम का निश्चित समय होता है, इसलिए पीरियड लीव एक जरूरत है। इसके पीछे कई ठोस वजह हैं। जब एक महिला कर्मचारी शारीरिक पीड़ा में होती है, तो उसकी उत्पादकता स्वतः कम हो जाती है। एक या दो दिन का विश्राम उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से पुनर्जीवित करता है, जिससे वे बाद में अधिक ऊर्जा के साथ काम कर पाती हैं।

दरअसल कार्यस्थल को महिलाओं के अनुकूल बनाने का अर्थ है, उनकी जैविक वास्तविकताओं को स्वीकार करना। पीरियड लीव देना भेदभाव नहीं, बल्कि समान अवसर प्रदान करने का एक हिस्सा है। कई पुराने सरकारी कार्यालयों में आज भी महिलाओं के लिए स्वच्छ शौचालय और सैनिटरी पैड डिस्पोजल की उचित व्यवस्था नहीं है। ऐसी स्थिति में दर्द के साथ काम करना उनके संक्रमण के जोखिम को बढ़ा देता है। इस दौरान महिला कर्मचारी अपनी आकस्मिक छुट्टी (सीएल) या मेडिकल लीव (एमएल) का उपयोग करती हैं, जो कि काफी नहीं है।

भारत में पीरियड लीव (मासिक धर्म अवकाश) को लेकर कोई केंद्रीय कानून नहीं है, लेकिन 'पेड पीरियड लीव' और 'मुफ्त सैनिटरी उत्पाद' के लिए एक विधेयक साल 2022 में पेश किया गया था जो कानून नहीं बन सका। इस पर कर्नाटक और बिहार जैसे कुछ राज्यों और कई निजी कंपनियों ने अपनी नीतियां बनाई हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

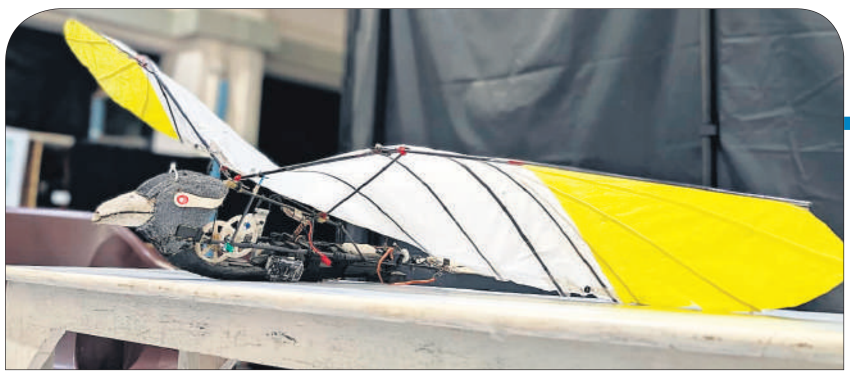

सूक्ष्म निगरानी के साथ सीक्रेट मिशन तक

बर्ड ड्रोन का सबसे बड़ा मॉडल 1.6 मीटर आकार का है, जबकि सबसे छोटा मॉडल केवल 5 इंच का है। छोटे मॉडल का इस्तेमाल माइक्रो निगरानी और सीक्रेट मिशनों में किया जा सकता है, जबकि बड़े मॉडल को लंबी रेंज के लिए डिजाइन किया गया है। बड़ा मॉडल 800 ग्राम से 1 किलो तक पेलोड उठा सकता है। छोटा मॉडल 100 से 200 ग्राम तक पेलोड उठाने में सक्षम है। स्वायत्त संचालन जीपीएस आधारित प्रणाली के साथ, ये बिना पायलट के उड़ सकते हैं।

चिड़िया-चमगादड़ जैसा ड्रोन रडार के लिए अननोन

आईआईटी कानपुर ने चिड़िया जैसे दिखने वाले और पंख फड़फड़ाकर उड़ने वाले ऑर्निथॉप्टर ड्रोन विकसित किए हैं। धातु का उपयोग काफी कम होने के कारण ये ड्रोन आसानी से दुश्मन के रडार को चकमा देने में सक्षम हैं। इन ड्रोन को एक किलोमीटर की ऊंचाई पर 400 मीटर की दूरी में लगातार उड़ाया जा सकता है। इसके संचालन के लिए न तो किसी मानवीय कंट्रोल की जरूरत होती है, न ही उड़ान के दौरान किसी लगातार मिलने वाले सिग्नल की। सिग्नल कटने पर भी यह ड्रोन अपना मिशन पूरा करके वापस लौटने की तकनीक से लैस है। इस ड्रोन को भविष्य के युद्ध के लिए नया हथियार माना जा रहा है। इस तरह के ड्रोन सेना के लिए सीमा सुरक्षा, निगरानी और अन्य मिशनों जैसे बचाव अभियान, पर्यावरणीय डेटा संग्रह के लिए क्रांतिकारी साबित हो सकते हैं।

- राजीव त्रिवेदी, कानपुर

बर्ड ड्रोन में पंखे नहीं, फिर भी पंख फड़फड़ाकर उड़ता

भारत की रक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में आईआईटी कानपुर लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में संस्थान की अनस्टेडी एयरोडायनेमिक्स लैब द्वारा प्रो. देवोपम दास, पूर्व छात्र जयदीप भौमिक और शरमन दास के नेतृत्व में एक ऐसा अनोखा ड्रोन तैयार किया गया है, जो दुश्मन को बिना पता चले उसकी निगरानी कर सकता है। इस बर्ड ड्रोन में पंखे नहीं, बल्कि पंख लगे हैं। पक्षियों या चमगादड़ों की तरह पंख फड़फड़ाकर उड़ने के कारण ये ड्रोन बहुत शांत और रडार अभेद्य हैं। सेंसर व कैमरों से लैस इन ड्रोन को खासतौर पर निगरानी के लिए डिजाइन किया गया है।

आवाज नहीं करता, एनर्जी सेव करने से उड़ता है लंबे समय तक

साधारण ड्रोन जहां चार मोटरों और प्रोपेलरों के सहारे उड़ान भरते हैं। वहीं आईआईटी कानपुर का यह ऑर्निथॉप्टर बिल्कुल अलग तरह से काम करता है। इसमें न तो प्रोपेलर लगाए गए हैं और न ही चार मोटरों की जरूरत पड़ती है। इसके पंख एक ही मोटर से उड़ सकते हैं, जो लिफ्ट और थ्रस्ट दोनों प्रोड्यूस करते हैं। इस कारण इसमें एनर्जी बहुत ज्यादा सेव होती है। सामान्य ड्रोन उड़ान के दौरान काफी आवाज करते हैं और उनकी बैटरी जल्दी खत्म हो जाती है, लेकिन बर्ड जैसा दिखने वाला ड्रोन बेहद कम आवाज के साथ लंबी दूरी तय कर सकता है। एनर्जी की बचत और वजन में हल्का होने के कारण यह करीब 1 घंटे 20 मिनट तक लगातार उड़ान भर सकता है। इसके मुकाबले सामान्य ड्रोन अधिकतम आधा घंटा तक ही उड़ पाते हैं।

सिग्नल जाम या कनेक्शन टूटने पर भी काम अंजाम देने में सक्षम

इसे उड़ाने के लिए ह्यूमन कंट्रोल की जरूरत नहीं पड़ती है। उड़ान से पहले इसका पूरा आवश्यक डेटा इसके ऑनबोर्ड सिस्टम में फीड किया जाता है। इससे अगर मिशन के बीच दुश्मन सिग्नल जाम कर दें या ग्राउंड स्टेशन से कनेक्शन टूट जाए, तो भी यह खुद रास्ता पहचानकर स्वतंत्र रूप से ऑपरेट करने में सक्षम है। मिशन पूरा होने के बाद यह अपने आप वापस बेस पर लौट आ सकता है।

सेना ने दिखाई रुचि

इस ड्रोन की क्षमता को देखते हुए भारतीय सेना की ओर से गहरी रुचि दिखाई गई है। इसके लिए पायलट प्रोजेक्ट तैयार कर लिया गया है। दुश्मन के क्षेत्र में यह एक सामान्य बर्ड जैसा दिखाई देने के कारण जासूसी, बॉर्डर पेट्रोलिंग और सेंसिटिव मिलिट्री एरिया में बेहद उपयोगी साबित हो सकता है।

दुनिया में अभी तक डच कंपनी बर्ड ड्रोन के विकास में अग्रणी

डच प्रौद्योगिकी कंपनी ड्रोन बर्ड कंपनी पक्षी के आकार के ड्रोन के विकास में विश्व में अग्रणी मानी जाती है। उसका फाल्कन ड्रोन बर्ड रिमोट कंट्रोल रोबोटिक शिकारी पक्षी जैसा है। यह दिखने और वजन में बिल्कुल असली पक्षी जैसा लगता है। ड्रोन बर्ड कंपनी का बनाया हुआ स्थिर पंखों वाले पेरेग्रीन फाल्कन का उपयोग हवाई अड्डों और तेल एवं गैस तथा ड्रेजिंग क्षेत्रों में व्यावसायिक रूप से किया जा रहा है ताकि पक्षियों की संख्या और विमानों से पक्षियों के टकराने की घटनाओं को कम किया जा सके।

चीन के ऑर्निथॉप्टर ड्रोन से बेहतर इसका ऑटोनोमस मोड

चीन पहले ही पक्षी जैसे दिखने वाले ऑर्निथॉप्टर ड्रोन बना चुका है। ये ड्रोन पक्षियों की तरह उड़ने की नकल करते हैं और सैन्य निगरानी और टोही अभियानों में इस्तेमाल किए जा सकते हैं। इसके मुकाबले आईआईटी में तैयार ड्रोन को ऑटोनोमस मोड में डिजाइन किया गया है। इसके ऑटोनोमस कंट्रोलर को जीपीएस, आईएमयू (इनर्शियल मेजरमेंट यूनिट) और एडवांस कैमरा डेटा के आधार पर बनाया गया है। इसके चलते सेना में जब कई बार जीपीएस बंद कर दिया जाता है, तब भी इसका कैमरा और सेव किया हुआ डेटा इसे सही डायरेक्शन और लोकेशन में आगे बढ़ने में मदद करेंगे। यही खासियत इसे दूसरे इस तरह के सभी ड्रोन से अलग बनाती है।

खोज

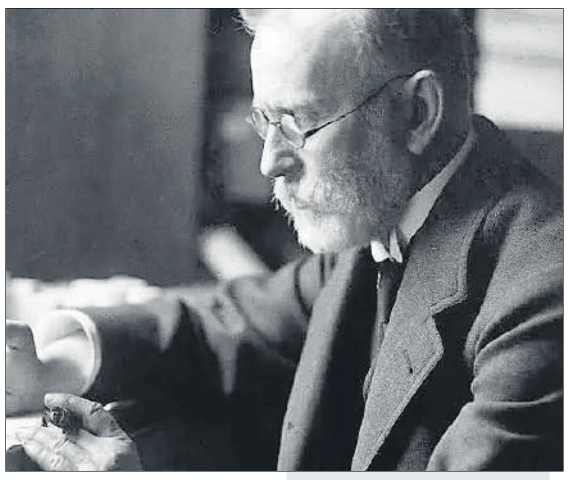

एंटीबायोटिक्स का खोज

माइक्रोबायोलॉजी सोसायटी के अनुसार, मनुष्य हजारों वर्षों से किसी न किसी रूप में एंटीबायोटिक्स का उपयोग करते आ रहे हैं। हाल के इतिहास में ही मनुष्यों को यह एहसास हुआ कि बैक्टीरिया कुछ संक्रमणों का कारण बनते हैं और अब हम आसानी से उपलब्ध उपचार प्रदान कर सकते हैं। 1909 में, जर्मन चिकित्सक पॉल एर्लिच ने देखा कि कुछ रासायनिक रंग कुछ जीवाणु कोशिकाओं को वैसे रंग नहीं देते जैसे वे अन्य को देते हैं। इसी कारण, उन्हें विश्वास हुआ कि आसपास की अन्य कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाए बिना कुछ जीवाणुओं को मारना संभव होगा। एर्लिच ने आगे चलकर सिफलिस का इलाज खोजा, जिसे वैज्ञानिक समुदाय में कई लोग पहला एंटीबायोटिक मानते हैं। हालांकि एर्लिच ने अपनी खोज को कीमोथेरेपी कहा, क्योंकि इसमें एक बीमारी के इलाज के लिए रसायनों का उपयोग किया गया था। अपनी खोजों के लिए एर्लिच को 'प्रतिरक्षा विज्ञान का जनक' कहा जाता है।

वैज्ञानिक परिचय

पॉल एर्लिच का जन्म 14 मार्च, 1854 को ब्रेस्लाउ (उस समय जर्मनी का हिस्सा, लेकिन अब पोलैंड का हिस्सा) के पास स्ट्रेहलेन में हुआ था। वे एक यहूदी शराब निर्माता और शाही लॉटरी विजेता के पुत्र थे। उन्होंने ब्रेस्लाउ, स्ट्रासबर्ग (फ्रांस), फ्रीबर्ग और लिपजिंग (दोनों जर्मनी) में चिकित्सा का अध्ययन किया। 1878 में, 24 वर्ष की आयु में, उन्होंने जर्मनी के लिपजिंग विश्वविद्यालय के चिकित्सा संकाय में 'Beitrge fr Theorie und Praxis der histologischen Frbung'/'हिस्टोलॉजिकल स्टेनिंग के सिद्धांत और अभ्यास में योगदान' शीर्षक से अपना शोध प्रबंध प्रस्तुत किया।

वैज्ञानिक फैक्ट

आसमानी बिजली: प्रकृति की भीषण शक्ति और उसका वैज्ञानिक रहस्य

हमारी धरती के वायुमंडल में जब तीव्र विद्युत आवेश का अचानक डिस्चार्ज होता है, तो उससे उत्पन्न प्रकाश और गड़गड़ाहट को गाज या आसमानी बिजली कहा जाता है। यह एक शक्तिशाली प्राकृतिक घटना है, जो बादलों के भीतर, एक बादल से दूसरे बादल के बीच या बादल और धरती के बीच घटित होती है। विश्व में हर वर्ष लगभग 140 करोड़ बार आसमानी बिजली गिरने की घटनाएं दर्ज की जाती हैं, जिससे इसकी व्यापकता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

आसमानी बिजली की वैज्ञानिक व्याख्या सबसे पहले वैज्ञानिक बेंजामिन फ्रैंकलिन ने अठारहवीं शताब्दी में की थी। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि बिजली चमकना कोई दैवीय चमत्कार नहीं, बल्कि विद्युत ऊर्जा का परिणाम है। जब आकाश में घने बादल बनते हैं, तो उनमें मौजूद पानी की सूक्ष्म बूंदें और बर्फ के कण आपस में टकराते हैं। इस टकराव और हवा की रगड़ से बादलों में विद्युत आवेश उत्पन्न हो जाता है। परिणामस्वरूप, कुछ बादलों या उनके हिस्सों में पॉजिटिव चार्ज और कुछ में निगेटिव चार्ज जमा हो जाता है। जब विपरीत चार्ज के बीच का अंतर बहुत बढ़ जाता है, तो संतुलन बनाने के लिए अचानक विद्युत प्रवाह होता है, जिसे हम बिजली के रूप में देखते हैं। एक सामान्य आसमानी बिजली में लाखों वोल्ट का वोल्टेज और हजारों एम्पियर का करंट प्रवाहित हो सकता है। इस दौरान उत्पन्न तापमान लगभग 54 हजार डिग्री फॉरेनहाइट तक पहुंच जाता है, जो सूर्य की सतह से भी कई गुना अधिक होता है। बिजली की गति अत्यंत तीव्र होती है और यह एक क्षण में ही धरती तक पहुंच जाती है। प्रतिदिन औसतन 30 लाख बार बिजली गिरने की घटनाएं इस तथ्य को रेखांकित करती हैं कि आसमानी बिजली प्रकृति की अद्भुत शक्ति होने के साथ-साथ मानव जीवन के लिए एक गंभीर खतरा भी है।

रोचक किस्सा

हजार असफलताएं, एक महान आविष्कार

विज्ञान के इतिहास में थॉमस अल्वा एडिसन का नाम केवल आविष्कारों के लिए ही नहीं, बल्कि उनकी जिद, मेहनत और असफलताओं से सीखने की क्षमता के लिए भी याद किया जाता है। एडिसन का सबसे मशहूर किस्सा विद्युत बल्ब के आविष्कार से जुड़ा है, जो आज भी लोगों को प्रेरित करता है। उन्नीसवीं सदी के अंत में जब दुनिया अंधकार में डूबी रहती थी और रोशनी के साधन सीमित थे, तब एडिसन ने एक ऐसा बल्ब बनाने का सपना देखा, जो सुरक्षित हो, सस्ता हो और लंबे समय तक जल सके।

यह सपना साकार करना आसान नहीं था। बल्ब के भीतर जलने वाले फिलामेंट के लिए सही सामग्री ढूंढना सबसे बड़ी चुनौती थी। एडिसन ने अपने प्रयोगशाला में दिन-रात मेहनत करते हुए हजारों प्रयोग किए। उन्होंने कपास, बांस, लकड़ी, रेशम, घोड़े के बाल और कई अन्य पदार्थों को फिलामेंट के रूप में आजमाया, लेकिन हर बार परिणाम असफल रहा। प्रयोग असफल होते गए, लेकिन एडिसन का हौसला कम नहीं हुआ। एक बार एक पत्रकार ने उनसे सवाल किया कि इतनी बार असफल होने के बाद भी वे निराश क्यों नहीं होते? इस पर एडिसन ने शांत स्वर में उत्तर दिया, "मैं असफल नहीं हुआ हूं, मैंने बस यह खोजा है कि बल्ब बनाने के हजारों तरीके काम नहीं करते।" यह कथन उनके सकारात्मक दृष्टिकोण और वैज्ञानिक सोच को दर्शाता है।

आखिरकार वर्ष 1879 में एडिसन ने कार्बन फिलामेंट का उपयोग कर ऐसा विद्युत बल्ब तैयार किया, जो कई घंटों तक लगातार जल सका। इस आविष्कार ने न केवल रातों को रोशन किया, बल्कि उद्योग, शिक्षा और समाज के विकास को भी नई दिशा दी। एडिसन का यह किस्सा हमें सिखाता है कि विज्ञान केवल बुद्धि का नहीं, बल्कि धैर्य, निरंतर प्रयास और असफलताओं को सफलता की सीढ़ी मानने का नाम है। यही सोच किसी भी बड़े आविष्कार की नींव होती है।

जलवायु परिवर्तन से बचाव के लिए कार्बन उत्सर्जन पर लगाम जरूरी

वैश्विक जलवायु परिवर्तन वर्तमान समय की एक ज्वलंत समस्या है। जलवायु में हो रहे तेजी से परिवर्तन पूरे विश्व में चर्चा का विषय बने हुए हैं। विश्व के भू-विज्ञानी एवं भूगोलवेत्ता जलवायु में हो रहे इन परिवर्तनों से बहुत चिंतित हैं। असमय बाढ़, सूखा, अतिवृष्टि, अनावष्टि, ओलावृष्टि, तेजाबी वर्षा तथा ऋतुओं के बदलते चक्र से पूरा विश्व प्रभावित हो रहा है। भू-विज्ञानी इन सबको वैश्विक जलवायु परिवर्तन से जोड़कर देख रहे हैं।

वैश्विक जलवायु परिवर्तन का एक बहुत बड़ा कारण है कार्बन उत्सर्जन की मात्रा में हो रही लगातार भारी वृद्धि। वायुमंडल में सभी गैसें एक निश्चित अनुपात में विद्यमान हैं। परंतु अंधाधुंध परमाणु परीक्षणों, बढ़ता औद्योगीकरण तथा वाहनों की लगातार बढ़ रही संख्या के कारण वायुमंडल में कार्बन डाईआक्साइड की मात्रा में भारी वृद्धि हो रही है। पिछले 100 वर्षों में कार्बन डाईआक्साइड की मात्रा में 26 लाख टन की वृद्धि हुई है, जबकि ऑक्सीजन की मात्रा में 24 लाख टन की कमी आई है। यह स्थिति संपूर्ण मानवता के लिए बहुत चिंताजनक है।

कार्बन उत्सर्जन में चीन सबसे आगे

कार्बन उत्सर्जन के मामले में चीन सबसे आगे है। विश्व के कुल कार्बन उत्सर्जन का 24 प्रतिशत उत्सर्जन अकेले चीन करता है। चीन के बाद दूसरा स्थान अमेरिका का है। अमेरिका विश्व के कुल कार्बन उत्सर्जन का 15.1 प्रतिशत उत्सर्जन करता है। यूरोपीय संघ विश्व के कार्बन उत्सर्जन का 10.5 प्रतिशत उत्सर्जन करता है। भारत भी इस मामले में पीछे नहीं है। कार्बन उत्सर्जन में भारत का विश्व में चौथा स्थान है। भारत कुल कार्बन उत्सर्जन का 6.4 प्रतिशत उत्सर्जन करता है। अगर दुनिया के देशों ने कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण नहीं किया, तो निकट भविष्य में जलवायु परिवर्तन की समस्या भयावह रूप धारण कर लेगी।

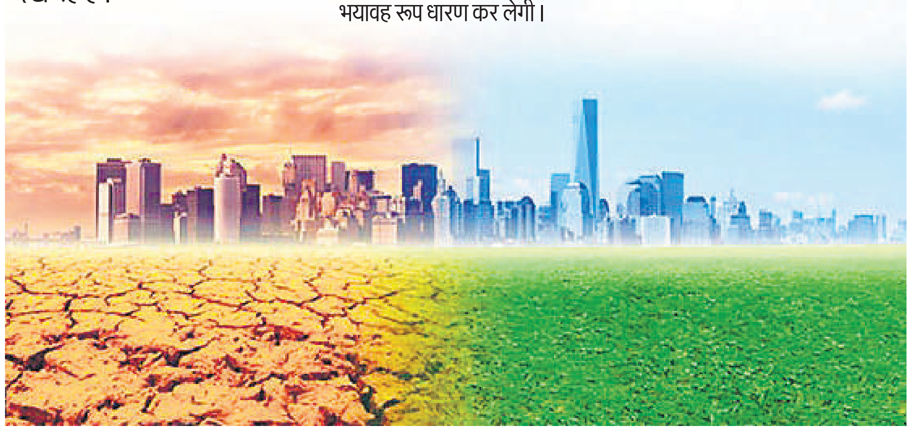

ओजोन परत का क्षरण

वाहनों, हवाई जहाजों, कल-कारखानों से निकलने वाले धुएं तथा विद्युत सयंत्रों से होने वाले उत्सर्जन से ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसके परिणामस्वरुप धरती का तापमान बढ़ रहा है। वैश्विक जलवायु परिवर्तन का खतरा दिनों-दिन गहरा होता जा रहा है। वैश्विक जलवायु परिवर्तन का एक अन्य महत्वपूर्ण कारण है ओजोन परत के आकार का निरंतर कम होना। ओजोन परत वायुमंडल की एक महत्वपूर्ण परत है। यह परत पृथ्वी के सुरक्षा कवच का काम करती है। इसे धरती की छतरी भी कहा जाता है। ओजोन परत में ओजोन गैस की प्रधानता होती है। यह 32 किमी से 80 किमी की ऊंचाई तक फैली हुई है। यह परत पराबैंगनी किरणों की ऊष्मा को सोख लेती है और पराबैंगनी किरणों की ऊष्मा से मानव की रक्षा करती है। यदि ओजोन परत नहीं होती, तो पृथ्वी भी अन्य ग्रहों की तरह प्राणीविहीन और वीरान होती। मानव की अपनी नादानी के कारण ओजोन परत का आकार निरंतर घट रही है।

सुरेश बाबू मिश्रा
लेखक

विश्व मौसम संगठन द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार अंटार्टिका महाद्वीप के ऊपर ओजोन परत में छेद है। इस छेद का आकार इतना बढ़ गया है कि पृथ्वी का एक करोड़ किलोमीटर का क्षेत्र इसकी चपेट में आ गया है। यह स्थिति बहुत ही चिंताजनक है। सन् 1995 में ओजोन परत को नष्ट करने वाले रसायनों का प्रयोग कम करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता हुआ था, परंतु निहित स्वार्थों और परमाणु हथियारों की होड़ के कारण दुनिया के देश इस समझौते का पालन नहीं कर रहे हैं, जिससे ओजोन परत का आकार निरंतर घट रहा है। इसके परिणामस्वरुप हम वैश्विक जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम झेलने को मजबूर हैं। पृथ्वी के बढ़ते तापमान का एक प्रमुख कारण पृथ्वी पर घटती हरियाली भी है। कहते हैं कि खुशहाली का रास्ता हरियाली से होकर गुजरता है। वृक्ष पर्यावरण के सजग प्रहरी होते हैं। वे पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, परंतु मानव की धन की बढ़ती हवस के कारण वृक्षों की अंधाधुंध कटाई हो रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है। जिस प्रकार शरीर के अस्तित्व के लिए कम से कम एक तिहाई त्वचा का सुरक्षित होना जरूरी है ठीक उसी प्रकार पृथ्वी के अस्तित्व के लिए उसके कम से कम एक तिहाई भाग पर हरियाली होना आवश्यक है। वर्तमान समय में धरती के केवल 22 प्रतिशत भू-भाग पर वृक्ष हैं, जिसके परिणामस्वरुप पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है और वैश्विक जलवायु परिवर्तन की गंभीर समस्या हमारे सामने मुंह बाए खड़ी है।

इस प्रकार हम पाते हैं कि कार्बन का अधिक उत्सर्जन और धरती का बढ़ता तापमान वैश्विक जलवायु परिवर्तन के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार है। पिछले दस वर्षों में पृथ्वी के औसत तापमान में 0.3 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हुई है। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण आने वाले वर्षों में धरती के तापमान में और वृद्धि होगी, जिसके कारण ग्लेशियरों और ध्रुवों पर जमीं बर्फ पिघलने लगेगी और समुद्र का जल स्तर बढ़ जाएगा। पेरिस वैश्विक जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में यह आशंका व्यक्त की गई कि यदि पृथ्वी का तापमान इसी प्रकार बढ़ता रहा, तो समुद्र के बढ़ते जल स्तर के कारण दुनिया के 9 देश और 705 छोटे-बड़े नगर समुद्र में समा जाएंगे। एक आकलन के अनुसार भूमंडल का 2.5 प्रतिशत जल बर्फ के रूप में विद्यमान है। यदि ग्लेशियरों और धुरवों पर जमीं सारी बर्फ पिघल गई, तो समुद्र का जल स्तर इतना बढ़ जाएगा कि पूरी पृथ्वी समुद्र के जल से जलमग्न हो जाएगी और पृथ्वी पर महाप्रलय आ जाएगी। इसलिए हम महाप्रलय की आहट को सुनें और धरती के बढ़ते तापमान को रोकने के लिए कारगर कदम उठाएं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि वैश्विक जलवायु परिवर्तन पृथ्वी और मानवता के अस्तित्व के लिए एक गंभीर खतरा है। इसलिए विश्व के सभी देशों को एकजुट होकर इसको नियंत्रित करने के लिए कारगर उपाय करने चाहिए।

जंगल की दुनिया

एलियन जैसी शक्ल वाला मासूम प्राइमेट

टार्सियर ऐसा जीव है, जो 'आंखें पेट से बड़ी' वाली कहावत को सचमुच जीवंत कर देता है। आकार में बेहद छोटे टार्सियर उछल-कूद करने वाले प्राइमेट्स की आंखें असाधारण रूप से विशाल होती हैं, उंगलियां लंबी और पतली होती हैं तथा चेहरा किसी काल्पनिक एलियन जैसा प्रतीत होता है। इनकी सबसे अनोखी विशेषता यह है कि ये अपना सिर लगभग 180 डिग्री तक घुमा सकते हैं, जिससे इनकी आकृति कई बार डरावनी, लेकिन रोचक लगती है। दुर्भाग्यवश, यही अनोखापन टार्सियर के लिए अभिशाप बन गया है। उनकी मासूम शक्ल और बड़ी आंखों के कारण उन्हें वर्षों से पालतू जानवरों की तरह रखने या पर्यटकों के साथ तस्वीरें खिंचवाने के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। तेज रोशनी, शोर और मानव संपर्क से ये अत्यधिक तनाव में आ जाते हैं, जिससे उनकी सेहत और जीवन पर गंभीर असर पड़ता है।

प्रकृति संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUCN) के अनुसार, दक्षिण-पूर्व एशिया- विशेष रूप से फिलीपींस, मलेशिया और इंडोनेशिया में टार्सियर की एक दर्जन से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें से कई प्रजातियां आज लुप्तप्राय: या गंभीर रूप से लुप्तप्राय: की श्रेणी में आ चुकी हैं। जंगलों की कटाई, पर्यटन और अवैध पकड़ ने इनके अस्तित्व पर बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। टार्सियर केवल एक आकर्षक जीव नहीं, बल्कि जैव विविधता का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जिनका संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	84,180.96	25,876.85
गिरावट	780.18	263.90
प्रतिशत में	0.92	1.01

सोना 1,40,500 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,43,500 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 9 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1820, फ़ॉर्चून कि. 2280, रविन्द्रा 2420, फॉर्चुन 13 किग्रा 2010, जय जवान 2005, सचिन 2030, सूरज 2005, अवसर 1875, उजाला 1950, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2175, मोर 2200, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2300, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000–18000, धनिया 9400–12000, अजवायान 13500–20000, मेथी 6000–8000 सौंफ 9000–13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800–1000, बादाम 780–1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300–400, मखाना 800–1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8800, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4050,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000–13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7350–9200, मलका छँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800–8500, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800–10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700–8400, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000–10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4250, बहेड़ी 4130

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के सामान की आपूर्ति शुरू

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी बीएचईएल ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के लिए सेमी–हाई–स्पीड अंडरस्लंग ट्रैक्शन कन्वर्टर की आपूर्ति शुरू कर दी है। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि ट्रेन की असेंबल प्रक्रिया को अंतिम रूप देने को ट्रैक्शन कन्वर्टर कोलकाता भेजे जा रहे हैं। अंडरस्लंग ट्रैक्शन कन्वर्टर एक प्रकार का उपकरण है जिसका उपयोग रेलवे इंजनों या इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट ट्रेन में कर्षण प्रणाली का हिस्सा है।

अमेरिकी शुल्क की चिंता से बाजार में बड़ी गिरावट

सेंसेक्स 780 व निफ्टी 264 अंक टूटा, निवेशकों के 7.72 लाख करोड़ डूबे

- धातु, तेल एवं गैस और जिंस शेयरों में बिकवाली, एफआईआई की निरंतर निकासी ने बढ़ाया दबाव

मुंबई, एजेंसी

वैश्विक बाजारों में व्यापक बिकवाली और अमेरिकी शुल्क बढ़ाने की आशंका के बीच गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में लगातार चौथे दिन गिरावट आई। सेंसेक्स 780 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी 264 अंक टूटकर 26,000 के नीचे आ गया। चौतरफा बिकवाली जारी रहने से घरेलू निवेशकों के 7.72 लाख करोड़ रुपये डूब गए हैं। विश्लेषकों के मुताबिक, धातु, तेल एवं गैस और जिंस शेयरों में भारी बिकवाली और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निरंतर निकासी ने बाजार पर दबाव बनाए रखा।

बीएसई का सूचकांक सेंसेक्स 780.18 अंक यानी 0.92 प्रतिशत लुढ़ककर 84,180.96 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 851.04 अंक तक गिरकर 84,110.10 के स्तर तक आ गया था। बीएसई पर कुल 3,158 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 1,039 शेयरों में बढ़त हुई और 170 शेयर अपरिवर्तित रहे। वहीं, एनएसई का निफ्टी 263.90 अंक यानी 1.01 प्रतिशत टूटकर 25,876.85 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से लार्सन एंड टुब्रो, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील और ट्रेंट सबसे ज्यादा नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, इटर्नल, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। पिछले चार दिनों में बीएसई बेंचमार्क 1,581.05 अंक यानी 1.84 प्रतिशत टूटा जबकि और निफ्टी 451.7 अंक यानी 1.71 प्रतिशत नुकसान में रहा। विभिन्न शेयर बाजारों में कारोबार करने वाली कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण गुरुवार को 7,71,816 करोड़ रुपये (1.61 प्रतिशत) कम होकर 4,72,95,304 करोड़ रुपये रह गया। बीएसई के अनुसार, शीर्ष 10 कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 1.25 लाख करोड़ रुपये घटा है।

अमेरिका के 500% शुल्क के विधेयक से बढ़ी चिंता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ऐसे प्रतिबंधात्मक विधेयक का समर्थन किए जाने से निवेशकों की चिंता बढ़ गई है, जिसके तहत रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत तक शुल्क लगाया जा सकता है। इस विधेयक को पेश करने की तैयारी में जुटे सीनेटर (सांसद) लिंडसे ग्राहम ने कहा है कि इससे अमेरिका को चीन, भारत और ब्राजील जैसे देशों पर सस्ता रूसी तेल खरीदना बंद करने का दबाव बनाने के लिए जबर्दस्त ताकत मिलेगी। अमेरिकी प्रशासन पिछले साल अगस्त में ही भारतीय उत्पादों पर आयात शुल्क को बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर चुका है। इसमें से 25 प्रतिशत शुल्क रूसी तेल खरीद जारी रखने के जुर्माने के तौर पर लगाया गया था।

मिड और स्मॉलकैप में भी आई गिरावट

बीएसई का मिडकैप में 1.99 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि छोटी कंपनियों के सूचकांक बीएसई स्मॉलकैप में 1.97 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी बढ़त में रहा, जबकि जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में बंद हुए। यूरोपीय बाजार हल्की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को ज्यादातर कमजोर रहे। शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 1,527.71 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 2,889.32 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

बाजार कमजोर होने से जोखिम उठाने की प्रवृत्ति प्रभावित

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजीत मिश्रा ने कहा कि बढ़ते भौगोलिक तनावों और वैश्विक व्यापार संबंधी चिंताओं के बीच बाजार का रुख कमजोर हुआ, जिससे जोखिम उठाने की प्रवृत्ति प्रभावित हुई। विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार बिकवाली और रुपये की कमजोरी ने नकारात्मक रुझान को और बढ़ा दिया। लेमन मार्केट्स डेस्क के शोध विश्लेषक गौरव गर्ग ने कहा कि भारतीय बाजारों के चौथे सत्र में गिरावट जारी रही और चार महीने बाद सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अमेरिकी शुल्क से नई चिंताओं और एफआईआई की बिकवाली से घरेलू बाजारों में सतर्कता का माहौल बना रहा।

चांदी 12,500 रुपये टूटकर रिकॉर्ड स्तर से फिसली

नई दिल्ली। मुनाफावसूली के बीच गुरुवार को सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत अपने रिकॉर्ड स्तर से 12,500 रुपये की भारी गिरावट के साथ 2,43,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई, जबकि सोने की कीमतों में 900 रुपये की गिरावट देखी गई।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, बुधवार को चांदी 5,000 रुपये बढ़कर 2,56,000 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। स्थानीय सर्राफा बाजार में, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 900 रुपये टूटकर 1,40,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गई, जबकि पिछला बंद भाव 1,41,400 रुपये प्रति 10 ग्राम था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि सुरक्षित निवेश की मांग कम होने की वजह से कारोबारियों ने अपने सौदे कम किए।

किआ इंडिया ने एसयूवी सेल्टॉस की सेकेंड जेनरेशन को किया लॉन्च

- रामपुर रोड पर शोरूम में ऑल न्यू किआ सेल्टॉस का अनावरण

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : रामपुर रोड स्थित किआ शोरूम पर बुधवार को किआ इंडिया ने अपनी लोकप्रिय एसयूवी सेल्टॉस के सेकेंड जेनरेशन मॉडल को भारतीय बाजार में विधिवत लॉन्च किया। इस अवसर पर भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय शाक्य और कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने फीता काटकर ऑल न्यू किआ सेल्टॉस का अनावरण किया।

शोरूम के डायरेक्टर आनंद प्रकाश, नवनीत अग्रवाल और अनमोल अग्रवाल ने बताया कि नई किआ सेल्टॉस अब किआ के ग्लोबल थ्री प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जो पहले की तुलना में अधिक मजबूत स्ट्रक्चर प्रदान करता है। इससे वाहन की स्टेबिलिटी और सेफ्टी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, साथ ही ड्राइविंग एक्सपीरियंस भी पहले से बेहतर हुआ है।

कंपनी के अनुसार, नई किआ सेल्टॉस की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 10.99 लाख रुपये रखी गई है। डिजाइन और फीचर्स के लिहाज से यह एसयूवी पहले से अधिक प्रीमियम और आरामदायक बनाई गई है। इसकी लंबाई 4460 मिमी है, जो पिछले मॉडल से 95 मिमी अधिक है। वहीं बेहतर केबिन स्पेस और लेगरूम के लिए व्हीलबेस को 80 मिमी तक बढ़ाया गया है।

इस दौरान अरविंद अग्रवाल, पूर्व विधायक विजयपाल, शिवशंकर शर्मा, डॉ. पंकज अग्रवाल, धर्मेंद्र गुप्ता, डॉ. एसपी सिंह, विमल खंडेलवाल, प्रखर अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

कृषि-खाद्य और कृषि-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप को समर्थन देगा एपीडा

- नवाचार को बढ़ावा देना और युवा उद्यमियों के लिए नए निर्यात अवसर पैदा करना उद्देश्य

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य मंत्रालय की इकाई कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने कृषि-खाद्य और कृषि-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप कंपनियों को समर्थन देने के लिए नई पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना और युवा उद्यमियों के लिए नए निर्यात अवसर पैदा करना है।

एपीडा के चेयरमैन अभिषेक देव ने गुरुवार को बताया कि ''कृषि-प्रौद्योगिकी, जुझारूपन, उन्नयन और निर्यात-सक्षम इनक्यूबेशन के लिए भारत का केंद्र'' यानी भारती' पहल कृषि क्षेत्र की स्टार्टअप फर्मों को सशक्त बनाने के लिए तैयार की गई है। उन्होंने ग्रेटर नोएडा में भारतीय निर्यात संवर्धन परिषद (टीपीसीआई) के तीन-दिवसीय इंडसफूड 2026 प्रदर्शनी में कहा कि हम इस पहल के तहत शीर्ष 10 स्टार्टअप को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का अवसर देंगे। कृषि निर्यात के मोर्चे पर देव ने कहा कि वैश्विक व्यापार में अनिश्चितताओं के बावजूद भारत के कृषि निर्यात में स्वस्थ वृद्धि दर्ज की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस साल भी हम रिकॉर्ड वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। एपीडा-प्रोत्साहित निर्यात चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान सात प्रतिशत बढ़कर 18.6 अरब डॉलर रहा है, जबकि 2024-25 में यह 28.5 अरब डॉलर था।

उन्होंने कहा कि इस वित्त वर्ष में हमें 30 अरब डॉलर के स्तर को पार कर जाने की उम्मीद है। टीपीसीआई के चेयरमैन मोहित सिंगला ने कहा कि इस खाद्य एवं पेय प्रदर्शनी में 120 से अधिक देशों के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। चीन, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, फिलीपीन, नेपाल और लेबनान सहित कई देशों के खरीदार और प्रदर्शक भारत आए हैं। हम 30 देशों के 2,200 से अधिक प्रदर्शकों को एक मंच पर ला रहे हैं। 15,000 से ज्यादा खरीदार और व्यापारिक आगंतुक इसमें शामिल हो रहे हैं।

वस्त्र उद्योग की मजबूत को केंद्र ने किया 15 राज्यों से समझौता

नई दिल्ली। केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय ने गुरुवार को वस्त्र-केंद्रित अनुसंधान, मूल्यांकन, निगरानी, योजना और स्टार्टअप (टेक्स-आरएएमपी) योजना के तहत डेटा सिस्टम को मजबूत करने के लिए सुदृढ़ परिचालन ढांचा तैयार करने के लिए 15 राज्यों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इस केंद्रीय क्षेत्रीय योजना का उद्देश्य वस्त्र क्षेत्र से जुड़े आंकड़ों और अनुसंधान की व्यापकता, गुणवत्ता, समयबद्धता और विश्वसनीयता में सुधार करना है। ये समझौते गुवाहाटी में आयोजित राष्ट्रीय वस्त्र मंत्रियों के सम्मेलन में किए गए।

आधिकारिक बयान में कहा गया कि ये समझौते राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वस्त्र से जुड़ी डेटा प्रणाली को मजबूत बनाएंगे। टेक्स-आरएएमपी योजना के तहत इस पहल का लक्ष्य मुख्य क्षेत्रों जैसे हथकरघा, हस्तशिल्प, कपड़े और तकनीकी वस्त्र को बेहतर तरीके से योजना बनाकर विकसित करना है। इसके लिए काम सीधे जिला और संकुल स्तर पर किया जाएगा, ताकि जरूरत वाले स्थानों पर असर तुरंत दिखाई दे। इन सुधारों को लागू करने के लिए मंत्रालय हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश को हर साल 12 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देगा। वस्त्र मंत्रालय ने कहा कि ये समझौते केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग और साझेदारी की भावना को दर्शाते हैं।

हेड एंड शोल्डर: विश्लेषण का भरोसेमंद रिवर्सल पैटर्न

हेड एंड शोल्डर पैटर्न तकनीकी विश्लेषण में सबसे भरोसेमंद रिवर्सल पैटर्न में से एक माना जाता है। यह पैटर्न आमतौर पर तब बनता है, जब किसी शेयर या इंडेक्स में लंबी तेजी के बाद कमजोरी आने लगती है। इसका मुख्य संकेत यह होता है कि बाजार का ट्रेंड अब ऊपर से नीचे की ओर बदल सकता है। इस पैटर्न का नाम इसके आकार के कारण पड़ा है, जिसमें तीन शिखर बनते हैं– बीच वाला शिखर सबसे ऊंचा होता है, जिसे हेड कहा जाता है, जबकि उसके दोनों ओर बने छोटे शिखर शोल्डर कहलाते हैं। निवेशक और ट्रेडर इसे संभावित गिरावट का मजबूत संकेत मानते हैं।

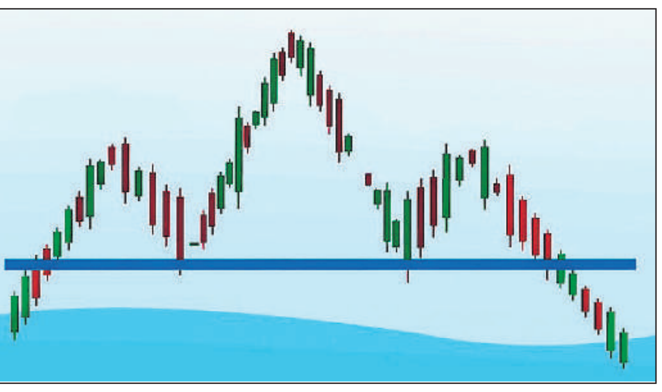

क्या है ये पैटर्न

हेड एंड शोल्डर एक चार्ट पैटर्न है, जो यह बताता है कि बाजार में खरीदारी की ताकत धीरे–धीरे कमजोर हो रही है। यह पैटर्न अपट्रेंड के अंत में बनता है और डाउनट्रेंड की शुरुआत का संकेत देता है। इसमें तीन प्रमुख हिस्से होते हैं– लेफ्ट शोल्डर, हेड और राइट शोल्डर।

पैटर्न की संरचना

- **लेफ्ट शोल्डर :** कीमत पहले ऊपर जाती है और फिर थोड़ी गिरती है।
- **हेड :** कीमत फिर ऊपर जाती है और लेफ्ट शोल्डर से ऊंचा स्तर बनाती है, फिर गिरावट आती है।
- **राइट शोल्डर :** अंत में कीमत एक बार फिर ऊपर जाती है, लेकिन इस बार हेड से नीचे रह जाती है और फिर गिरने लगती है। इन तीनों के बीच जो सपोर्ट लाइन बनती है, वह नेकलाइन होता है।

नेकलाइन का महत्व

नेकलाइन इस पैटर्न का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होती है। जब कीमत नेकलाइन के नीचे बंद होती है, तो पैटर्न पूरा माना जाता है। यही वह बिंदु होता है, जहां से गिरावट की पुष्टि होती है।

ट्रेडिंग में उपयोग

एंट्री : नेकलाइन के नीचे ब्रेकडाउन के बाद शॉर्ट पोजिशन ली जाती है।

स्टॉप लॉस : राइट शोल्डर के ऊपर लगाया जाता है।

टारगेट : हेड से नेकलाइन तक की दूरी को नीचे की ओर मापकर लक्ष्य तय किया जाता है।

वॉल्यूम की भूमिका : हेड एंड शोल्डर पैटर्न में वॉल्यूम का विशेष महत्व होता है। लेफ्ट शोल्डर और हेड के समय वॉल्यूम ज्यादा होता है, जबकि राइट शोल्डर बनते समय वॉल्यूम घटने लगता है। यह बाजार की कमजोरी को दर्शाता है।

निवेशकों के लिए महत्व : यह पैटर्न निवेशकों को समय रहते मुनाफा बुक करने या नुकसान से बचने में मदद करता है। हालांकि, केवल इसी पैटर्न पर निर्भर रहना सही नहीं होता। इसे अन्य तकनीकी संकेतकों जैसे आरएसआई, मूविंग एवरेज या सपोर्ट–रेजिस्टेंस के साथ मिलाकर देखना बेहतर होता है।

एटर्नल को 27.56 करोड़ की जीएसटी मांग के दो नोटिस जारी

नई दिल्ली। जोमैटो और ब्लिंकइट की मूल कंपनी एटर्नल को गुरुवार को ब्याज और जुर्माने सहित 27.56 करोड़ से अधिक के माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की मांग को लेकर दो आदेश प्राप्त हुए। ये आदेश पश्चिम बंगाल के अतिरिक्त राज्य कर आयुक्त (अपील) द्वारा उत्पादन कर के कम भुगतान के संबंध में पारित हुए हैं।

एटर्नल ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी को 8 जनवरी 2026 को पश्चिम बंगाल के अतिरिक्त राज्य कर आयुक्त (अपील) द्वारा अप्रैल 2020 से मार्च 2022 की अवधि के लिए पारित दो आदेश प्राप्त हुए हैं। इनमें 16,72,34,030 रुपये की जीएसटी की कुल मांग, 9,16,48,814 रुपये के ब्याज और 1,67,23,404 रुपये के जुर्माने की मांग की गई है।" कंपनी ने कहा कि उसके पास इस मामले में मजबूत पक्ष है, बाहरी कानूनी और कर सलाहकारों की राय भी उसकी दलीलों का समर्थन करती है। कंपनी इस आदेश के खिलाफ उचित प्राधिकरण के सामने अपील दायर करेगी।

खाद्य प्रसंस्करण की वृद्धि पर केंद्र सरकार का ध्यान : चिराग

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने गुरुवार को कहा कि सरकार ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं और उम्मीद है कि आने वाले बजट में और कदम उठाए जाएंगे। पासवान ने ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में इंडसफूड 2026 का उद्घाटन किया। इंडसफूड एशिया का सबसे बड़ा खाद्य और पेय व्यापार प्रदर्शनी है।

मंत्री ने कहा कि सरकार ने पिछले साल के बजट में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई उपायों की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 के बजट में एक नए राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टेम) की घोषणा की गई थी जो बिहार में बनेगा। पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में केंद्र सरकार ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित किया है। इस क्षेत्र का मंत्री होने के नाते, मुझे इस साल के बजट से बहुत उम्मीदें हैं।

- ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में इंडसफूड 2026 का केंद्रीय मंत्री ने किया उद्घाटन

उन्होंने उम्मीद जताई कि वर्ष 2026 का बजट लोगों की उम्मीदों को पूरा करेगा। मंत्री ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में व्यवसाय के बहुत बड़े मौके हैं और सरकार इस क्षेत्र में आने वाले उद्यमियों का समर्थन कर रही है।

पासवान ने कहा कि भारत सरकार के पास खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए एक अलग मंत्रालय है, यह इस क्षेत्र को दी जाने वाली अहमियत को दिखाता है। हम सरकार और उद्योग के बीच एक पुल बनने की कोशिश कर रहे हैं। भारत एक अधिशेष खाद्य उत्पादक देश है और अब 'इस मात्रा को मूल्य में बदलने' की जरूरत है। मंत्रालय इस क्षेत्र में आने के लिए ज्यादा से ज्यादा उद्यमियों का समर्थन कर रही है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण योजना (पीएमएफएमई), प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई) जैसी योजनाएं किसानों और उद्योग दोनों की मदद कर रही हैं। पासवान ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता एवं प्रबंधन संस्थान के दायरे में और राज्यों को लाने के लिए कदम उठाया जाएगा। मंत्री ने कहा कि सरकार खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के साथ के साथ है और व्यापार को सुगम बनाने के लिए हर कदम उठाएगी। पासवान ने कहा कि उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र पर वस्तु एवं सेवा (जीएसटी) कर का मुद्दा जीएसटी परिषद के सामने उठाया था, जिसे हाल के सुधारों के जरिए सुलझाया गया और कर को घटाकर पांच प्रतिशत या शून्य कर दिया गया। मंत्री ने वैश्विक कंपनियों से भारत में अपने शोध एवं विकास केन्द्र खोलने की अपील की।

स्लीपर कोच बसों का विनिर्माण मान्यता प्राप्त कारखानों में होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि आग लगने की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने फैसला किया कि स्लीपर कोच बसों का विनिर्माण केवल वाहन कंपनियों और केंद्र से मान्यता प्राप्त कारखानों में ही किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पहले से चल रही स्लीपर कोच बसों में आग का पता लगाने वाली प्रणाली, हथौड़े के साथ आपातकालीन निकास, आपातकालीन रोशनी और चालक थकान संकेतक लगाने होंगे। पिछले छह महीनों में स्लीपर कोचों से जुड़ी आग लगने की छह दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 145 लोगों की जान चली गई। गडकरी ने कहा कि उन्होंने राजस्थान सरकार को पत्र लिखा है, ताकि उन राज्य परिवहन मंत्रालय के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए जिन्होंने बस विनिर्माण करने वालों को खुद से सुरक्षा प्रमाण देने की अनुमति दी थी।

- केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा- आग लगने की घटनाओं पर रोक के लिए लिया गया फैसला

बदलाव

अनुपालन को सरल बनाने और कारोबारी सुगमता को बढ़ाने के लिए बाजार नियामक ने उठाया कदम

शेयर बाजार के ब्रोकरों के लिए सेबी ने नए नियम किए अधिसूचित

नई दिल्ली, एजेंसी

बाजार नियामक सेबी ने तीन दशक से अधिक पुराने शेयर ब्रोकरों से जुड़े नियमों में व्यापक बदलाव करते हुए नए नियम अधिसूचित किए हैं, जिसके तहत अब शेयर ब्रोकर अन्य वित्तीय नियामकों के दायरे में आने वाली गतिविधियां भी कर सकेंगे। इस कदम का उद्देश्य अनुपालन को सरल बनाना और कारोबारी सुगमता को बढ़ाना है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बुधवार को अधिसूचना जारी कर सेबी (शेयर ब्रोकर) विनियम, 1992 की जगह सेबी (शेयर ब्रोकर) विनियम, 2026 को लागू कर दिया है। नए नियमों में नियामकीय भाषा को सरल बनाया गया है, पुराने एवं अप्रासंगिक प्रावधानों को हटाया गया है तथा परिभाषाओं को अधिक स्पष्ट बनाया गया है। नए नियमों के तहत कोई भी शेयर ब्रोकर अन्य वित्तीय क्षेत्रों के नियामक या किसी निर्दिष्ट प्राधिकरण के नियामकीय ढांचे के अंतर्गत आने वाली गतिविधियां कर सकता है। ऐसी गतिविधियां संबंधित नियामक या प्राधिकरण के दायरे में आएंगी।

सेबी ने बताया कि नए विनियमों को 11 अध्यायों में बांटा गया है, जिनमें शेयर ब्रोकरों से जुड़े नियामकीय ढांचे के सभी प्रमुख पहलुओं को समग्र रूप से शामिल किया गया है। इसके तहत अब गैर-जरूरी अनुसूचियों को हटा दिया गया है और आवश्यक प्रावधानों को सीधे अध्यायों में शामिल किया गया है, ताकि नियमों को पढ़ना और समझना आसान हो। अंडरराइटिंग, आचार संहिता और स्टॉकब्रोकर्स को अनुमति प्राप्त अन्य गतिविधियों से जुड़े दोहराव वाले प्रावधानों को हटाकर संरचना को सुव्यवस्थित किया गया है। नए नियमों में अनुपालन को आसान बनाने के लिए संयुक्त निरीक्षण की अनुमति दी गई है और बही खातों को इलेक्ट्रॉनिक रूप में रखने का प्रावधान किया गया है। सेबी ने कहा कि वह मान्यताप्राप्त शेयर बाजारों, क्लियरिंग कॉरपोरेशन या डिपॉजिटरी के साथ मिलकर संयुक्त निरीक्षण कर सकता है।

विशेषीकृत निवेश कोषों के लिए एकसमान अनुपालन रिपोर्टिंग का प्रारूप जारी

नई दिल्ली। सेबी ने म्यूचुअल फंड और परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) द्वारा विशेषीकृत निवेश फंडों (एसआईएफ) की रिपोर्टिंग के तरीके में एकरूपता लाने के मकसद से गुरुवार को अनुपालन रिपोर्टिंग का प्रारूप जारी किया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड ने परिपत्र में कहा कि अनुपालन परीक्षण रिपोर्ट (सीटीआर) के प्रारूप को संशोधित किया गया है और इसमें विशेष रूप से एसआईएफ के लिए एक नया भाग शामिल किया गया है। नए प्रारूप के तहत एसआईएफ का प्रबंधन करने वाली एएमसी को अब अतिरिक्त अनुपालन विवरण देने होंगे। इसमें न्यूनतम निवेश सीमा का पालन, एसआईएफ फंड प्रबंधकों के लिए प्रमाणन आवश्यकताएं (अधिसूचित होने पर), नियामक विशेषताओं के साथ निवेश रणनीतियों का अनुपालन, शुल्क और व्यय पर सीमाएं और निवेश प्रतिबंध शामिल हैं। इस नए नियम के तहत कंपनियों को अब डेरिवेटिव्स, रीट (रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट)/इनविट (बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट), ब्रांड और विज्ञापन के नियम, प्रस्ताव दस्तावेजों में जानकारी, पोर्टफोलियो की जानकारी, निवेश और निकासी के नियम (जैसे नोटिस अवधि), इकाइयों की सूचीकरण, बेंचमार्किंग, जोखिम स्तर और परिदृश्य विश्लेषण जैसी चीजों पर भी रिपोर्ट देनी होगी। अर्धवार्षिक ट्रस्टी रिपोर्ट के प्रारूप में भी एक नया प्रावधान जोड़ा गया है। सेबी ने कहा कि ट्रस्टी को ये पुष्टि करनी होगी कि क्या एएमसी के पास एसआईएफ का प्रबंधन करने को पर्याप्त विशेषज्ञता और प्रणाली है, न्यूनतम निवेश सीमा, शुल्क और व्यय के नियम, निवेश रणनीतियों, निवेश प्रतिबंध और ब्रांडिंग के नियमों का पालन किया जा रहा है।

अमृत विचार
www.amritvichar.com

बांग्लादेश ने भारत में वीजा सेवा निलंबित की

- अमेरिका से किया वीजा बॉन्ड में छूट देने का अनुरोध

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए दिल्ली सहित भारत में स्थित अपने प्रमुख मिशनों से वीजा सेवाएं निलंबित कर दी हैं। विदेश मामलों के सलाहकार एम.तौहीद हुसैन ने अपने कार्यालय में एक मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि बांग्लादेश ने अमेरिका की ओर से हाल में लागू की गई 'वीजा बॉन्ड' की आवश्यकता को भी रद्द करने की मांग की है।

हुसैन ने कहा, मैंने भारत में स्थित अपने तीनों मिशनों को फिलहाल वीजा संबंधी खंड बंद रखने के लिए कहा है। यह सुरक्षा का मामला है। सलाहकार की यह टिप्पणी तब आई जब कोलकाता स्थित बांग्लादेश के उप उच्चायोग ने रातोंरात वीजा सेवाओं को बंद कर दिया, जबकि दिल्ली और अगरतला में भी इसी तरह के कदम उठाए गए थे, जिनमें व्यापार और कार्य वीजा को इसके दायरे से बाहर रखा गया था। बांग्लादेश के मुंबई और चेन्नई में भी राजनयिक मिशन हैं, जहां वीजा सेवाएं चालू रहीं। भारत ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए इससे पहले पांच अगस्त 2024 के बाद बांग्लादेशी नागरिकों के लिए वीजा पर रोक लगा दी थी।

जुलाई-अगस्त 2024 में छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक प्रदर्शन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के गिरने के बाद से बांग्लादेश और भारत के संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं। हुसैन ने पत्रकारों से यह भी कहा कि बांग्लादेश अमेरिका द्वारा हाल में लागू की गई 'वीजा बॉन्ड' की आवश्यकता से छूट प्राप्त करने के लिए राजनयिक प्रयास करेगा।

पाकिस्तान के लिए 14 साल बाद सीधी उड़ानें

ढाका/इस्लामाबाद। पाकिस्तान और बांग्लादेश सुधरते रिश्तों का संदेश देते हुए लगभग 14 साल के लंबे अंतराल के बाद 29 जनवरी को सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने जा रहे हैं। मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के तहत दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण बदलाव के साथ ढाका से कराची के लिए उड़ानें आधिकारिक तौर पर शुरू होंगी। ढाका से पहली सीधी उड़ान रात 11 बजे कराची पहुंचेगी और भारतीय हवाई क्षेत्र से होकर यात्रा करेगी। इससे दोनों देशों के लिए यात्रा बहुत आसान हो जाएगी।

'अन'सोशल... मीडिया

दुनिया भर के लिए बड़ी चुनौती

सोशल मीडिया पर अश्लीलता का प्रसार एक गंभीर वैश्विक और राष्ट्रीय चुनौती बन चुका है। नवीनतम रिपोर्टों और शोध के अनुसार, एआई के जरिए डीपफेक और अश्लील सामग्री का निर्माण तेजी से बढ़ा है, जो महिलाओं और बच्चों की गरिमा के लिए बड़ा खतरा बन गया है। सोशल मीडिया मंचों के एल्गोरिदम अक्सर एंगेजमेंट बढ़ाने के लिए आपत्तिजनक और अश्लील कंटेंट को प्रमोट करते हैं, इस वजह से यह सामग्री किशोरों के फॉर यू पेजों तक आसानी से पहुंचती है। कई शोधों में कहा गया है कि इन मंचों का उपयोग करने वाले 11-12 वर्ष के बच्चे भी अश्लील सामग्री के संपर्क में आ रहे हैं। कई देशों में सोशल मीडिया पर बढ़ती अश्लीलता के खतरों को महसूस किया गया है और इस पर रोकथाम के लिए सख्त कदम उठाने की पहल की है। भारत भी इन देशों में से एक है।

बच्चों से बड़ों तक दुष्प्रभाव

- युवाओं में विकृत मानसिकता, अवसाद और वास्तविक संबंधों के प्रति अरुचि पैदा होने जैसे दुष्प्रभाव सामने आ रहे हैं।
- शोधों के मुताबिक समाज में यौन अपराधों और महिलाओं के प्रति संवेदनहीनता बढ़ने का खतरा लगातार बढ़ रहा है।
- बच्चों के समय से पहले वयस्क सामग्री के संपर्क में आने से पारंपरिक पारिवारिक मूल्यों को भी भारी क्षति पहुंच रही है।
- ऐसी सामग्री देखने को लोग अक्सर असुरक्षित वेबसाइटों का प्रयोग करते हैं, जिससे उनकी निजता खतरे में पड़ती है।

वैश्विक शोध

- कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के एक शोध के अनुसार सोशल मीडिया पर अश्लील सामग्री के संपर्क में आने से किशोरों में अवसाद बढ़ रहा है।
- पीईडब्ल्यू रिसर्च सेंटर के मुताबिक अमेरिका के लगभग आधे किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया का नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

कई देशों में कड़े कानून

- ऑस्ट्रेलिया दुनिया का पहला देश बना जिसने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है।
- मलेशिया ने भी 1 जनवरी 2026 से 16 साल से उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध लागू किया है। आयु सत्यापन अनिवार्य किया है।
- फ्रांस, डेनमार्क और पोलैंड जैसे देश 2026 के शैक्षणिक सत्र से 15-16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए कानून बनाने पर काम कर रहे हैं।
- पूरे यूरोपीय संघ में 2026 तक एक डिजिटल आयु सत्यापन प्रणाली शुरू की जाएगी ताकि नाबालिग अश्लील सामग्री तक न पहुंच सकें।

भारत ने उठाए कदम

- 'आईटी नियम 2021' और बीएनएस के तहत अश्लील सामग्री फैलाने वाले मंचों और व्यक्तियों पर कड़ी सजा का प्रावधान है।
- भारत सरकार ने एक्स, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया मंचों को अश्लीलता को लेकर सख्त चेतावनी दी है।
- बड़े सोशल मीडिया मंचों के लिए अश्लील सामग्री को पहचानकर हटाने के लिए तकनीक का उपयोग अनिवार्य किया गया है।

इसलिए अश्लीलता को बढ़ावा

- सोशल मीडिया के एल्गोरिदम उस कंटेंट को प्रमोट करते हैं जिस पर लोग ज्यादा समय बिताते हैं। अश्लील कंटेंट क्लिकबेट के रूप में काम करता है।
- कई प्लेटफॉर्म व्यूज के आधार पर पैसे देते हैं। अधिक व्यूज पाने के चक्कर में कंटेंट क्रिएटर्स सनसनीखेज और अश्लील सामग्री का सहारा लेते हैं।
- करोड़ों यूजर्स द्वारा हर सेकंड पोस्ट किए जाने वाले कंटेंट की सटीक निगरानी करना कठिन होता है, जिससे ऐसी सामग्री फिल्टर से बच जाती है।
- सोशल मीडिया कंपनियां, पोर्नोग्राफी से जुड़े लोग, कंटेंट क्रिएटर और साइबर अपराधी अपने स्वार्थों के लिए अश्लीलता को बढ़ावा देते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

ऑस्ट्रेलिया : बॉन्डी बीच हमले की जांच के लिए बनेगा न्यायिक आयोग

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने सिडनी के बॉन्डी बीच पर हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया में यहूदी-विरोधी भावनाओं की तह तक जाने और सामाजिक एकता पर एक न्यायिक आयोग के गठन की घोषणा की है। अल्बानीज ने घोषणा की कि उनकी सरकार एक न्यायिक आयोग गठित करेगी, जो ऑस्ट्रेलिया में जांच का सबसे बड़ा रूप है। इसका नेतृत्व पूर्व हाईकोर्ट न्यायाधीश वर्जीनिया बेल करेंगी। वह दिसंबर के मध्य तक एक रिपोर्ट पेश करेंगी। उन्होंने कहा, मैंने यहूदी समुदाय के नेताओं से मिलने के लिए समय लिया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं उस भयानक हमले के पीड़ितों और बचे हुए लोगों के कई परिवारों से मिला हूं।

बीएनपी नेता अजीजुर रहमान की ढाका में गोली मारकर हत्या

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वॉलंटियर विंग स्वेच्छा सेबक दल के नेता अजीजुर रहमान मुसब्बिर की बुधवार रात ढाका के कारवां बाजार इलाके में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी, जबकि तेजगांव थाना वन श्रमिक संघ के महासचिव सुफियान ब्यापारी मसूद को घायल कर दिया। यह घटना देश में होने वाले राष्ट्रीय चुनाव से पहले कानून-व्यवस्था को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच हुई। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (तेजगांव जोन) के एसीपी फजलुल करीम के मुताबिक मुसब्बिर को पंथपथ के बीआरबी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

साल्ट लेक सिटी में मॉर्मन चर्च के बाहर गोलीबारी, दो की मौत

साल्ट लेक सिटी। अमेरिका के यूटा राज्य की राजधानी साल्ट लेक सिटी में बुधवार को एक गिरजाघर के बाहर हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई जबकि छह घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह गोलीबारी 'द चर्च ऑफ जीसस क्राइस्ट ऑफ लैटर-डे सेंट्स' के एक सभा भवन के पार्किंग स्थल में हुई। इसे आमतौर पर मॉर्मन चर्च कहा जाता है। उन्होंने बताया कि घटना के समय गिरजाघर के अंदर दर्जनों लोग एक अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल हो रहे थे। सभी पीड़ित वयस्क बताए जा रहे हैं। सॉल्ट लेक सिटी के पुलिस प्रमुख ब्रायन रेड ने कहा, हमें नहीं लगता कि यह किसी धर्म या इस तरह की किसी चीज के खिलाफ लक्षित हमला था।

अमेरिका ने छोड़ीं 60 से ज्यादा वैश्विक संस्थाएं

संयुक्त राष्ट्र के निकायों और अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन से भी खुद को किया अलग

- सभी संस्थाओं को गैरजरूरी और अमेरिकी हितों के खिलाफ बताया

संयुक्त राष्ट्र/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र के कई निकायों और भारत-फ्रांस के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) समेत 60 से अधिक अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अमेरिका को बाहर निकालने का फैसला किया है। ट्रंप ने इन संस्थाओं को अनावश्यक और अमेरिका के हितों के विरुद्ध बताया।

ट्रंप ने बुधवार को 'संयुक्त राज्य अमेरिका के हितों के प्रतिकूल अंतरराष्ट्रीय संगठनों, सम्मेलनों और संधियों से अमेरिका को बाहर निकालना' शीर्षक वाले एक ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद ट्रंप ने कहा कि उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला है कि 66 संयुक्त राष्ट्र और गैर-संयुक्त राष्ट्र संगठनों का सदस्य बने रहना, उनमें भागीदारी करना या किसी भी रूप में उन्हें समर्थन देना अमेरिका के हितों के विपरीत है। व्हाइट हाउस की ओर से बुधवार को जारी एक पत्र के अनुसार, इनमें 31 संयुक्त राष्ट्र निकाय और 35 गैर-संयुक्त राष्ट्र संगठन शामिल हैं, जो अमेरिकी राष्ट्रीय हितों, सुरक्षा, आर्थिक समृद्धि या संप्रभुता के विरुद्ध कार्य करते हैं। ट्रंप ने सभी कार्यकारी विभागों और एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे इन संगठनों से अमेरिका की वापसी को यथाशीघ्र लागू करने के लिए तत्काल कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र निकायों के मामले में, कानून द्वारा अनुमेय सीमा तक, इन संस्थाओं में भागीदारी या वित्तपोषण समाप्त करना ही वापसी माना जाएगा।

जिन संगठनों से अमेरिका अलग हो रहा है, उनमें जलवायु परिवर्तन पर भारत और फ्रांस की संयुक्त पहल अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) भी शामिल है। वर्तमान में आईएसए के 100 से अधिक देश हस्ताक्षरकर्ता हैं और 90 से अधिक देशों ने पूर्ण सदस्य बनने के लिए इसकी पुष्टि की है। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने कहा कि ट्रंप प्रशासन द्वारा जिन संगठनों से अमेरिका को बाहर निकाला जा रहा है, उनकी सूची उन्हें प्राप्त हो गई है, इस पर बृहस्पतिवार को टिप्पणी की जाएगी। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के राजदूत माइक वॉल्ट्ज ने 'एक्स' पर कहा कि अमेरिका अब उन अंतरराष्ट्रीय संगठनों को न तो वित्तपोषित करेगा और न ही उनमें भागीदारी करेगा, जो अमेरिकी हितों को पूरा नहीं करते या कई मामलों में उनके विरुद्ध हैं।

पहले से ट्रंप के निशाने पर रहा है संयुक्त राष्ट्र

ट्रंप संयुक्त राष्ट्र और उसकी एजेंसियों के तीखे आलोचक रहे हैं। पिछले वर्ष 20 जनवरी को शपथ लेने के कुछ घंटों के भीतर ही उन्होंने पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका को बाहर निकालने का कार्यकारी आदेश जारी किया था, जो उनके पहले कार्यकाल के फैसले की पुनरावृत्ति थी। दूसरे कार्यकाल के शुरुआती हफ्तों में ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में अमेरिका की भागीदारी समाप्त करने, यूनेस्को की सदस्यता की समीक्षा करने और फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी को दी जाने वाली मदद रोकने का आदेश दिया था। पिछले वर्ष सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र में ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र पर तीखा हमला किया था। कहा था, संयुक्त राष्ट्र अधिकतर मामलों में केवल कड़े शब्दों वाला पत्र लिखता है और फिर कोई कार्रवाई नहीं करता। खोखले शब्द युद्ध का समाधान नहीं करते।

इन संगठनों और निकायों से अमेरिका ने किया किनारा

जिन 35 गैर-संयुक्त राष्ट्र संगठनों और 31 संयुक्त राष्ट्र निकायों से अमेरिका बाहर निकल रहा है, उनमें अंतरसरकारी जलवायु परिवर्तन पैनल, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, यूक्रेन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र, संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक मामलों का विभाग शामिल हैं। इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद के तहत अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई क्षेत्र, एशिया-प्रशांत तथा पश्चिम एशिया के आर्थिक आयोग, सशस्त्र संघर्ष में बच्चों के लिए महासचिव के विशेष प्रतिनिधि का कार्यालय, संघर्ष में यौन हिंसा पर विशेष प्रतिनिधि का कार्यालय, शांति निर्माण आयोग और कोष, व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र इकाई, संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा सम्मेलन और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष भी सूची में शामिल हैं।

तेल की आय से सिर्फ अमेरिकी उत्पाद खरीदेगा वेनेजुएला: ट्रंप

- अमेरिकी राष्ट्रपति के दबाव में और झुका वेनेजुएला, चीन को अलग-थलग रखने का मकसद

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि वेनेजुएला तेल बेचने से होने वाली आय का उपयोग सिर्फ अमेरिकी उत्पादों और सेवाओं को खरीदने के लिए करेगा। ट्रंप ने इसे एक बुद्धिमानी भरे विकल्प के साथ वेनेजुएला और अमेरिका दोनों के लोगों के लिए बहुत अच्छा फैसला बताया है।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें सूचित किया गया है कि नए तेल समझौते से प्राप्त धन से वेनेजुएला केवल अमेरिका निर्मित उत्पाद ही खरीदेगा। राष्ट्रपति ने बताया कि इस खरीद में कृषि उत्पाद, दवाएं, चिकित्सा उपकरण और ऊर्जा आपूर्ति वाले उपकरण शामिल होंगे। ट्रंप ने कहा कि यह कदम वेनेजुएला के मुख्य आर्थिक भागीदार के रूप में अमेरिका की स्थिति को और मजबूत करेगा। यह घोषणा ट्रंप के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि वेनेजुएला तीन से पांच करोड़ बैरल तेल अमेरिका को देगा जिसकी बिक्री से मिला पैसे का प्रबंधन अमेरिकी निगरानी में होगा।

अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने पुष्टि की है कि अमेरिका वेनेजुएला के तेल निर्यात की निगरानी करेगा और मौजूदा प्रतिबंधित आपूर्ति के साथ भविष्य के उत्पादन को अमेरिकी रिफाइनरियों और अन्य बाजारों में बेचेगा। दोनों देशों के बीच हुए इस समझौते के तहत लगभग दो अरब डॉलर मूल्य का कच्चा तेल अमेरिका भेजा जा सकता है। यह सौदा तेल की आपूर्ति को चीन को दूर रखने और उत्पादन में कटौती से पैदा हुए दबाव को कम करने में मदद करेगा। ट्रंप ने कहा कि यह समझौता इस बात का प्रमाण है कि वेनेजुएला अमेरिकी तेल कंपनियों को अधिक मौका देने की उनकी मांगों को मान रहा है। उन्होंने पहले ही चेतावनी दी थी कि यदि ऊर्जा क्षेत्र को नहीं खोला गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मादुरो और सिलिया से गिरफ्तारी के दौरान की गई थी मारपीट

काराकास। वेनेजुएला के गृहमंत्री डियोसडाडो कैबेलो ने दावा किया है कि राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को उनकी गिरफ्तारी के दौरान चोट लगी थी। कैबेलो ने बुधवार को कहा, सिल्विया को सिर में चोट लगी और उनके शरीर पर मुक्के मारे गए, जबकि मादुरो के पैर में चोट लगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिकी सेना की सिलिया फ्लोरेस को ले जाने की योजना नहीं थी। उन्होंने कहा, जब वे मादुरो को ले जा रहे थे तो उनका पत्नी सिलिया को ले जाने का कोई इरादा नहीं था, मगर सिलिया ने उनसे कहा, अगर तुम मेरे पति को ले जाओगे, तो तुम्हें मुझे भी ले जाना होगा।

सऊदी अरब का आरोप, यूएई ने यमन के अलगाववादी नेता को देश के बाहर भेजा

- अरब प्रायद्वीप के पड़ोसी देशों के बीच बढ़ा तनाव, यमन में जारी युद्ध में साझेदारी टूटी

दुबई, एजेंसी

सऊदी अरब ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने देशद्रोह के आरोप में वांछित यमन के अलगाववादी नेता को तस्करी कर देश से बाहर भेजा और विमान से अबू धाबी पहुंचाया। इस दावे पर यूएई ने तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इस घटना के बाद अरब प्रायद्वीप के पड़ोसी देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है क्योंकि यमन में वर्षों से जारी युद्ध में उनकी साझेदारी टूट गई है।

सऊदी अरब की सेना के एक बयान में दावा किया गया है कि सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (एसटीसी) के नेता ऐदारौस अल-जुबैदी यमन से नौका के जरिए सोमालिया भाग गए। बयान में कहा गया है कि इसके बाद यूएई के अधिकारी अल-जुबैदी को यूएई की राजधानी अबू धाबी ले गए। संयुक्त अरब अमीरात एसटीसी के नाम से जानी जाने वाली परिषद का प्रमुख समर्थक रहा है, जिसने हाल के दिनों में सऊदी अरब और यूएई के बीच टकराव को जन्म दिया है। यह तनाव तब बढ़ा जब एसटीसी के लड़ाकों ने दो प्रांतों में बढ़त हासिल कर ली और यमन से अलग होने की तैयारी करते दिखाई दिए। सऊदी अरब के मेजर जनरल तुर्की अल-मलकी ने अपने बयान में यूएई के एक मेजर जनरल पर अल-जुबैदी को भागने में मदद करने का आरोप लगाया है। साथ ही, उनका कोड नाम (नोम-दे-गुएर) भी उजागर किया गया, जो खाड़ी अरब देशों के सौहार्दपूर्ण संबंधों के माहौल में बेहद असामान्य बात है।

बयान में यह भी संकेत दिया गया कि अभियान में इस्तेमाल किया गया इल्युशिन इल-76 विमान इथियोपिया, लीबिया और सोमालिया जैसे 'संघर्षग्रस्त क्षेत्रों' में इस्तेमाल किया गया था। ये वही मार्ग हैं जिनके माध्यम से, पूर्व में अमीराती सेना पर हथियारों की तस्करी करने का आरोप लगाया गया है। यूएई ने उन क्षेत्रों में हथियारों की आपूर्ति के आरोपों से इन्कार किया है। यूएई के विदेश मंत्रालय ने इस पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। एसटीसी ने भी इस आरोप को तुरंत स्वीकार नहीं किया और बुधवार को कहा कि अल-जुबैदी अदन में ही थे, जहां ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ गठबंधन करने वाली सेनाएं यमन की राजधानी सना पर विद्रोहियों के कब्जे के बाद से वर्षों से एकत्रित हैं।

यमन में सऊदी के राजदूत मोहम्मद अल-जाबेर ने बताया कि उन्होंने एसटीसी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की जो एक दिन पहले रियाद पहुंचा था। उन्होंने अल-जुबैदी की हालिया कार्रवाइयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, हमने भविष्य में इस तरह से काम करने के तरीकों पर भी विचार किया है।

वेनेजुएला से पूर्ववत रहेंगे आर्थिक संबंध : चीन

बीजिंग। वेनेजुएला की राजनीतिक स्थिति में बदलाव के बावजूद चीन के उसके साथ आर्थिक और व्यापारिक संबंध पूर्ववत रहेंगे। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता हे याडोंग ने गुरुवार को यह घोषणा की। याडोंग ने कहा कि अमेरिका की वर्चस्ववादी कार्रवाइयां अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन करती हैं, वेनेजुएला की संप्रभुता का उल्लंघन करती हैं और लैटिन अमेरिका में शांति और सुरक्षा के लिए खतरा हैं। चीन इसका कड़ा विरोध करता है। याडोंग ने इस बात पर जोर दिया कि चीन और वेनेजुएला के बीच आर्थिक और व्यापारिक सहयोग संप्रभु देशों के बीच एक सहयोग है। यह अंतरराष्ट्रीय कानून के साथ-साथ दोनों देशों के कानूनों द्वारा संरक्षित है और किसी अन्य देश का इसमें हस्तक्षेप देने का कोई अधिकार नहीं बनता है।

दिल के मरीजों के लिए मकड़ी के जहर से बनी दवा

ऑस्ट्रेलिया में शोधकर्ताओं ने शुरू किया 'आईबी409' नामक दवा का परीक्षण

- ऑक्सीजन की कमी से होने वाली कोशिकाओं की मौत रोकने में मददगार साबित होगी ये दवा

सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई शोधकर्ताओं ने दुनिया की सबसे खतरनाक मकड़ियों में से एक के जहर से तैयार दवा का दिल के दौरे और स्ट्रोक मरीजों पर नैदानिक परीक्षण शुरू किया है। ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी ऑफ क्वींसलैंड (यूक्यू) के अनुसार, 'फेज 1 क्लीनिकल ट्रायल' के दौरान 'आईबी409' नामक दवा की सुरक्षा, सहनशीलता और इसकी सही खुराक का परीक्षण किया जाएगा।

यह एक नई दवा है, जिसे बायोटेक्नोलॉजी कंपनी 'इन्फेंसा बायोसाइंस' ने ऑस्ट्रेलियाई 'फनल-वेब' मकड़ी के जहर में पाए जाने वाले अणु से विकसित किया है। यूक्यू के इंस्टीट्यूट फॉर मॉलिक्यूलर बायोसाइंस के प्रोफेसर ग्लेन किंग ने कहा कि उनकी टीम ने 'एचआई1ए' के साथ 'बेहद आशाजनक' प्री-क्लीनिकल परिणाम प्रकाशित किए हैं। 'एचआई1ए' क्वींसलैंड राज्य के फ्रेजर द्वीप पर पाई जाने वाली फनल-वेब मकड़ी के जहर से प्राप्त प्रोटीन है। किंग ने कहा, हमारा मानना है कि ऑक्सीजन की कमी से होने वाली कोशिकाओं की मौत को रोककर 'एचआई1ए' दिल के दौरे और स्ट्रोक के दौरान हृदय और मस्तिष्क को होने वाले नुकसान को कम कर सकता है। उनकी टीम ने यह साबित कर किया है कि 'एचआई1ए' प्रभावी ढंग से दिल की रक्षा करता है।

इसके बाद एक अन्य अध्ययन में इसका 'प्री-क्लीनिकल' परीक्षण किया गया, जिसमें इलाज के उन वास्तविक हालातों को दोहराया गया, जो असल जिंदगी में मरीजों के सामने आते हैं। इन्फेंसा के सीईओ और यूक्यू के शोधकर्ता प्रोफेसर मार्क स्मिथ ने कहा, यदि 'आईबी409' के पहले चरण और बाद के नैदानिक परीक्षण सुरक्षित और प्रभावी साबित होते हैं तो हम दुनिया भर में हृदय रोग से पीड़ित लाखों लोगों का जीवन सुधार सकते हैं। इन्फेंसा की टीम ने 'एचआई1ए' को 'आईबी409' में बदल दिया है। यह एक सूक्ष्म पेप्टाइड है, जिसे दवा के रूप में विकसित करने के लिए तैयार किया गया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 9 जनवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, षष्ठी 07 .05 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तराफाल्गुनी 13 .40 तक तत्पश्चात हस्त।

मेष - आज विद्यार्थी अपने करियर को लेकर तनाव में आ सकते हैं। विवाहोत्सुक जातकों को प्रस्ताव मिल सकते हैं। विदेशी क्लाइंट्स से आपको शानदार फीडबैक मिल सकता है। अपनी गलतियों को सुधारने का प्रयास करें।

वृष - आज अपने भाग्य को दोष देने के बजाय मजबूती से चुनौतियों का सामना करें सफलता जल्द ही मिलेगी। आध्यात्मिक विषयों के प्रति आपकी जिज्ञासा बढ़ सकती है। आर्थिक कारणों से आपका मन विचलित रहेगा।

मिथुन - आज आपका मन नहीं लगेगा। घर में कोई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खराब हो सकता है। जीवनसाथी आपकी भावनाओं को समझ नहीं पा रहे हैं, लेकिन यदि कहीं आप इसके लिए जिम्मेदार हैं, तो इस मामले को शीघ्रता से सुलझा लें।

कर्क - आज अधीनस्थ कर्मचारी विद्रोही रूख व्यक्त कर सकते हैं। व्यवसाय में आशा से बेहतर परिणाम मिलेंगे। नाराज लोगों को मनाने के लिए दिन बेहतर है। सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

सिंह - आज किसी जरूरी कार्य के बाधित होने के कारण कुंठाग्रस्त हो सकते हैं। छोटे बच्चों या आध्यात्मिक लोगों के साथ समय बिताना लाभकारी होगा। सुख-सुविधाओं पर ज्यादा धन खर्च कर सकते हैं। आपके द्वारा बोला गया झूठ पकड़ा जा सकता है।

कन्या - आज व्यवसाय में नए अनुबंध हो सकते हैं, किंतु काम शुरू नहीं हो पाएगा। इंश्योरेंस और कमीशन आदि से लाभ हो सकता है। आप अपनी जिम्मेदारियों को लेकर काफी संवेदनशील रहेंगे। मानसिक रूप से काफी मजबूत रहेंगे।

तुला - आज मेहनत का उत्तम परिणाम प्राप्त नहीं होगा। कानूनी उलझनों में फंस सकते हैं। बेमतलब के कार्यों में आपका समय बर्बाद होगा। आपको बहुत परिश्रम करने से बचना चाहिए। अनिर्णय की स्थिति उत्पन्न होगी।

वृश्चिक - आज समाज में आपका दबदबा बढ़ेगा। प्रियजनों से आपको उत्तम सलाह व उचित सहायता मिल सकती है। नई जॉब ढूंढ रहे हैं, तो दिन बेहद अनुकूल है। नौकरीपेशा लोगों की आय में वृद्धि हो सकती है। बच्चे माता-पिता की आशाओं पर खरे उतरेंगे।

धनु - आज व्यवसाय में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। वैवाहिक जीवन में प्रेम भावनाओं का आधिक्य रहेगा। कृषि कार्यों से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ है। सिर्फ अपने काम पर ध्यान दें। किसी से ज्यादा अपेक्षा न करें, क्योंकि आप जैसा सोचेंगे वैसा होगा नहीं।

मकर - आज कार्यक्षेत्र में आपको कठिन काम सौंपे जा सकते हैं। यात्राओं के कारण स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। पुरानी गलतियों का भुगतान करना पड़ सकता है। क्रोध व उत्तेजित प्रतिक्रिया से बचें। धर्म के प्रति मन में शंका हो सकती है।

कुंभ - आज अस्पष्ट बोलने से बचें। आडंबर युक्त व्यवहार के कारण लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। स्वास्थ्य समस्या है, तो तुरंत अपने डॉक्टर से मिलें। सिरदर्द और बुखार की समस्या हो सकती है।

मीन - आज आप जैसी अपेक्षा कर रहे थे काम वैसे ही होंगे। व्यापार में बड़ी डील हो सकती है। नया काम भी शुरू कर सकते हैं। अचानक बड़ा धन लाभ हो सकता है। शुभ समाचार मिलने से उत्साह में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-शांति रहेगी।

सुडोकू -27

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

2	5	6		1		7		
9	8	1	3	6				5
		4		2				
3					6			
		2				1		
			7					9
				4		9		
1				7	9	3	6	4
		7		3		5	8	2

सुडोकू - 26 का हल

9	8	6	5	3	2	7	4	1
2	3	4	6	1	7	9	5	8
1	7	5	4	9	8	6	3	2
3	9	1	8	2	6	4	7	5
5	2	8	3	7	4	1	6	9
6	4	7	9	5	1	2	8	3
8	1	2	7	4	5	3	9	6
4	5	3	1	6	9	8	2	7
7	6	9	2	8	3	5	1	4

> मुझे नहीं लगता कि आप एसए20 को आईपीएल के बराबर रख सकते हैं। मेरे लिए आईपीएल गोल्ड स्टैंडर्ड है। और यह हमेशा ऐसा ही रहेगा। मुझे लगता है कि आप आईपीएल से जरूर सीख सकते हैं। हमारे लिए एसए20 निश्चित रूप से एक दीर्घकालीन विजन है।
> –जेपी डुमिनी

स्टेडियम

अमृत विचार
www.amritvichar.com
बरेली, शुक्रवार, 9 जनवरी 2026

हाईलाइट

तिलक न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन टी-20 मैच से बाहर

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा की 'ग्रोइन' की चोट की सर्जरी हुई है जिसके कारण उन्हें 21 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाली आगामी टी-20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला के पहले तीन मैच से बाहर कर दिया गया है। इस चोट के कारण अगले महीने होने वाले टी-20 विश्व कप में उनकी भागीदारी पर भी सवालिया निशान लग गया है। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी को राजकोट में तेज दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल ले जाया गया। वह विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय चैंपियनशिप के लिए हैदराबाद टीम के साथ राजकोट में थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज रविवार को शुरू हो रहे तीन वनडे के बाद नागपुर में शुरू होगी।

पूनम ने साक्षी को हराकर किया उलटफेर

ग्रेटर नोएडा। युवा विश्व चैंपियनशिप की पूर्व स्वर्ण पदक विजेता पूनम पूनिया ने बृहस्पतिवार को यहां 54 किग्रा वर्ग में गत चैंपियन साक्षी चौधरी को शिकस्त दी जिससे राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पहला बड़ा उलटफेर हुआ। रेलवे की 23 वर्षीय मुक्केबाज और अंडर-22 एशियाई चैंपियन पूनम ने आक्रमकता दिखाते हुए साक्षी पर 4-1 के विभाजित फैसले में जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में जगह बनाई। वहीं दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51 किग्रा) और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) ने आराम से सेमीफाइनल में प्रवेश किया। निकहत ने मणिपुर की लांचेनबी चानू को हराया।

बीसीबी ने आईसीसी को एक और पत्र लिखा

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने बृहस्पतिवार को आईसीसी को दूसरा पत्र लिखकर टी20 विश्व कप के लिये भारत आने को लेकर सुरक्षा चिंतायें जताई और उसके मैच श्रीलंका में कराने की मांग दोहराई। विश्व कप सात फरवरी से शुरू हो रहा है और बांग्लादेश को कोलकाता में तीन तथा मुंबई में एक मैच खेलना है। तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बीसीसीआई के निर्देश पर आईपीएल से बाहर रखने के फैसले के बाद बांग्लादेश ने विश्व कप खेलने भारत आने से इनकार कर दिया। क्रिकेट बोर्ड के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया खेल मंत्रालय के सलाहकार आसिफ से मशविरे के बाद बीसीबी ने आईसीसी को फिर पत्र लिखा है।

छह दौर के बाद आनंद और निहाल बढ़त पर

कोलकाता। पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने शुरुआती झटके से उबरते हुए बृहस्पतिवार को यहां दो जीत दर्ज की और टाटा स्टील शतरंज भारत रैपिड के छह दौर के बाद निहाल सारिन के साथ संयुक्त बढ़त हासिल की। दोनों के 4.5 अंक हैं। चौथे से छठे दौर के दौरान ओपन और महिला, दोनों वर्गों में कड़ा मुकाबला देखने को मिला और लीडरबोर्ड में बार-बार बदलाव हुए। चौथे दौर में 56 वर्षीय आनंद ने अपनी चूक से अर्जुन एरिगेसी को मुकाबला पलटने का मौका दे दिया।

एशेज ट्रॉफी के साथ पोज देती ऑस्ट्रेलियाई टीम। एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने एशेज सीरीज 4-1 से जीती

सिडनी, एजेंसी

सिडनी टेस्ट

- पांचवें व अंतिम टेस्ट में इंग्लैंड को पांच विकेट से हराया
- जैकब बेथेल की 154 रनों की जुझारू पारी काम न आई

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड (पहली पारी)	384/10
ऑस्ट्रेलिया (पहली पारी)	567/10
इंग्लैंड (दूसरी पारी)	342/10
ऑस्ट्रेलिया (दूसरी पारी)	161/5

ऑस्ट्रेलिया ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार को यहां पांचवें और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में पांच विकेट से जीत हासिल करके एशेज श्रृंखला 4-1 से अपने नाम की।

पहली पारी में 384 रन बनाने वाली इंग्लैंड की टीम जैकब बेथेल के 154 रन के बावजूद खेल के पांचवें और अंतिम दिन अपनी दूसरी पारी में 342 रन पर आउट हो गई। इस तरह से पहली पारी में 567 रन बनाकर 183 रन की बढ़त हासिल करने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम को जीत के लिए 160 रन का लक्ष्य मिला।

लगातार विकेट गिरने और एक विवादास्पद डीआरएस समीक्षा के बाद तनाव बढ़ता गया, लेकिन एलेक्स कैरी ने विजयी रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को 31.2 ओवर में पांच विकेट पर 161 रन तक पहुंचा दिया। कैरी 16 रन और कैमरन ग्रीन 22 रन बनाकर नाबाद रहे। यह 39 वर्षीय उस्मान ख्वाजा का आखिरी टेस्ट मैच था और इस तरह से उन्होंने जीत के साथ संन्यास लिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले तीन टेस्ट जीतकर एशेज पहले ही अपने नाम सुरक्षित कर ली थी। इंग्लैंड ने मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट में जीत हासिल की थी। ऑस्ट्रेलिया ने इस श्रृंखला में प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया। उसकी तरफ से मिचेल स्टार्क ने 31 विकेट लिए। ट्रैविस हेड ने तीन शतक लगाए और कुल 629 रन बनाए जबकि विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने 28 शिकार किए। चोटिल पैट कमिंस की अनुपस्थिति में पांच में से चार टेस्ट मैचों में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान रहे स्टीव स्मिथ ने व्यक्तिगत योगदान के बारे में कहा यह शानदार रहा है। मुझे लगता है कि हर किसी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। निश्चित तौर पर स्टार्क, हेड और कैरी ने बेहद प्रभावशाली प्रदर्शन किया लेकिन अन्य खिलाड़ियों ने भी श्रृंखला के दौरान अलग-अलग समय पर अच्छा प्रदर्शन किया और यही एक अच्छी टीम की पहचान है। स्टीव स्मिथ (12) के विल जैक्स की गेंद पर आउट होने के बाद ख्वाजा क्रीज पर आए। उस समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 92 रन था। पिच की ओर जाते समय इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स से हाथ मिलाया।

महिला प्रीमियर लीग का आगाज आज से मुंबई, बेंगलुरु और दिल्ली प्रमुख दावेदार

पहले मैच में शाम 7:30 बजे टकराएंगी मुंबई इंडियंस व रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीमें

नवी मुंबई, एजेंसी

अपने पहले वनडे विश्व कप की जीत की खुशी में डूबी भारतीय महिला क्रिकेटर शुक्रवार से यहां शुरू हो रही चौथे महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगी, जो इस साल इंग्लैंड में होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारी की शुरुआत भी होगी।

टूर्नामेंट के पहले मैच में दो बार की विजेता और मौजूदा चैंपियन हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली मुंबई इंडियंस का सामना डब्ल्यूपीएल में एकमात्र अन्य खिताब जीतने वाली टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा, जिसकी कमान स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना संभाल रही हैं। चौथी डब्ल्यूपीएल का आयोजन दो चरणों में नवी मुंबई और वडोदरा में किया जाएगा। इसमें युवा खिलाड़ियों को दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिलेगा। इससे खिलाड़ियों को जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को परखने का भी मौका मिलेगा। कागजों पर देखा जाए तो मुंबई इंडियंस की टीम काफी मजबूत नजर आती है। उसके पास भारतीय कप्तान हरमनप्रीत के अलावा इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर ब्रंट और वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी हैं। मुंबई ने अपने अधिकतर खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखा है और किसी भी टीम के लिए उसे हराना एक चुनौती होगी।

11 मैचों में से केवल तीन में ही पहले बल्लेबाज़ी करने वाली टीम डब्ल्यूपीएल में डीवाई पाटिल स्टेडियम में जीती हैं

न्यूजीलैंड की अमेलिया केर, ऑस्ट्रेलिया की मिली इलिंगवर्थ और भारत की भरोसेमंद अमनजोत कौर की मौजूदगी से उसकी बल्लेबाजी अधिक मजबूत हो गई है। शबनिम इस्माइल मुंबई के गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगी, जिसमें साइका इशाक भी शामिल हैं। मेग लैनिंग के यूपी वॉरियर्स से जुड़ने के बाद भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने दिल्ली कैपिटल्स की कमान संभाल ली है। दिल्ली की टीम अभी तक तीनों बार फाइनल में पहुंची है लेकिन वह खिताब नहीं जीत पाई। इस बार वह इसमें किसी तरह की कसर नहीं छोड़ना चाहेगी।

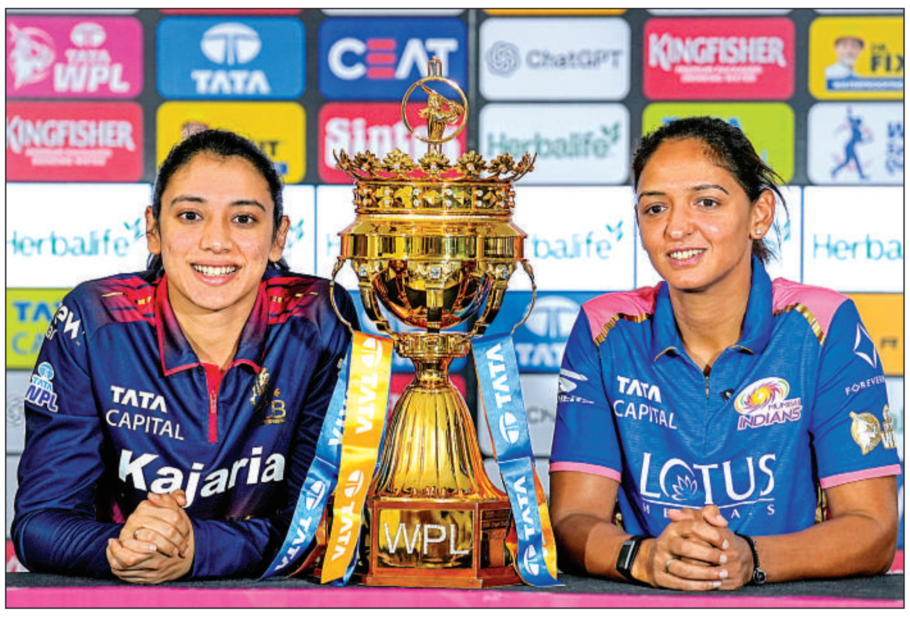

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रॉफी के साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तान स्मृति मंधाना व मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर।

टीम

आरसीबी : स्मृति मंधाना (कप्तान), जॉर्जिया वॉल, डी हेमलता/ गौतमी नाईक, ग्रेस हैरिस, ऋचा घोष (विकेटकीपर), नडीन डी क्लर्क, पूजा वस्त्रकर, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, अरुंधति रेड्डी, लॉरेन बेल।

एमआई : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), हीली मैथ्यूज, नैट सिवर-ब्रंट, अमीलिया कर, जी कमालिनी (विकेटकीपर) अमनजोत कौर, पूनम खेमनार, एस सजना, संस्कृति गुप्ता, शबनिम इस्माइल, शाइका इशाक।

पिच और परिस्थितियां : नवी मुंबई की परिस्थितियां बल्लेबाजी के अनुकूल रहने की पूरी उम्मीद है और दूसरी पारी में ओस का प्रभाव भी दिख सकता है। तेज गेंदबाज़ों को शुरुआत में मूवमेंट भी मिलती है।

अभ्यास सत्र के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम। एजेंसी

हम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बनना चाहते हैं डब्ल्यूपीएल इसमें मदद करेगा : मंधाना

नवी मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम का लक्ष्य सभी प्रारूपों में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बनना है और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) इसमें अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि भारत की पहली वनडे विश्व कप में भी डब्ल्यूपीएल का अहम योगदान रहा। हरमनप्रीत के साथ मैच की पूर्व संध्या पर आयोजित संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में मंधाना ने कहा टी20 विश्व कप जीतना शानदार होगा।

हरमनप्रीत कौर ने कहा कि उन्हें खुशी है कि भारतीय टीम अब बड़े लक्ष्य तय करने लगी है। हम सिर्फ एक विश्व कप जीतकर संतुष्ट नहीं हैं। हमें अभी बहुत क्रिकेट खेलना है और जब भी हम मैदान पर उतरते हैं तो जीत की मानसिकता के साथ उतरना चाहते हैं। उन्होंने कहा यह अच्छा है कि सिर्फ हम ही नहीं बल्कि नई खिलाड़ी भी अब यह बात कर रही हैं कि हम हर बार चैंपियन बनना चाहते हैं। इससे साफ पता चलता है कि डब्ल्यूपीएल का हम पर कितना असर पड़ा है।

62 रन
20 गेंद
07 चौके
05 छक्के

पंजाब के खिलाफ शॉट लगाते मुंबई के सरफराज खान। एजेंसी

सरफराज खान ने जड़ा सबसे तेज अर्धशतक

जयपुर, एजेंसी

सरफराज खान ने लिस्ट ए क्रिकेट में किसी भारतीय का सबसे तेज अर्धशतक लगाया, लेकिन गुरनूर बरार और मयंक मार्कंडेय के चार चार विकेटों की मदद से पंजाब ने विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई को आखिरी गेंद पर एक रन से हरा दिया। ग्रुप सी से नॉकआउट के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुके पंजाब और मुंबई के बीच बेहद रोमांचक मैच हुआ जिसमें पंजाब ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मुकाबला अपने नाम किया।

जीत के लिए 217 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई के सरफराज ने 15 गेंद में अर्धशतक जमाया। मुंबई ने 15 ओवरों के भीतर दो विकेट पर 139 रन बना लिये थे। सरफराज ने 20 गेंद में सात चौकों और पांच छक्कों की मदद से 62 रन बनाए। उन्होंने पंजाब के कप्तान अभिषेक शर्मा को तीन छक्के और तीन चौके लगाए। उनके आउट होने के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने 45 रन बनाये लेकिन दूसरे छोर से विकेट गिरते रहे। सूर्यकुमार यादव 15 और शिवम दुबे 12 रन ही बना सके। मुंबई को सिर्फ 16 रन की जरूरत थी और 27 ओवर तथा पांच विकेट बाकी थे। लेकिन राहुल चाहर ने 23वें ओवर में अय्यर को आउट कर दिया। इसके बाद मैच की तस्वीर पलट गई।

मुंबई को चार विकेट बाकी रहते जीत के लिये पांच रन चाहिये थे लेकिन बाकी सारे विकेट तीन रन के भीतर गंवा दिए। इस नतीजे के बाद पंजाब ग्रुप सी में शीर्ष पर रहा जबकि मुंबई को दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा।

विजय हजारे ट्रॉफी

यूपी ने बंगाल को पांच विकेट से हराया

राजकोट। ध्रुव जुरेल ने टूर्नामेंट में दूसरा शतक लगाया, जिसके दम पर उत्तर प्रदेश ने बंगाल को पांच विकेट से मात दी। बंगाल ने 45.1 ओवर में 269 रन बनाए, जिसमें सुदीप कुमार घारामी के 94 और शाहबाज अहमद के 43 रन शामिल थे। जवाब में जुरेल ने 96 गेंद में 123 रन बनाए जिसमें नौ चौके और पांच छक्के शामिल थे। सलामी बल्लेबाज आर्यन जुयाल ने 56 और कप्तान रिंकू सिंह ने नाबाद 37 रन बनाए। उत्तर प्रदेश ने 42.2 ओवर में पांच विकेट पर 272 रन जोड़े।

यौन उत्पीड़न के आरोप में निशानेबाजी कोच पर कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

- अंकुश भारद्वाज को कर दिया गया निलंबित

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने निशानेबाजी कोचिंग स्टाफ के एक प्रमुख सदस्य अंकुश भारद्वाज को निलंबित कर दिया है, क्योंकि एक नाबालिग निशानेबाज ने उन पर पिछले महीने राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

एनआरएआई ने पुष्टि की है कि फरीदाबाद में भारद्वाज के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है। मोहाली निवासी भारद्वाज पर पॉस्को अधिनियम की धारा छह (गंभीर यौन उत्पीड़न) और भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(2) (धमकी देने से संबंधित) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एनआरएआई के सचिव राजीव भाटिया ने पीटीआई को बताया एनआरएआई ने उन्हें निलंबित कर दिया है और हम उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करेंगे। उन्होंने कहा उन्हें नैतिक आधार पर निलंबित किया गया है। अब उन्हें खुद को निर्दोष साबित करना होगा। जांच पूरी होने तक वह किसी भी तरह की कोचिंग गतिविधि से नहीं जुड़े रहेंगे। भाटिया ने कहा कि एनआरएआई ने 2024 में पेरिस ओलंपिक के बाद 37 सदस्यीय कोचिंग टीम में भारद्वाज को स्थान देने की सिफारिश की थी। उन्होंने कहा एनआरएआई की सिफारिश पर ही भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने उन्हें कोच नियुक्त किया था। यह सूरजकुंड में हुई यौन उत्पीड़न की घटना है।

इस बीच खेल मंत्रालय ने कथित अपराध का संज्ञान लेते हुए कहा सभी हितधारकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि जो युवा खिलाड़ी कोच और संबंधित प्रणालियों पर भरोसा करते हैं, उन्हें इस तरह की स्थिति का सामना न करना पड़े।

एचआईएल में तीसरे स्थान पर रही रांची रॉयल्स

रांची। लुसीना वॉन डर हेडे और हन्ना कॉटर के दो दो गोल की मदद से रांची रॉयल्स ने बृहस्पतिवार को यहां महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के अपने अंतिम मुकाबले में एसजी पाइपर्स को 5-2 से शिकस्त देकर तीसरे स्थान से टूर्नामेंट का समापन किया।

रांची रॉयल्स के लिए लुसीना (दूसरे, 47वें मिनट), हन्ना (55वें, 60वें मिनट) और संगीता कुमारी (24वें मिनट) ने गोल किए।वहीं फाइनल में पहले ही जगह बना चुकी एसजी पाइपर्स की ओर से कप्तान नवनीत कौर ने 10वें और 58वें मिनट में दो गोल दागे। मुकाबले के पहले ही मिनट में रांची रॉयल्स को पेनल्टी कॉर्नर मिला और ड्रैगफ्लिकर लुसीना ने इसे गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिला दी। हालांकि एसजी पाइपर्स ने कप्तान नवनीत के गोल से वापसी की जिससे पहला क्वार्टर 1-1 की बराबरी पर रहा।

मलेशिया ओपन

भारत की स्टार खिलाड़ी ने जापान की तोमोका मियाजाकी को हराया, अगला मुकाबला जापान की ही अकाने यामागुची से

सिंधु और सात्विक-चिराग पहुंचे क्वार्टर फाइनल में

कुआलालंपुर, एजेंसी

भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को यहां अपने से अधिक रैंकिंग वाली जापान की खिलाड़ी तोमोका मियाजाकी को हराकर मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की लेकिन पुरुष एकल में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। चोट के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रहने के बाद वापसी कर रही पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने आठवीं वरीयता प्राप्त मियाजाकी को 33 मिनट में 21-8, 21-13 से हराया।

क्वार्टर फाइनल में सिंधु का मुकाबला तीसरी वरीयता प्राप्त जापानी खिलाड़ी अकाने यामागुची से होगा, जिन्होंने एक अन्य मैच में चीन की गाओ फांग जी को 21-11, 4-21, 21-17 से हराया। पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में दूसरा कांस्य पदक जीतने वाले सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी भी मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप को 39 मिनट में 21-18 21-12 से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। इस तरह से उन्होंने मलेशिया की जोड़ी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 4-0 कर दिया है। सात्विक और चिराग क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के चेन झी रे और लिन यू चिएह तथा इंडोनेशिया के फजर अल्फियन और फिकरी मुहम्मद के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे। हालांकि भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी को हार का सामना करना पड़ा। सेन प्री-क्वार्टर फाइनल में हांगकांग-चीन के ली चेउक यिउ से 53 मिनट में 22-22, 15-21 से हार गए।

पहले गेम से बढ़त बनाई

सिंधु ने पहले गेम में 5-1 की बढ़त हासिल की और फिर लगातार 13 अंक जीतकर 18-4 की शानदार बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने पहला गेम आसानी से अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम भी काफी हद तक एकतरफा रहा, हालांकि 19 वर्षीय मियाज़ाकी 8-9 से पिछड़ने के बाद कुछ समय के लिए मुकाबले में बनी रहीं। लेकिन सिंधू ने अपने अनुभव का अच्छा इस्तेमाल किया और 17-11 से छह अंक की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्हें मैच जीतने में ज्यादा समय नहीं लगा।

शेट्टी को चीन के शीर्ष वरीयता प्राप्त शी यू क्यूई के खिलाफ 70 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 18-21, 21-18, 12-12 से हार का सामना करना पड़ा। तीस वर्षीय सिंधु ने वापसी करने के बाद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और मियाजाकी के खिलाफ अपनी दूसरी जीत दर्ज की। इससे जापानी किशोरी के खिलाफ उनका करियर का रिकॉर्ड 2-1 हो गया है।

युगल मुकाबले में सात्विक और चिराग ने शुरू में 6-3 की बढ़त हासिल की और फिर उसे 12-9 तक पहुंचा दिया। मलेशियाई जोड़ी ने लगातार तीन अंक हासिल कर अंतर को कम किया, लेकिन भारतीय जोड़ी ने जल्द ही वापसी करते हुए 16-12 की बढ़त बना ली। जुनैदी और रॉय ने इस बीच एक बार 18-17 से बढ़त बनाई लेकिन सत्विक और चिराग ने लगातार चार अंक हासिल करके पहला गेम अपने नाम कर लिया।